खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 19 फरवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-49

अब धरणी

फॉरेंसिक जांच के आदेश, कटघरे में केसीआर

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने बुधवार को कहा कि धरणी भूमि रिकॉर्ड पोर्टल में कथित अनियमितताएं केवल तकनीकी खामियां नहीं थीं, बल्कि सिस्टम के भीतर समाहित व्यवस्थित दोषों का परिणाम थीं। गौरतलब है कि के. चंद्रशेखर राव के मुख्यमंत्रित्व काल में धरणी पोर्टल लाया गया था। माना जा रहा है कि अब इस पोर्टल की खामियां निकालकर सरकार केसीआर को कटघरे में खड़ा करना चाहती है।

कई परेशान करने वाले तथ्य

राज्य सचिवालय में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक के बाद राजस्व, आवास और सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने व्यापक कोड ऑडिट और राज्यव्यापी फॉरेंसिक जांच की घोषणा की। मंत्री ने कहा कि स्टाम्प ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क के कथित डायवर्जन की जांच में कई परेशान करने वाले तथ्य सामने आए हैं, जो आकस्मिक त्रुटियों के बजाय सुनियोजित हेरफेर की ओर इशारा करते हैं।

समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करने के बाद अधिकारियों को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि जांच से पता चला है कि नियमों के उल्लंघन में किए गए भूमि लेनदेन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी को कथित तौर पर दबा दिया गया था।

उन्होंने नोट किया कि हालांकि पहले फॉरेंसिक ऑडिट किया गया था, लेकिन धरणी पोर्टल का विस्तृत कोड ऑडिट नहीं किया गया था। उन्होंने कहा, यह कोई सामान्य तकनीकी समस्या नहीं है। ऐसा प्रतीत होता है कि सिस्टम के भीतर ही खामियां पैदा की गई थीं।

व्यापक कोड ऑडिट करने का निर्देश

उन्होंने अधिकारियों को कमियों की पहचान करने और जवाबदेही तय करने के लिए तुरंत व्यापक कोड ऑडिट करने का निर्देश दिया। प्रारंभिक निष्कर्षों ने यह भी संकेत दिया है कि संवेदनशील लॉगिन क्रेडेंशियल, जिन्हें गोपनीय रहना चाहिए था, या तो गायब थे या उनके साथ समझौता किया गया था।सरकार के अनुसार, राज्य के खजाने को देय स्टाम्प ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क को हड़पने के लिए पोर्टल की खामियों का कथित रूप से फायदा उठाया गया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए, मंत्री ने स्पष्ट किया कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा, चाहे उनका पद कुछ भी हो। सरकार का बकाया एक-एक रुपया वसूल किया जाएगा।

बैठक के दौरान एक विदेशी फर्म, टेरासिस को पोर्टल के रखरखाव का जिम्मा सौंपने के फैसले पर भी चिंता जताई गई। मंत्री ने कहा कि आउटसोर्सिंग प्रबंधन ने तकनीकी और प्रशासनिक जटिलताओं में योगदान दिया होगा। इस व्यापक जांच के हिस्से के रूप में एजेंसी की भूमिका की भी जांच की जाएगी।

धरणी की जगह लेगा भू-भारती

सरकार ने सिरसिल्ला और सिद्दीपेट में पहले से ही किए गए अभ्यासों की तर्ज पर सभी जिलों में फॉरेंसिक ऑडिट का विस्तार करने का निर्णय लिया है। इसका उद्देश्य धरणी प्रणाली के तहत दुरुपयोग के सभी मामलों को उजागर करना और भूमि प्रशासन में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। अधिकारियों को हर संदिग्ध लेनदेन की जांच करने और राजस्व हानि की सीमा की पहचान करने का निर्देश दिया गया है।

एक सुधारोन्मुखी कदम के रूप में, सरकार भू-भारती शीर्षक से एक नया भूमि प्रशासन मंच विकसित कर रही है, ▶10 पर

मशहूर ढाबे, टिफिन सेंटर, मिठाई दुकानें, रेस्टॉरेंट रडार पर

टैक्स हेराफेरी

बिलिंग सॉफ्टवेयर में 'बल्क डिलीट' बटन से टर्नओवर घटाने का खुलासा

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर के एक लोकप्रिय रेस्टोरेंट के बिलिंग सॉफ्टवेयर में मौजूद एक शक्तिशाली डिलीट बटन आयकर जांचकर्ताओं के रडार पर आ गया है। जांच में पाया गया है कि इस बटन के जरिए बिक्री के इतिहास (हिस्ट्री) के बड़े हिस्सेकभी-कभी एक बार में एक महीने तक के रिकॉर्डको मिटाया जा सकता था। अधिकारियों का कहना है कि पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) सिस्टम में इनबिल्ट यह फीचर टर्नओवर को छिपाने में मदद कर रहा था, जिससे नियमित निरीक्षण के दौरान कोई सुराग नहीं मिलता था। गौरतलब है कि कुछ मशहूर ढाबों, मीठाई की दुकानों व चाय के आउटलेटों में बिक्री छुपाने के लिए केवल नकद भुगतान की ही माँग की जाती है।

यह खुलासा हैदराबाद से शुरू हुए एक देशव्यापी अभियान के दौरान हुआ। आयकर जांच इकाई ने पहले एक बिरयानी श्रृंखला की तलाशी ली और फिर दर्जनों भोजनालयों तक जांच का विस्तार किया। आयकर अधिनियम की धारा 133ए के तहत की गई इस कार्रवाई में बिलिंग स्क्रीन और बैकएंड डेटा की तुलना की गई।

60 करोड़ की बिक्री छिपाने का आरोप

हैदराबाद के एक शाकाहारी टिफिन आउटलेट की जांच में पिछले पांच वर्षों में लगभग 60 करोड़ की बिक्री छिपाने का आरोप लगाया गया है। इसी तरह के पैटर्न बिरयानी आउटलेट्स और मांसाहारी रेस्टोरेंट्स में भी देखे गए हैं, जहाँ कुछ प्रतिष्ठान कथित तौर पर सालाना करोड़ों रुपये के कर की चोरी कर रहे थे। एक मांसाहारी रेस्टोरेंट में पांच वर्षों में 20 करोड़ की हेराफेरी पाई गई।

हेराफेरी के चार मुख्य तरीके

जांचकर्ताओं ने सॉफ्टवेयर के चार ऐसे कार्यों की पहचान की है जिनका दुरुपयोग टर्नओवर कम दिखाने के लिए किया जा रहा था- 1.**व्यक्तिगत बिल हटाना:** गलतियों को सुधारने के लिए बने इस फीचर का उपयोग बड़े मूल्य के इनवॉइस को हटाने के लिए किया गया। 2.**बल्क डिलीट :** यह सबसे गंभीर मामला है, जहाँ 30 दिनों तक के सभी बिलों को एक साथ हटाया जा सकता है। इसके उपयोग की कोई सीमा नहीं पाई गई। 3.**बिल संशोधन :** बिल बनने के बाद उसमें बदलाव करना। उदाहरण के तौर पर, 2,784 के बिल को कथित तौर पर बदलकर 27 कर दिया गया।

4.टर्नओवर का पुनर्निर्माण: जांचकर्ताओं ने हटाए गए बिलों और संशोधित बिलों की मूल राशि को जोड़कर वास्तविक बिलिंग का अनुमान लगाया और इसकी तुलना टैक्स रिटर्न से की।

एआई और फोरेंसिक से खुला नेटवर्क

अधिकारियों ने वास्तविक सुधार और संदिग्ध बदलावों के बीच अंतर करने के लिए फोरेंसिक विश्लेषण का सहारा लिया। वैध बदलाव आमतौर पर उसी दिन होते हैं, जबकि संदिग्ध संशोधन हफ्तों बाद या वित्तीय वर्ष के अंत में किए गए थे।

भारी डेटा के विश्लेषण के लिए जांचकर्ताओं ने जेनरेटिव एआई और उच्च क्षमता वाले फोरेंसिक सिस्टम का उपयोग किया। एआई की मदद से सार्वजनिक जानकारी को स्क्रैप करके लगभग 15,000 जीएसटी नंबरों का रेस्टोरेंट संस्थाओं से मिलान किया गया। ▶10 पर

राज्यसभा चुनाव घोषित

तेलंगाना सहित 37 सीटों के लिए मतदान 16 को

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत निर्वाचन आयोग ने बुधवार को तेलंगाना की दो राज्यसभा सीटों सहित देश भर की 37 सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। तेलंगाना से राज्यसभा सांसद के.आर. सुरेश रेड्डी और अभिषेक मनु सिंघवी का कार्यकाल 9 अप्रैल को समाप्त हो रहा है, जिसे देखते हुए आयोग ने इन सीटों को भरने की प्रक्रिया शुरू की है।

वर्तमान में के.आर. सुरेश रेड्डी भारत राष्ट्र समिति का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि अभिषेक मनु सिंघवी राज्यसभा में कांग्रेस पार्टी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इन दोनों सदस्यों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद खाली होने वाली इन सीटों पर नए सदस्यों का चुनाव किया जाएगा। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार, महत्वपूर्ण तिथियां इस प्रकार हैं- **अधिसूचना जारी होने की तिथि:** 26 फरवरी, **नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि:** 5 मार्च, **नामांकन पत्रों की जांच:** 6 मार्च, **नाम वापसी की अंतिम तिथि:** 9 मार्च, ▶10 पर

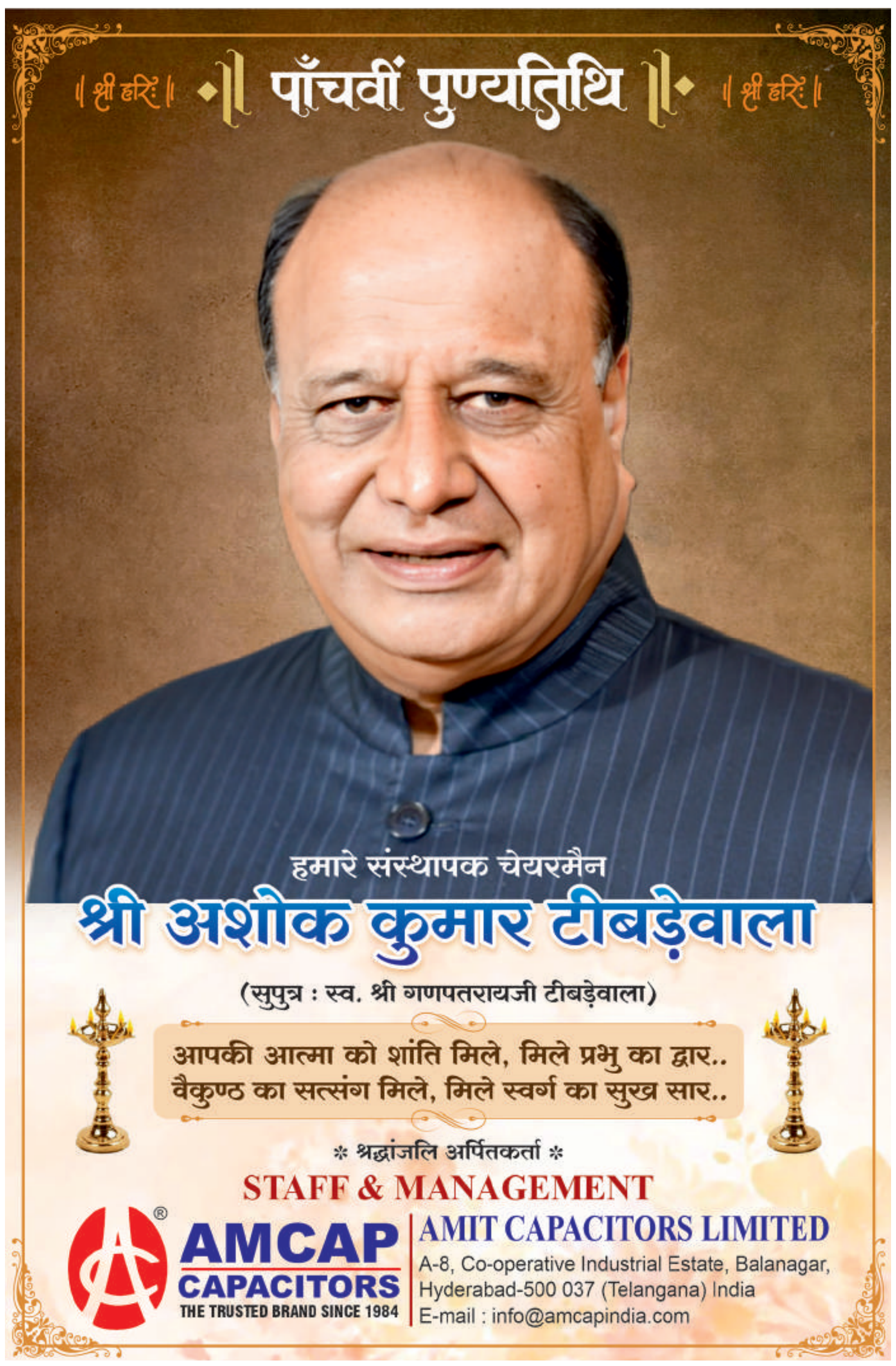

अदालतों में बम धमकी से हड़कंप

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की अदालतों को निशाना बनाकर भेजे गए बम की धमकी वाले ईमेल की एक श्रृंखला ने बुधवार को भारी दहशत पैदा कर दी और सुरक्षा व्यवस्था को हाई-अलर्ट पर ला दिया। पुलिस ने कई स्थानों पर सघन तलाशी अभियान चलाया, जिसके बाद पुष्टि हुई कि कोई विस्फोटक नहीं मिला है।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, नामपल्ली स्थित सीबीआई कोर्ट के अधिकारियों को एक ईमेल मिला जिसमें परिसर के अंदर विस्फोटक उपकरण होने की चेतावनी दी गई थी। इस संदेश के मिलते ही कोर्ट की इमारत से जजों, कर्मचारियों, वकीलों और वादियों को तुरंत बाहर निकाल लिया गया।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वाड को पूरे परिसर की बारीकी से जांच करने के काम में लगाया गया। आबिद रोड पुलिस अधिकारियों ने कहा कि एहतियात के तौर पर तलाशी ली गई और कोई संदिग्ध सामग्री नहीं मिली। अंततः यह धमकी फर्जी निकली।

रहस्यों से भरा विशालकाय खगोलीय पिंड है सूर्य : शोध

वाशिंगटन, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

क्या आपने कभी सोचा है कि सूर्य की गर्मी वास्तव में है क्या लगभग 4.5 अरब वर्ष पुराना सूर्य महज गर्मी और रोशनी का स्रोत नहीं, बल्कि रहस्यों से भरा एक विशाल खगोलीय पिंड है, जिसकी संरचना और क्रियाएं वैज्ञानिकों के लिए आज भी शोध का विषय बनी हुई हैं। सूर्य एक पीला बौना तारा है, जो मुख्य रूप से हाइड्रोजन और हीलियम गैसों से बना हुआ है।

यह हमारे सौरमंडल का केंद्र है और पृथ्वी सहित सभी ग्रह इसी के चक्कर लगाते हैं। पृथ्वी से सूर्य की औसत दूरी 93 मिलियन मील (150 मिलियन किमी) है। सौरमंडल का यह एकमात्र तारा पृथ्वी पर जीवन का आधार है। सूर्य से मिलने वाली ऊर्जा ही प्रकाश, गर्मी और जीवन को संभव बनाती है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के अनुसार, सूर्य देखने में भले ही स्थिर दिखता है, लेकिन वास्तव में यह लगातार ऊर्जा और कणों का विस्फोट करता रहने वाला एक अत्यंत गतिशील तारा है। सूर्य और उसके प्रभावों का अध्ययन हीलियोफिज़िक्स कहलाता है। सूरज का आकार हमारी पृथ्वी से 109 गुना बड़ा है, और यदि यह खोखला होता तो इसमें करीब 13 लाख पृथ्वी समा सकती थीं। इसकी गुरुत्वाकर्षण शक्ति ही सौरमंडल के ग्रहों, धूमकेतुओं और क्षुद्रग्रहों को कक्षा में टिकाए रखती है। हालांकि सूर्य पृथ्वी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, पर ब्रह्मांड में यह एक सामान्य तारा माना जाता है। वैज्ञानिकों को इससे 100 गुना बड़े तारे भी मिल चुके हैं। कई तारकीय प्रणालियों में दो या उससे अधिक तारे एक साथ पाए जाते हैं। सूर्य का सबसे गर्म भाग उसका कोर है, जहां तापमान 15 मिलियन डिग्री सेल्सियस से भी अधिक होता है। पृथ्वी से दिखाई देने वाली सतह को फोटोस्फीयर कहा जाता है, जिसका तापमान 5,500 डिग्री सेल्सियस है। यहीं से सूर्य का अधिकांश प्रकाश निकलता है। लेकिन वैज्ञानिकों के लिए सबसे बड़ा रहस्य इसका बाहरी वातावरण कोरोना है, जिसका तापमान सतह से दूर जाने पर उलटा बढ़ता जाता है और 2 मिलियन डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। कोरोना हीटिंग का यह रहस्य आज भी पूरी तरह समझ नहीं आया है। सूर्य का रेडियस करीब 7 लाख किलोमीटर है। इसका नजदीकी पड़ोसी तारा प्राक्सिमा सेंचुरी पृथ्वी से 4.24 प्रकाश वर्ष दूर स्थित है। सूर्य आकाशगंगा मिल्की वे के ओरियन स्पर में स्थित है और लगभग 4,50,000 मील प्रति घंटे की गति से गैलेक्सी के केंद्र की परिक्रमा करता है, जिसे पूरा करने में 230 मिलियन वर्ष लगते हैं। सूरज अपनी धुरी पर भी घूमता है, लेकिन ठोस न होने की वजह से इसके विभिन्न हिस्से अलग-अलग गति से घूमते हैं। यह हर 11 वर्ष के सोलर साइकिल से गुजरता है, जो अंतरिक्ष के मौसम पर प्रभाव डालता है। सौर गतिविधि में वृद्धि से सैटेलाइट, जीपीएस और पावर ग्रिड प्रभावित हो सकते हैं, जिसके लिए एओएए स्पेस वेदर प्रिडिक्शन सेंटर समय-समय पर अलर्ट जारी करता है।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान में आत्मघाती हमला, 11 सुरक्षाकर्मियों की मौत

कराची। पाकिस्तान में हुए एक बड़े आत्मघाती हमले में 11 सुरक्षाकर्मियों सहित 12 लोगों की मौत हो गई। आतंकवादियों ने विस्फोटकों से भरी एक गाड़ी को सेना की चौकी की दीवार से टकरा दिया। पाकिस्तान लगातार हिंसा और धमाकों से जूझ रहा है। पाकिस्तानी सेना ने बताया है कि यह हमला अफगानिस्तान की सीमा से लगे बाजुर जिले में सोमवार को हुआ। इस आत्मघाती हमले में सात लोग घायल भी हुए हैं। घायलों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। पाकिस्तानी सेना ने बताया है कि सुरक्षाकर्मियों ने जब आतंकवादियों को रोकने की कोशिश की तो उन्होंने विस्फोटकों से लदी गाड़ी को दीवार से टकरा दिया। सेना का कहना है कि इस आत्मघाती हमले के दौरान 12 आतंकवादी भी मारे गए हैं। टीटीपी ने ली हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तानी तालिबान जिसे तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के नाम से भी जाना जाता है, उसने इस आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी ली है। टीटीपी की मंशा पाकिस्तान में शरीयत को लागू करने की है। पिछले कुछ सालों में टीटीपी ने पाकिस्तान के कई इलाकों में आत्मघाती हमलों को अंजाम दिया है। पाकिस्तान बार-बार आरोप लगाता है कि अफगानिस्तान आतंकवादियों को सुरक्षित ठिकाना मुहैया करा रहा है लेकिन तालिबान सरकार इससे इनकार करती है।

बीएनपी के तारिक रहमान के लिए कांटो भरा होगा ताज, जमात बन सकती है चुनौती

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की प्रचंड जीत के बाद तारिक रहमान सत्ता की बागडोर संभालने जा रहे हैं, लेकिन खुफिया एजेंसियों का मानना है कि उनकी राह आसान नहीं होगी। मोहम्मद यूनुस के अंतरिम सरकार ने देश को जिस हालत में छोड़ा है, वहां से सब कुछ फिर से शुरू करना बहुत मुश्कल होगा। सबसे बड़ी चिंता जमात-ए-इस्लामी का उदय है, जिसने 77 सीटें जीतकर अपने इतिहास का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया है। रिपोर्ट के मुताबिक तारिक रहमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती विदेशी रिश्तों को सुधारना नहीं, बल्कि देश के अंदर गंदगी साफ करना है। अंतरिम सलाहकार मोहम्मद यूनुस पर आरोप है कि उन्होंने पाकिस्तान को तवज्जो दी। वीजा नियमों में ढील दी और समुद्री रास्ते खोल दिए। भारतीय एजेंसियों का दावा है कि यूनुस की इन गलतियों का फायदा उठाकर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने बांग्लादेश में हथियार, गोला-बारूद और आतंकी भेजे। इन्ही रास्तों से ड्रग्स की तस्करी कर भारत में नशा भेजा जा रहा है। रहमान को अब इस नेटवर्क को तोड़ना होगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भले ही सरकार बीएनपी की बन रही हो, लेकिन जमात-ए-इस्लामी का कद बढ़ना खतरे की घंटी है। जो पार्टी कभी 20 सीटों का आंकड़ा पार नहीं कर पाती थी, वह आज 77 सीटों पर काबिज है। यह एक बड़ी छलांग है। जमात का एजेंडा 1971 के मुक्ति संग्राम की यादों को मिटाना और बांग्लादेश को पाकिस्तान की विचारधारा के करीब ले जाना है। रिपोर्ट में भारत की सुरक्षा को लेकर गंभीर चेतावनी दी गई है। जमात ने पश्चिम बंगाल से सटे सीमावर्ती इलाकों में जीत हासिल की है। इन इलाकों में जमात की पकड़ मजबूत होने से कट्टरपंथ तेजी से फैलेगा, जो सीधे तौर पर भारत की नेशनल सिक्योरिटी के लिए चुनौती है। बीएनपी के पास अपने दम पर बहुमत है, इसलिए उसे सरकार चलाने के लिए जमात की बैसाखी की जरूरत नहीं है।

हवा में उड़ता परमाणु रिएक्टर: अमेरिका ने रचा इतिहास

वाशिंगटन। अमेरिका ने परमाणु रिएक्टर को एक जगह से दूसरी जगह एयरलिफ्ट कर इतिहास बना दिया है। अभी तक माना जाता था कि परमाणु रिएक्टर एक स्थिर और स्थायी स्ट्रक्चर होते हैं, जिन्हें एक जगह से दूसरी जगह शिफ्ट नहीं कर सकते है। लेकिन, अमेरिका ने आपरेशन विंडलार्ड के जरिए वार्ड 250 परमाणु रिएक्टर के आठ माड्यूल को तीन सी-17 ग्लोबमास्टर ट्रांसपोर्ट प्लेन ने कैलिफोर्निया के मार्च एयर रिजर्व बेस से यूटा के हिल एयर फोर्स बेस तक एयरलिफ्ट किया है। वार्ड 250 माइक्रोरिएक्टर को कैलिफोर्निया के वैलर एटामिक्स का बनाया है। हालांकि, ट्रांसपोर्ट करते वक्त उसमें न्यूक्लियर फ्यूल नहीं था। वार्ड 250 न्यूक्लियर रिएक्टर क्या है वार्ड 250 एक काम्पैक्ट न्यूक्लियर रिएक्टर है, जो करीब एक बड़ी वैन के साइज का है। अपनी पूरी क्षमता पर यह रिएक्टर करीब 5 मेगावाट की बिजली बना सकता है, जो करीब 5000 घरों को उजाला कर सकता है।

दुनिया में ईसाई सबसे ज्यादा, मुस्लिम सबसे तेजी से बढ़े, हिंदू 15 फीसदी हुए

लंदन, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

दुनिया में धार्मिक विविधता और अलग-अलग मजहब के मानने वालों पर एक रिपोर्ट जारी की है। इससे पता चलता है कि दुनिया में ईसाई धर्म को मानने वाले लोगों का दबदबा बना हुआ है। वहीं सबसे तेजी से बढ़ने वाला धर्म इस्लाम है। ईसाई और इस्लाम के बाद नास्तिकों की संख्या सबसे ज्यादा है। इसके बाद दुनिया में हिंदुओं की आबादी तकरीबन 15 फीसदी है। 201 देशों पर की गई स्टडी में सिंगापुर को दुनिया का सबसे ज्यादा धार्मिक रूप से विविधता वाला देश माना गया है।

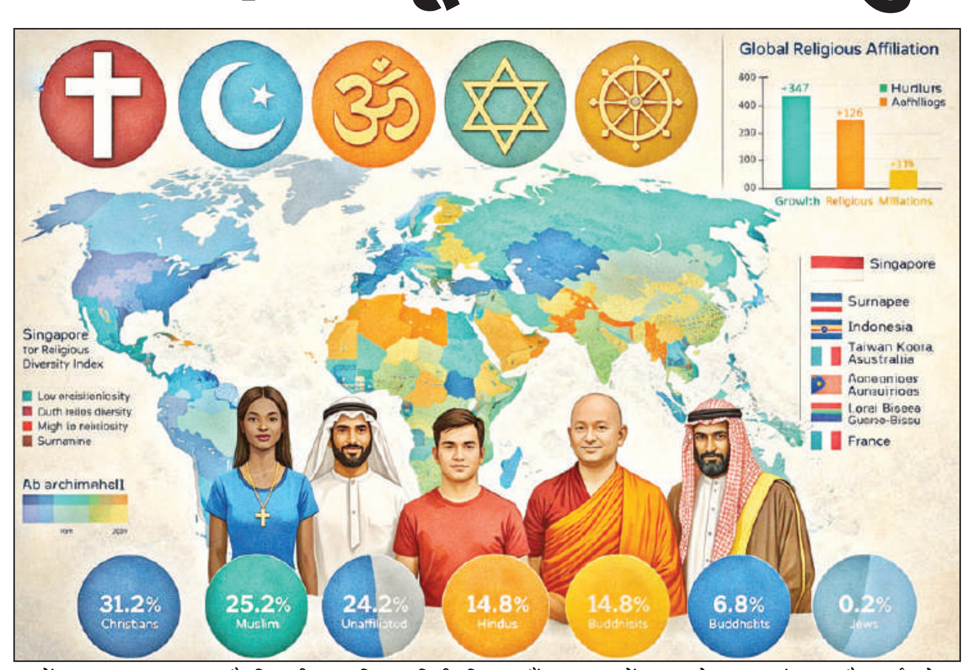

रिपोर्ट के मुताबिक, ईसाई 2.3 अरब की आबादी के साथ दुनिया का सबसे बड़ा धर्म हैं। हालांकि दुनिया की आबादी की रफ्तार कुछ कम हुई है। इस्लाम दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला बड़ा धर्म है। मुस्लिम पिछले 10 सालों में 347 मिलियन (34.7 करोड़) बढ़े हैं। हिंदुओं की आबादी 126 मिलियन (12.6 करोड़) बढ़कर 1.2 अरब हो गई है। हिंदू अब दुनिया की आबादी का 14.9 प्रतिशत है।

वहीं दुनिया में नास्तिकों (किसी धर्म को ना मानने वाले) की आबादी तेजी से बढ़ी है। दुनियाभर में अब किसी धर्म को ना मानने वाले लोगों की संख्या 24.2 प्रतिशत है, जो तीसरी सबसे बड़ी कैटेगरी है। वहीं बौद्ध धर्म को मानने वालों का एकमात्र बड़ा समूह है, जिनकी संख्या में कमी आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, सिंगापुर दुनिया का सबसे ज्यादा धार्मिक रूप से अलग-अलग लोगों का देश है। बौद्ध (31प्रतिशत) सिंगापुर का सबसे बड़ा धार्मिक ग्रुप है। सिंगापुर की आबादी में नास्तिक 20प्रतिशत, ईसाई 19 प्रतिशत, मुस्लिम 16 प्रतिशत, हिंदू 5 और अन्य धर्मों को मानने वाले 9 फीसदी हैं।

धार्मिक विविधता में सूरीनाम दूसरे नंबर पर है। टाप 10 में वह अकेला लैटिन अमेरिकी देश है। सूरीनाम में 53 प्रतिशत ईसाई हैं। इसके बाद हिंदू (22प्रतिशत), मुस्लिम (13प्रतिशत) और नास्तिक लोग (8प्रतिशत) हैं। इस सूची में टाप 10 में ताइवान, साउथ कोरिया, आस्ट्रेलिया, मारिशस, गिनी-बिसाऊ हैं। टाप 10 में फ्रांस अकेला यूरोपियन देश है। इसकी आबादी में 46 फीसदी ईसाई, 43 प्रतिशत नास्तिक और मुस्लिम 9 प्रतिशत है। अमेरिका दुनिया के 10 सबसे ज्यादा धार्मिक रूप से अलग-अलग तरह के देशों में नहीं है। इस रिपोर्ट में मुस्लिम वह ग्रुप है, जो बहुत कम अलग-अलग तरह के लोगों वाले देशों में सबसे ज्यादा रहता है। हालांकि वे अलग-अलग तरह के लोगों वाली जगहों पर भी रहते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि कई मुस्लिम मिडिल ईस्ट-नार्थ अफ्रीकी देशों में रहते हैं, जहां ज्यादातर लोग इस्लाम को मानने वाले हैं। ईसाई इस शोध में शामिल ग्रुप में सबसे ज्यादा फैले हुए हैं। इनके अलग-अलग तरह के लोगों वाले देशों में रहने की सबसे ज्यादा संभावना है। धर्म को ना मानने वाले ज्यादातर लोग अलग-अलग तरह के समाजों में रहते हैं, जैसे चीन, जहां दुनिया की दो-तिहाई अलग-अलग तरह की आबादी रहती है।

यहूदी लोग अलग-अलग तरह के देशों में बराबर बंटे हुए हैं। दुनिया की 40 प्रतिशत यहूदी आबादी अमेरिका और 46 प्रतिशत इजरायल में रहती है। हिंदू दुनियाभर के बड़े हिस्से में फैले हैं लेकिन ज्यादा दक्षिण एशिया में हैं। दुनिया के हिंदुओं की करीब 95 प्रतिशत आबादी भारत में रहती है। इसके अलावा बांग्लादेश और नेपाल में हिंदुओं की अच्छी आबादी है। बौद्ध लोग धार्मिक अलग-अलग तरह के लोगों के लेवल पर सबसे ज्यादा फैले हुए हैं।

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री से नेपाल के विदेशमंत्री ने की मुलाकात

काठमांडू, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

नेपाल के विदेशमंत्री बालानंद शर्मा ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान से शिष्टाचार मुलाकात की है। शर्मा ने उन्हें बधाई दी और नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की ओर से शुभकामना संदेश सौंपा। संदेश में रहमान की चुनावी जीत की सराहना करते हुए आपसी सम्मान, साझा प्राथमिकताओं और साझेदारी के आधार पर नेपाल-बांग्लादेश संबंधों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

ढाका स्थित नेपाली राजदूतावास के तरफ से आज जारी एक बयान में कहा गया है कि नेपाल के विदेशमंत्री शर्मा ने 12 फरवरी को हुए राष्ट्रीय चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी को निर्णायक जीत दिलाने के लिए भी रहमान को बधाई दी और बांग्लादेश में शांतिपूर्ण व सफल लोकतांत्रिक सत्ता हस्तांतरण की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री रहमान ने शपथ ग्रहण समारोह में शर्मा की उपस्थिति के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि यह बांग्लादेश के प्रति नेपाल सरकार और नेपाली जनता की एकजुटता तथा सद्भावना को दर्शाता है। बयान में दोनों नेताओं के बीच व्यापार, निवेश, ऊर्जा, संपर्क, शिक्षा और पर्यटन के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराने की जानकारी दी गई है। रहमान ने नेपाल में आगामी पांच मार्च को होने जा रहे संसदीय चुनाव के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नेपाल में भी आम चुनाव के जरिए जनता के चुने हुए प्रतिनिधि को शांतिपूर्ण ढंग से सत्ता हस्तांतरण किया जाएगा। बैठक से पहले विदेशमंत्री शर्मा ने बांग्लादेश के नवनियुक्त प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद के सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया। अपनी यात्रा के दौरान शर्मा ने विपक्ष के नेता डा. शफीकुर रहमान तथा जमात-ए-इस्लामी के अमीर से भी मुलाकात कर द्विपक्षीय सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा की।

सौंदर्य प्रसाधन कंपनी पैट मैक्ग्रा संकट में

वाशिंगटन। लंदन की अश्वेत लड़की पैट मैक्ग्रा, जिसने मां के किचन से शुरू करके पेरिस-मिलान के सबसे बड़े रैम्प तक मेकअप का जादू पहुंचाया। आज अपनी ही कंपनी पैट मैक्ग्रा लैब्स को दिवालियेपन से बचाने की लड़ाई लड़ रही हैं। दुनिया उन्हें मदर आफ मेकअप कहती है। मैडोना, टेलर स्विफ्ट, किम कार्दशियां से लेकर रिहाना तक के जिन चेहरों को हम रेड कार्पेट पर चमकता देखते हैं, उनमें पैट के ब्रश का स्पर्श होता है। 2015 में शुरू हुआ उनका ब्रांड पैट मैक्ग्रा लैब्स 2018 में 9000 करोड़ रु. से ज्यादा का सौंदर्य कारोबार कर रहा था। ऐसा करने वाला पहला अश्वेत महिला स्वामित्व का सौंदर्य ब्रांड बना। इसके आठ साल बाद ही पिछले महीने जनवरी में इसी कंपनी को कर्ज से राहत के लिए अमेरिका में दिवालिया होने की अर्जी देनी पड़ी। इसमें कंपनी पर 453 करोड़ रु. से अधिक के कर्ज की बात कही गई है।

बच्चों को कट्टरपंथ की ओर धकेलने की साजिश हो रही आनलाइन गेमिंग से

सैन फ्रांसिस्को, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

लोकप्रिय गेमिंग प्लेटफार्म्स पर बच्चे घंटों बिताते हैं और इसी आड़ में अब एक खतरनाक ट्रेंड तेजी से पनप रहा है। आतंकी और नफरत फैलाने वाले संगठन आनलाइन गेमिंग की दुनिया का इस्तेमाल बच्चों को बहकाने और अपने नेटवर्क में जोड़ने के लिए करने लगे हैं। यह प्रवृत्ति दुनियाभर के सुरक्षा एजेंसियों के लिए गंभीर चिंता का कारण बन गई है। एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि गेमिंग प्लेटफार्म पर बच्चों से पहले दोस्ती की जाती है और फिर धीरे-धीरे उन्हें हिंसक विचारधाराओं की ओर धकेला जाता है।

कई मामलों में तो हथियारों के इस्तेमाल या हमलों के डिजिटल सिमुलेशन दिखाकर बच्चों को मानसिक रूप से प्रभावित किया जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि नई डिजिटल पीढ़ी सोशल मीडिया और आनलाइन गेम्स में ज्यादा सक्रिय रहती है, जिससे उन्हें निशाना बनाना बेहद आसान हो गया है। रिसर्च संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों की रिपोर्ट्स में बताया गया है कि कई गेम्स में मौजूद निजी सर्वर और चैट फीचर्स का इस्तेमाल बच्चों से संपर्क बनाने के लिए किया जाता है। शुरुआत में साधारण बातचीत और गेमिंग टिप्स के बहाने बच्चे विश्वास में लिए जाते हैं, इसके बाद उन्हें अलग-अलग प्राइवेट ग्रुप्स, क्लोज कम्युनिटीज और चैट चैनल्स में जोड़ा जाता है। इन्हीं जगहों पर कट्टरपंथी सामग्री साझा की जाती है और बच्चों को धीरे-धीरे ब्रेनवाश किया जाता है।

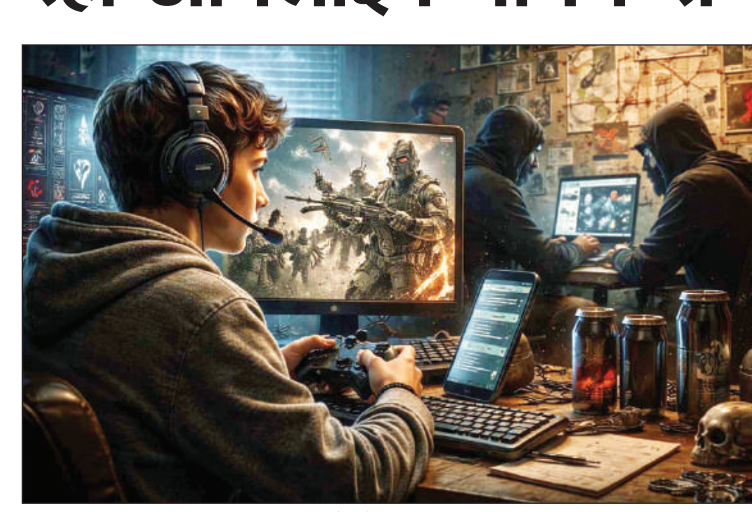

कुछ मामलों में तो गेम्स के भीतर ही ऐसे डिजिटल वर्ल्ड तैयार किए गए हैं, जहां आतंकी हमलों जैसी स्थितियों का सिमुलेशन होता है। बच्चे इन्हें सिर्फ गेम समझकर खेलते रहते हैं, लेकिन यह धीरे-धीरे उनकी सोच को हिंसक दिशा में मोड़ सकता है। यहां तक कि कुछ बच्चों को आनलाइन गाइड या वीडियो के माध्यम से विस्फोटक और हथियारों के बारे में जानकारी देने की कोशिश भी सामने आई है। विशेषज्ञों का मानना है कि माता-पिता अपने बच्चों को इस खतरे से बचाने में सबसे अहम भूमिका निभा सकते हैं।

कनाडा के इस शहर में एक साथ निकलते हैं लाखों सांप, जानें क्यों खास है यह अनोखा दृश्य

टोरंटो, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

अगर आप घूमने-फिरने के शौकीन हैं और कुछ ऐसा देखना चाहते हैं जो आपने अपनी पूरी जिंदगी में कभी न देखा हो, तब कनाडा के नार्सिस स्नेक डेंस पहुंचे। आपने कभी ऐसी जगह के बारे में सुना है जहां जमीन पर हर तरफ सांप ही सांप रेंगते दिखाते हैं कनाडा के इस छोटे से इलाके में हर साल एक ऐसा जादुई और थोड़ा हैरतअंगेज नजारा दिखता है, इस नजारे को देखने दुनिया भर के एडवेंचर प्रेमी और वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर्स अपनी जान हथेली पर रखकर पहुंचते हैं।

सांपों की रहस्यमयी दुनिया का यह अनुभव आपको हैरान कर देगा, जहां एक ही जगह पर करीब 1 लाख सांपों का डेरा होता है। कनाडा के मैनिटोबा में स्थित नार्सिस स्नेक डेंस को दुनिया का सबसे बड़ा सांपों का घर माना जाता है। यहां लाल-किनारे वाले गार्टर सांप रहते हैं। वसंत का मौसम (अप्रैल के आखिर से मई की शुरुआत) आते ही ये सांप जमीन के नीचे बनी अपनी गहरी चूना पत्थर की गुफाओं से बाहर निकल आते है। इस दौरान नजारा ऐसा होता है कि आपको घास के मैदान में जमीन कम और सांप ज्यादा नजर आएंगे। सांपों का यह जमावड़ा इतना विशाल होता है कि यह देखने के लिए बाकायदा टूरिस्ट प्लेटफार्म बनाए गए हैं, जहां से आप सुरक्षित खड़े होकर इस अद्भुत दृश्य का लुत्फ उठा सकते हैं।

एक समय ऐसा भी था जब इस पर्यटन स्थल पर सांपों की जान खतरे में थी। इन सांपों को अपनी गुफाओं से निकलकर पास के दलदल तक जाने के लिए हाईवे 17 पार करना पड़ता था, जहां हर साल हजारों सांप गाड़ियों के नीचे कुचल जाते थे। लेकिन वाइल्डलाइफ प्रेमियों और प्रशासन ने मिलकर एक अनोखा रास्ता निकाला। उन्होंने हाईवे के नीचे खास स्नेक टनल (सांपों के लिए सुरंगें) बनवाई। अब ये सांप बिना किसी डर के सड़क के नीचे से सुरक्षित पार सकते हैं। सैलानियों के लिए यह देखना वाकई दिलचस्प होता है कि कैसे इंसानों की एक छोटी सी कोशिश ने इस पूरी प्रजाति को बचाया।

फोटोग्राफर्स के लिए यह किसी जन्नत से कम नहीं है। सबसे अच्छी बात यह है कि ये गार्टर सांप जहरीले नहीं होते, इसलिए यहां का अनुभव डरावना होने के साथ-साथ काफी रोमांचक भी होता है। सितंबर के महीने में ये सांप वापस अपनी गुफाओं की ओर लौटने लगते हैं, जो अपने आप में एक अलग तरह का अनुभव है।

सबके लिए शिक्षा और स्वास्थ्य सुलभ होना चाहिए : मोहन भागवत

लखनऊ,18 फरवरी (एजेंसियां) । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य मूलभूत आवश्यकताएं हैं। ये व्यवसाय नहीं हो सकते। शिक्षा और स्वास्थ्य सबके लिए सुलभ होने चाहिए। मोहन भागवत ने बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में आयोजित शोधार्थी संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम के लोगों ने शिक्षा के साथ खिलवाड़ किया। उन्होंने हमारी शिक्षा व्यवस्था हटाकर अपनी थोपी, जिससे उन्हें काम करने के लिए काले अंग्रेज मिल जाएं। अंग्रेजों ने जो बिगाड़ा, उसको ठीक करना होगा। उन्होंने कहा कि संघ का कार्य देश को परम वैभव संपन्न बनाना है। संघ समाज की एकता और गुणवत्ता की चिंता करता है। संघ को समझना है तो संघ के अंदर आकर कर देखिये। संघ को पढ़कर नहीं समझा जा सकता है। संघ को संपूर्ण हिन्दू समाज को संगठित करने का काम करना है। संघ किसी के विरोध में नहीं है। संघ को लोकप्रियता, प्रभाव और शक्ति नहीं चाहिए। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारत की दिशा और दशा बदलने में शोध की बड़ी भूमिका है। सत्यपरक बातें सामने आनी चाहिए। हम अज्ञानता से भारत को समझ ही नहीं पाएंगे। उन्होंने शोधार्थियों से

कहा कि जो भी शोध करें उसे उत्कृष्ट रूप से, प्रामाणिकतापूर्वक, तन-मन-धन से, निःस्वार्थ भाव से देश के लिए करें। उन्होंने कहा कि संघ को लेकर बहुत दुष्प्रचार होता है। शोधार्थियों को सत्य सामने लाना चाहिए। उन्होंने वैश्वीकरण पर बात करते हुए कहा कि यह कोई बहुत बड़ी चुनौती नहीं है। आज वैश्वीकरण का मतलब बाजारीकरण से है, जो खतरनाक है। हम वसुधैव कुटुंबकम की बात करते हैं, यानी पूरे विश्व को अपना परिवार मानते हैं। जब तक सब सुखी नहीं होंगे, एक व्यक्ति सुखी नहीं हो सकता है, इसलिए हमारा जीवन संयमित होना चाहिए, उपभोगवादी नहीं होना चाहिए। संयम और त्याग का जीवन हमारी संस्कृति के आत्मबोध में है। पश्चिमी देशों ने जड़वाद फैलाया। उन देशों की सोच है कि बलशाली बनकर खुद जियो और बाकी को छोड़ दो। जो बाधक बने, उन्हें मिटा दो। यही काम आज अमेरिका और चीन कर रहे हैं, लेकिन आज दुनिया भर की समस्याओं के प्रश्नों का उत्तर भारत के पास है। विश्व गुरु बनना है तो सभी क्षेत्रों में शक्तिशाली बनना होगा। दुनिया तभी मानती है जब सत्य के पीछे शक्ति हो।

उन्होंने कहा कि धर्म का शाश्वत स्वरूप सदैव प्रासंगिक है। सृष्टि जिन नियमों से चलती है, वह धर्म है। धूल का एक भी कण धर्मनिरपेक्ष नहीं हो सकता है। धर्म सबको सुख पहुंचाता है। हमारी सभी बातों में धर्म लागू है। आचरण धर्म, देश और काल के अनुसार बदलता रहता है। धर्म बताता है कि हमें अकेले नहीं, सबके साथ जीना है। संघ प्रमुख ने कहा कि पर्यावरण के प्रति हम लोगों को मित्र भाव से जीवन को जीना चाहिए। पेड़ लगाना, पानी बचाना, और एकल प्लास्टिक का प्रयोग न करना जैसे कार्य पर्यावरण संरक्षण में सहायक हो सकते हैं। हमें आधुनिक तकनीक का भी पर्यावरण संरक्षण में उपयोग करना चाहिए।

विजय माल्या ने इंग्लैंड से वापसी में जताई 'असमर्थता', बॉम्बे हाईकोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल को दिया जवाब दाखिल करने का निर्देश

मुंबई,18 फरवरी (एजेंसियां) । बॉम्बे हाईकोर्ट में मंगलवार को विजय माल्या से जुड़ी दो अहम याचिकाओं पर सुनवाई हुई। इस दौरान माल्या के वकील ने अदालत को बताया कि वह यह स्पष्ट नहीं कर सकते कि भारत कब लौट पाएंगे, क्योंकि इंग्लैंड की अदालतों ने उनके देश छोड़ने पर रोक लगा रखी है। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अनखड़ की खंडपीठ के समक्ष हुई। माल्या की ओर से दायर याचिकाओं में उन्हें फ्यूजिटिव इकोनॉमिक ऑफेंडर घोषित किए जाने को चुनौती दी गई। साथ ही उस आदेश को भी चुनौती दी गई है जिसमें उन्हें भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया था।

माल्या की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अमित देसाई ने दलील दी कि सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों में याचिकाएं याचिकाकर्ता की गैरहाजिरी में भी सुनी गई हैं। उन्होंने कहा कि उनके मुवक्किल के खिलाफ प्रत्यर्पण की कार्यवाही इंग्लैंड में जारी है और अदालत के आदेश के कारण वह बाहर नहीं जा सकते।

हालांकि, मुख्य न्यायाधीश ने माल्या की अदालत में पेश होने की मंशा पर सवाल उठाए। पीठ ने कहा कि माल्या इंग्लैंड की अदालत के आदेशों का हवाला दे रहे हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया गया कि उन्होंने उन आदेशों को चुनौती दी है या नहीं। अदालत ने इसे एक बहाने के रूप में देखा।

सुनवाई के दौरान अदालत ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को निर्देश दिया कि वे माल्या के हलफनामे पर जवाब दाखिल करें। पीठ ने यह भी कहा कि अदालत में आज जो बयान दिए गए हैं, उन्हें शपथपत्र के रूप में दाखिल किया जाए ताकि उन्हें रिकॉर्ड पर लिया जा सके और केंद्र सरकार भी उस पर अपना जवाब दाखिल कर सके।

खंडपीठ ने आगे की कार्यवाही के लिए तीन सप्ताह का समय दिया। अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि ये याचिकाएं वर्ष 2019 से लंबित हैं और याचिकाकर्ता की ओर से इनके शीघ्र निपटारे के लिए गंभीर प्रयास नहीं किए गए हैं। मामले की अगली सुनवाई 11 मार्च को निर्धारित की गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने अजमेर दरगाह में शिव मंदिर के दावे से जुड़ी सुनवाई रोकने वाली याचिका खारिज की

नई दिल्ली,18 फरवरी (एजेंसियां) । सुप्रीम कोर्ट ने अजमेर की ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती दरगाह में शिव मंदिर होने के दावे से जुड़े मामले में सुनवाई पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। यह याचिका दरगाह को मानने वाले दरवेश समुदाय के लोगों ने दायर की थी। कोर्ट ने याचिका को तकनीकी आधार पर खारिज करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता अजमेर की निचली अदालत में चल रहे मुख्य मामले के पक्षकार नहीं हैं। उन्होंने अपनी याचिका में उन मूल पक्षकारों को भी शामिल नहीं किया था, जिन्होंने यह दावा किया है कि दरगाह किसी प्राचीन शिव मंदिर के अवशेषों पर बनी है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस आधार पर याचिका पर विचार नहीं किया जा सकता।याचिका में दावा किया गया था कि प्लेसेस ऑफ वर्शिप (एक्ट) 1991 की वैधता से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 12 दिसंबर 2024 को अंतरिम आदेश दिया था। इस आदेश में कहा गया था कि धार्मिक स्थलों से जुड़े किसी नए मुकदमे को देश भर की कोई निचली अदालत स्वीकार न करे और ऐसे मामलों में कोई प्रभावी आदेश न पास करे।

याचिकाकर्ताओं का कहना था कि इस आदेश की अवहेलना करते हुए अजमेर की अदालत ने इस विवाद पर सुनवाई शुरू की है और नोटिस जारी किए हैं, इसलिए अजमेर कोर्ट में चल रही कार्यवाही पर रोक लगाई जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता निचली अदालत के मूल केस में शामिल नहीं हैं, इसलिए वे सीधे सुप्रीम कोर्ट में इस तरह की मांग नहीं कर सकते। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इस फैसले का मुख्य केस पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

यह मामला काफी संवेदनशील है क्योंकि अजमेर शरीफ दरगाह सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह है, जो लाखों श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र है। अजमेर की निचली अदालत में यह मामला अभी भी लंबित है और आगे की सुनवाई जारी रहेगी।

कार पलटी, तीन की मौत

रायबरेली,18 फरवरी (एजेंसियां) । उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में बुधवार को एक सड़क हादसे में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा डीह थाना क्षेत्र के परशदेपुर स्थित गोपालपुर गांव के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार काफी तेज गति से जा रही थी। अचानक चालक का वाहन पर नियंत्रण बिगड़ गया और कार सड़क किनारे पलटते हुए कई बार घूम गई। हादसा इतना भयावह था कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार में सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल दो लोगों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

तमिलनाडु के सीएम ने सदन में पेश की केंद्र-राज्य संबंधों पर समिति की रिपोर्ट, राज्य स्वायत्तता बढ़ाने की मांग

चेन्नई,18 फरवरी (एजेंसियां) । तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बुधवार को विधानसभा में केंद्र-राज्य संबंधों पर उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट का भाग एक प्रस्तुत किया, जिसमें डीएमके सरकार की राज्य स्वायत्तता बढ़ाने और एक मजबूत संघीय ढांचे की लंबे समय से चली आ रही मांग को दोहराया गया। सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस कुरियन जोसेफ की अध्यक्षता वाली समिति ने सोमवार को मुख्यमंत्री को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी, जिसमें पूर्व नौकरशाह के. अशोक वर्धन शेट्टी और एम. नागनाथन सदस्य हैं।

सदन में रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए स्टालिन ने इस क्षण को केंद्र-राज्य संबंधों को पुनर्परिभाषित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा, आज वह दिन है जब हम संविधान में संशोधन करने की पहल करेंगे ताकि राज्य सरकारों को सभी आवश्यक शक्तियां प्राप्त हों। अगर हम यह नहीं कर सकते तो और कौन कर सकता है?

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार राज्यों की परवाह किए बिना सत्ता का केंद्रीकरण कर रही है और अपनी शक्तियों का प्रयोग तानाशाही तरीके से कर रही है।

उन्होंने पूछा, संघ सारी शक्तियां अपने पास रखता है और राज्य हर चीज के लिए उस पर निर्भर रहने के लिए विवश है। यह कब तक जारी रह सकता है?

उन्होंने आगे कहा कि समिति की रिपोर्ट का उद्देश्य इस असंतुलन का एक व्यवस्थित समाधान प्रस्तुत करना है। स्टालिन ने कहा, सीधे शब्दों में कहें तो हमने अब बिल्ली के गले में घंटी बांध दी है।

यह संकेत देते हुए कि उन्होंने लंबे समय से चली आ रही संघीय चिंताओं को दूर करने के लिए एक साहसिक पहल का वर्णन किया है। उन्होंने आगे तर्क दिया कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा मूल रूप से राज्य सूची के अंतर्गत आने वाले कई विषयों को समवर्ती सूची में स्थानांतरित किया जा रहा है, जिससे राज्यों के संवैधानिक अधिकारों का हनन हो रहा है।

उन्होंने कहा, राज्यों के अधिकार एक-एक करके छीने जा रहे हैं और हमें अपने लोगों के बुनियादी अधिकारों के लिए भी लड़ने को मजबूर होना पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने राजकोषीय विकेंद्रीकरण पर भी चिंता व्यक्त की और आरोप लगाया कि राष्ट्रीय राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान देने के बावजूद आर्थिक रूप से विकसित राज्यों को केंद्रीय निधि का कम हिस्सा मिल रहा है।

असम के मुख्यमंत्री ने प्रोविंशियलाइजेशन मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल लॉन्च किया

गुवाहाटी,18 फरवरी (एजेंसियां) । असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बुधवार को प्रोविंशियलाइजेशन मैनेजमेंट सिस्टम (पीएमएस) पोर्टल लॉन्च किया। सरकार ने इसे वेंचर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स और उनके स्टाफ के प्रोविंशियलाइजेशन के लंबे समय से रुके मामलों को हल करने की दिशा में एक पारदर्शी और निर्णायक कदम बताया। लोक सेवा भवन में डिजिटल प्लेटफॉर्म का अनावरण करते हुए सरमा ने कहा कि पीएमएस पोर्टल असम एजुकेशन (टीचर्स की सेवाओं का प्रोविंशियलाइजेशन और एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स का री-ऑर्गनाइजेशन) एक्ट, 2017 के तहत काम करेगा, जिसे 2025 में संशोधित किया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से नॉन-प्रोविंशियलाइज्ड वेंचर स्कूलों और कॉलेजों के टीचिंग और नॉन-टीचिंग स्टाफ के आवेदन आसान होंगे, उनकी मॉनिटरिंग होगी और प्रोसेसिंग भी सुगम होगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि यह पहल गवर्नेंस सुधार और कल्याण उपाय दोनों के रूप में अहम है। इस पोर्टल के जरिए वेंचर इंस्टीट्यूशन्स और उनके कर्मचारियों का सेंट्रलाइज्ड डेटाबेस तैयार होगा, जिससे दशकों से प्रोविंशियलाइजेशन प्रक्रिया में रुकावट डालने वाली उलझन और कथित गड़बड़ियों को खत्म किया

जा सकेगा।सरमा ने अपने अनुभव का जिक्र करते हुए कहा कि बीजेपी सरकार के दौरान 2011 से अब तक प्राइमरी, सेकेंडरी और कॉलेज लेवल पर 50,000 से अधिक टीचरों को विभिन्न चरणों में सरकारी सेवाओं में शामिल किया गया। उन्होंने बताया कि पीएमएस पोर्टल का यह लॉन्च तीसरा और सबसे बड़ा चरण है।

हालांकि, मुख्यमंत्री ने यह भी माना कि मौजूदा नियमों के तहत सभी आवेदनकर्ता क्वालिफाई नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और नियमों के अनुसार ही होगी।

उन्होंने बताया कि सरकार ने 17 फरवरी को पेश किए गए वोट-ऑन-अकाउंट बजट में 'गुरुदक्षिणा' स्कीम शुरू की है। इस स्कीम के तहत उन लोगों को वित्तीय सहायता दी जाएगी जिनकी सेवाओं को राज्य सरकार अब सीधे नहीं दे सकती।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे लोगों को दूसरी सरकारी नौकरियों के लिए प्रतिस्पर्धा करने में मदद करने के लिए एक विशेष मार्किंग सिस्टम भी तैयार किया जाएगा। सरमा ने यह स्पष्ट किया कि इस योजना के लिए सिर्फ 1 जनवरी, 2006 से पहले स्थापित संस्थान ही पात्र होंगे।

आवेदकों को इसके लिए मान्यता प्रमाण पत्र, जमीन के दस्तावेज, अकादमिक प्रदर्शन की जानकारी और स्टाफ के क्रेडेंशियल जमा करने होंगे।

सभी स्टेकहोल्डर्स से सहयोग की अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार कानूनी और प्रशासनिक अनुशासन बनाए रखते हुए वेंचर इंस्टीट्यूशन्स के कर्मचारियों का भविष्य सुरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है।लॉन्च के समय शिक्षा मंत्री रनोज पेगु, वरिष्ठ अधिकारी और शिक्षा बोर्ड के प्रतिनिधि मौजूद थे। इस कदम को राज्य में महत्वपूर्ण राजनीतिक अवसरों से पहले शिक्षकों के समर्थन को मजबूत करने वाला रणनीतिक कदम माना जा रहा है।

राहुल गांधी बताएं जॉर्ज सोरोस से उनका रिश्ता क्या है : गिरिराज सिंह

बेगूसराय,18 फरवरी (एजेंसियां) । केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि वे नेता प्रतिपक्ष हैं, लेकिन उनके व्यवहार को समझना मुश्किल है। उन्होंने जॉर्ज सोरोस का जिक्र करते राहुल गांधी से पूछा कि वे बताएं कि उनका क्या संबंध है। जो बात पाकिस्तान बोलता है, वही बात यह बोलते हैं। व्यवहार ऐसे करते हैं जो अर्बन नक्सल की भूमिका में दिखाई देता है। बेगूसराय में मीडिया से बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी देश में विपक्ष के नेता हैं, लेकिन सदन के अंदर और देश के बाहर उनकी गतिविधियां और व्यवहार समझना मुश्किल है। कभी-कभी समझ में नहीं आता है कि राहुल गांधी देश के विपक्ष के नेता हैं या हमारे दुश्मन देश के नेता। राहुल गांधी को नसीहत देते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि उन्हें अपने व्यवहार से, शब्दों से, नेता प्रतिपक्ष होने को स्थापित करना चाहिए। अगर नहीं करते हैं तो आरोप लगेगा कि देश के दुश्मनों के प्रवक्ता हैं। दुनियाभर के देशों से उनका क्या संबंध है, उन्हें यह बताना चाहिए।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर गिरिराज सिंह ने कहा कि ममता बनर्जी खुद तुगलक की तरह काम कर रही हैं और न सिर्फ तुगलकी फरमान जारी करती हैं बल्कि औरंगजेब की तरह हिंदुओं को भी दबा रही हैं और बांग्लादेशी मुसलमानों के दम पर सत्ता में आना चाहती हैं, लेकिन अब बंगाल के हिंदू जाग गए हैं। लोग उन्हें 'शेरनी' कहते हैं, लेकिन वे 'शेरनी' नहीं, देश की गद्दार हैं, जो बांग्लादेशी मुसलमानों की इज्जत करती हैं और बंगाल को बांग्लादेश बनाना चाहती हैं।पीएम मोदी के नेतृत्व का तारीफ करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में ऊर्जा दक्षता आज जन-जन की भागीदारी का अभियान बन चुकी है।

राशिद अल्वी का RSS से सवाल, अगर सभी मुसलमान हिंदू तो क्या वह बन सकता है संघ प्रमुख?

नई दिल्ली,18 फरवरी (एजेंसियां) । कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा मुसलमानों के 5 प्रतिशत आरक्षण को खत्म करने पर कहा कि भारत के अंदर मुसलमान सबसे ज्यादा बेरोजगार हैं और भाजपा की सरकारें जहां भी हैं, उनका अगर बस चले तो मुसलमानों के साथ जुल्म की हद पार कर दें। नई दिल्ली में आईएएनएस से बातचीत में कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा कि हिंदुस्तान के अंदर मुसलमान सबसे ज्यादा पिछड़ा और सबसे ज्यादा बेरोजगार है। सबसे ज्यादा जरूरत है कि उसको आगे लाया जाए, लेकिन भारतीय जनता पार्टी अपने समुदाय, अपने वोटर को खुश करने के लिए इस तरीके के कदम उठाती है।

उनके पास देश के लिए कोई प्रोग्राम नहीं है सिवाय मुसलमानों पर जुल्म करने के। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा कि मैं मोहन भागवत से पूछना चाहता हूं, क्या आपने ये पॉइंट आउट कर लिया है कि जो घुसपैठिए हैं, वो कितनी तादाद में हैं और कौन लोग हैं। अभी तक तो आप ये भी नहीं पता कर पाए। जहां तक तीन बच्चे पैदा करने का ताल्लुक है, मैं बड़े अदब से कहूंगा, किसी दूसरे को एडवाइस तब ही दी जाती है जब वो काम पहले खुद कर लिया जाए। दुनिया के अंदर जितने बड़े लोग हुए हैं, जब वो खुद कर लेते हैं तब दूसरों को एडवाइस देते हैं कि आपको भी ऐसा करना चाहिए।

बिहार में शराबबंदी कानून सख्ती से लागू, उल्लंघन पर सरकार करती है कार्रवाई : यादव

पटना,18 फरवरी (एजेंसियां) । बिहार सरकार के मंत्री राम कृपाल यादव ने बुधवार को आरएलएम विधायक माधव आनंद द्वारा शराबबंदी कानून की समीक्षा की मांग और विपक्ष के आरोपों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राज्य में शराबबंदी कानून सख्ती से लागू है और जहां भी उल्लंघन होता है, सरकार तुरंत कार्रवाई करती है।

कानून तोड़ने वाले कई लोगों को जेल भी भेजा गया है, जिससे स्पष्ट है कि सरकार इस विषय पर गंभीर और प्रतिबद्ध है। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप पर प्रतिक्रिया देते हुए बिहार सरकार के मंत्री राम कृपाल यादव ने कहा कि विपक्ष लगातार बयानबाजी कर रहा है, लेकिन जनता सब समझती है। जो लोग सरकार की आलोचना कर रहे हैं, उन्हें पहले अपने कार्यों पर भी नजर डालनी चाहिए।

विपक्ष द्वारा मुख्यमंत्री को 'कठपुतली मुख्यमंत्री' कहे

जाने पर राम कृपाल यादव ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि विकास के किसी भी मानक पर बिहार का प्रदर्शन बेहतर रहा है और राज्य प्रगति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। बिहार विकास के पैमाने पर शीर्ष राज्यों में स्थान बनाने की ओर अग्रसर है। उन्होंने आगे कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार को 'विनाश' से 'विकास' की राह पर लाए हैं।

इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष के नेता जनता के बीच जाने की बात कर रहे हैं, लेकिन जनता पहले ही अपना निर्णय दे चुकी है। उनके अनुसार राजनीतिक आरोपों के बजाय विकास और सुशासन पर ध्यान देना अधिक जरूरी है।

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने होली के बाद जनता के बीच जाने की बात कही है। इसकी जानकारी राजद विधायक भाई विरेंद्र ने दी।

विधानसभा सत्र में शराबबंदी कानून की समीक्षा, राजनीतिक आरोपों और राज्य के विकास को लेकर जारी बहस ने बिहार की राजनीति को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

तुम सिर्फ मेरी पत्नी नहीं, मेरी शांति हो, चिरंजीवी ने पत्नी सुरेखा के जन्मदिन पर लिखा भावुक नोट

साउथ सिनेमा के मेगास्टार चिरंजीवी अपनी फैमिली को लेकर अक्सर सुर्खियां बटोरते रहते हैं। वे अपनी पत्नी सुरेखा संग खास बॉन्ड शेयर करते हैं। बुधवार को सुरेखा अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर अभिनेता ने जन्मदिन की बधाई देते हुए खास पोस्ट किया। चिरंजीवी ने इंस्टाग्राम पर सुरेखा संग पुरानी-नई तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में दोनों का खास बॉन्ड दिखाई दे रहा है। अभिनेता ने जन्मदिन की बधाई दी और साथ ही, शादी की सालगिरह का भी जिक्र किया। उन्होंने लिखा, सुरेखा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। तुम मेरे जीवन में हर कदम पर मेरे साथ रही हो, जिस दिन हमारी शादी हुई, तब से तुम मेरी सबसे बड़ी ताकत बनी हुई हो। आज हम तुम्हारा जन्मदिन मना रहे हैं और शादी की सालगिरह भी नजदीक है, इसलिए मेरा दिल शुक्रगुजार है। उन्होंने आगे लिखा कि सुरेखा परिवार की जान हैं। उन्होंने पूरे परिवार को बहुत प्यार से जोड़कर रखा है। उन्होंने लिखा, मेरे माता-पिता ने भी सुरेखा को अपनी बेटी की तरह अपनाया और उनका ख्याल रखा। मेरी सफलता का असली राज सुरेखा हैं। क्योंकि तुमने हर जिम्मेदारी को चुपचाप मजबूती से निभाया, इसलिए मैं अपने प्रोफेशन पर पूरी तरह फोकस कर पाया हूं। हर मुश्किल में, हर जश्न में, तुम ही हो जो हमें एक साथ रखती हो। तुम सिर्फ मेरी पत्नी नहीं हो, तुम मेरी ताकत हो और मेरी शांति हो।

आखिर में चिरंजीवी ने लिखा, आज तुम्हारे जन्मदिन पर और शादी की सालगिरह के पहले मैं दिल से कहता हूं - मैं जो कुछ भी हूं, वह तुम्हारी वजह से हूं। मेरे सारे प्यार के साथ, हमेशा और हमेशा के लिए। बता दें कि मेगास्टार अपने करियर के शुरुआती दिनों में शादी के बंधन में बंध गए थे। उन्होंने 1980 में तेलुगु के फेमस कमीडियन अल्लू रामलिंगय्या की बेटी सुरेखा संग शादी कर ली थी। इस शादी से तीन बच्चे हुए। बेटी सुष्मिता और श्रीजा, और राम चरण, जो खुद फिल्म इंडस्ट्री के मेगास्टार हैं। अभी हाल ही में उनके बेटे और अभिनेता राम चरण के जुड़वा बच्चे हुए हैं।

कैनेडी को लेकर सनी लियोनी के दिल में बैठा डर, अभिनेत्री ने तोड़ी चुप्पी

फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर बड़े नामों से जुड़ा प्रोजेक्ट कलाकारों के लिए एक सपने जैसा होता है। ऐसा ही अनुभव अभिनेत्री सनी लियोनी ने साझा किया। अपनी अपकमिंग स्ट्रीमिंग फिल्म 'कैनेडी' को लेकर सनी लियोनी ने बताया कि इसका हिस्सा बनने पर उन्हें आखिरी दिन तक यकीन नहीं हो रहा था। उन्हें हमेशा रिप्लेस होने का डर रहा। सनी लियोनी इन दिनों अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी 'कैनेडी' की रिलीज को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म को 2023 में कान फिल्म फेस्टिवल में दिखाया गया था। इसके अलावा, फिल्म ने कई इंटरनेशनल फेस्टिवल्स में सराहना प्राप्त की है। सनी ने कहा, ''जब मुझे इस फिल्म का ऑफर मिला, तो मैं काफी हैरान थी। मुझे भरोसा ही नहीं था कि मैं इस फिल्म का हिस्सा बन गई हूं। ट्रायल्स, वर्कशॉप्स और मीटिंग्स सब कुछ होने के बावजूद, मेरे मन में यह डर बना रहा कि कहीं आखिरी समय पर मुझे फिल्म से रिप्लेस न कर दिया जाए।''

उन्होंने कहा, ''एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में चीजें पल भर में बदल जाती हैं। मैंने कई बार ऐसा देखा है कि सब कुछ तय होने के बाद भी कलाकार बदल दिए जाते हैं। इसी वजह से मुझे तब तक चैन नहीं मिला, जब तक मैंने सेट पर पहुंचकर कैमरे के सामने शॉट नहीं दिया। पहला सीन शूट होने और फिर अगला सीन शुरू होने के बाद मुझे यकीन हुआ कि अब शायद उन्हें रिप्लेस नहीं किया जाएगा।''

सनी लियोनी ने कहा, ''पहला शॉट ओके होने के बाद मेरे मन में एक अलग ही सुकून था। मुझे लगा कि मैंने अपना काम ठीक से किया है और शायद यही वजह है कि टीम अब मुझ पर भरोसा कर रही है।''

फिल्म 'कैनेडी' में सनी लियोनी चार्ली नाम की लड़की का किरदार निभा रही हैं। अपने किरदार के एक खास सीन का जिक्र करते हुए सनी ने बताया कि यह सीन एक होटल रूम में शूट हुआ है, जहां मेरा किरदार चार्ली एक पुलिस ऑफिसर का इंतजार करती है। वह डरी हुई है, परेशान है और वहां रहना नहीं चाहती, लेकिन उसे पता है कि आगे क्या होने वाला है। इस सीन में बाथरूम से बाहर आकर चेहरे पर नकली मुस्कान लाना, उनके लिए भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण रहा।

सनी ने कहा, ''यह सीन आम जिंदगी से जुड़ा हुआ है। कई बार हम सब भी ऐसे हालात से गुजरते हैं, जहां अंदर से टूटे हुए होते हैं, लेकिन बाहर से मुस्कुराना पड़ता है। यह आसान नहीं होता। यही वजह है कि यह सीन मेरे लिए बेहद खास है।''

करण अर्जुन और तेरे नाम जैसी फिल्मों में नहीं की मेहनत, सफलता का क्रेडिट मिला : सलमान खान

फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर ऐसा देखा जाता है कि कलाकार अपनी फिल्मों में मिले श्रेय को लेकर कितने गंभीर रहते हैं। कभी पोस्टर पर नाम को लेकर बहस होती है, तो कभी इंटरव्यू में अपनी मेहनत गिनाई जाती है। सफलता मिलने पर ज्यादातर सितारे यह बताना नहीं भूलते कि फिल्म उनके दम पर चली। इसी भीड़ में अभिनेता सलमान खान का किस्सा अलग है। वह हिट फिल्मों में अपनी भूमिका को कम आंकते नजर आते हैं। इस कड़ी में उनका एक पुराना इंटरव्यू सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लहरें टीवी को दिए एक इंटरव्यू में सलमान खान ने कहा कि कुछ फिल्मों में उन्होंने बहुत ज्यादा मेहनत नहीं की, फिर भी दर्शकों और इंडस्ट्री ने उन्हें ही सफलता का चेहरा बना दिया।

अपनी इन बातों को स्पष्ट करने के लिए उन्होंने अपनी सबसे लोकप्रिय फिल्मों का उदाहरण दिया। सलमान खान ने 'करण अर्जुन' और 'तेरे नाम' का जिक्र किया।

'करण अर्जुन' का निर्देशन राकेश रोशन ने किया था। सलमान ने कहा, ''इस फिल्म में मैंने कोई ज्यादा मेहनत नहीं की थी। फिल्म में बाकी कलाकारों, निर्देशक और पूरी टीम ने जमकर काम किया, लेकिन जब फिल्म सुपरहिट हुई तो सारा क्रेडिट मुझे ही मिलने लगा।''

इसी बातचीत में सलमान खान ने अपनी एक अन्य चर्चित फिल्म 'तेरे नाम' का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, ''इस फिल्म में भी मेरा किरदार बहुत साधारण था। न तो डायलॉग्स बहुत ज्यादा थे और न ही अभिनय में कोई बड़ा प्रयोग था। इसमें मेरा पहला लुक बैंग्स हेयरकट वाला था और दूसरे लुक में बाल ही नहीं थे। फिल्म में मेरे पास गिनती के ही डायलॉग थे। इसके बावजूद यह फिल्म लोगों के दिलों में उतर गई और आज भी उनकी यादगार फिल्मों में गिनी जाती है।''

सलमान खान ने 'तेरे नाम' की सफलता का पूरा श्रेय फिल्म की कहानी, निर्देशन, स्क्रीनप्ले और लेखन को दिया। बता दें कि 'करण अर्जुन' फिल्म 13 जनवरी 1995 को रिलीज हुई थी और 'तेरे नाम' ने 15 अगस्त 2003 को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी।

शिवांगी ने पर्दे पर निभाया विधवा का चुनौतीपूर्ण किरदार बोलीं- सादगी में भी सुंदरता

टीवी से लेकर फिल्मों तक अपनी अलग पहचान बना चुकी अभिनेत्री शिवांगी वर्मा वेब सीरीज 'हसरतें सीजन 3' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ खास बातचीत में सीरीज में अपने किरदार को लेकर बातें कीं। अभिनेत्री ने कहा, यह सीरीज बहुत पॉपुलर है। मैं हमेशा से ही इसकी फैन रही हूं और मुझे 'सीजन 3' में काम करने का मौका मिला। इसके लिए मैं मेकर्स की बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मुझे चुना और काबिल समझा। अभिनेत्री के एपिसोड का नाम 'मिडनाइट ब्राइड' है। इसमें शिवांगी ने एक विधवा का किरदार निभाया है। उन्होंने बताया कि यह रोल उनके असली व्यक्तित्व से बिल्कुल अलग है।

उन्होंने कहा, असल जिंदगी में मैं काफी मॉडर्न और फैशनेबल हूं, लेकिन मेरा किरदार एक विधवा का है। समाज में विधवाओं को मेकअप न करने, रंग-बिरंगे कपड़े न पहनने और साधारण रहने की उम्मीद की जाती है। इस रोल को निभाते हुए मुझे पता चला कि सादगी में भी सुंदरता होती है और मैंने सोचा था कि अगर मेकर्स ने मुझे चुना है, तो इसमें अपना बेस्ट दूंगी। हालांकि, शूटिंग खत्म होने के बाद मुझे हर तरफ से खूब सराहना मिली थी।

शिवांगी अपने काम को लेकर काफी गंभीर रहती हैं। वे हमेशा अच्छी स्टोरीलाइन पर ध्यान देती हैं। उन्होंने बताया कि अगर कहानी इमोशनल है, तो वे और सारी चीजें भूल जाती हैं। उन्होंने कहा, अगर स्टोरी अच्छी है और एक्टर के तौर पर मुझे मौका मिल रहा है, तो मैं पूरा जोर लगाकर अच्छा परफॉर्म करती हूं। मैं महिला केंद्रित किरदारों को करने के लिए हमेशा तैयार हूं, क्योंकि ऐसे किरदारों में महिलाओं के अलग-अलग रूप दिखते हैं और काम करने में बहुत मजा आता है।₹उन्होंने बताया, मुझे रोमांटिक थ्रिलर करने की बहुत इच्छा है। अगर कोई अच्छी रोमांटिक थ्रिलर स्टोरी आए या फिर कोई बायोपिक, तो जरूर करना चाहूंगी।

फ्रांस में क्यों चलता है शाहरुख खान का जादू डीडीएलजे से लेकर डंकी ने बिखेरा जलवा

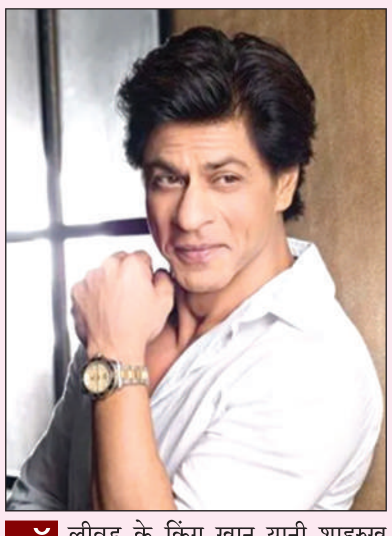

बॉलीवुड के किंग खान यानी शाहरुख खान की लोकप्रियता भारत के अलावा 120 छोटे-बड़े देशों में है, जहां उनका रोमांटिक अंदाज सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। बात चाहे दुबई की हो या पेरिस की, शाहरुख ने जिस देश में शूटिंग की है, वहां उनके चाहने वालों की संख्या बढ़ी है। इन दिनों फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भारत दौरे पर हैं। मंगलवार को बॉलीवुड स्टार्स से बात की, लेकिन बहुत कम लोग ही ये बात जानते हैं कि शाहरुख खान का सिक्का पूरे फ्रांस में चलता है। फ्रांस और भारत का जुड़ाव हमेशा से सिनेमा और संस्कृति से जुड़ा रहा है। हिंदी सिनेमा की कई फिल्मों की शूटिंग फ्रांस की अलग-अलग जगहों पर हो चुकी है। खुद शाहरुख खान ने 'पठान' की शूटिंग फ्रांस में की थी, और अपकमिंग फिल्म 'किंग' के कुछ हिस्सों की शूटिंग भी वहीं होगी, लेकिन यह बात बहुत कम लोगों को पता है कि शाहरुख को फ्रांस का 'नाइट ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर' मिल चुका है, जिसे उन्होंने बहुत विनम्रता से अपनी मां के बर्थडे पर स्वीकार किया था। साल 2014 में अभिनेता को फ्रांस के विदेश मंत्री लॉरेंट फैबियस ने सिनेमा और सांस्कृतिक विविधता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया था।

दीवानगी का आलम सिर्फ यहीं खत्म नहीं होता। शाहरुख बॉलीवुड के इकलौते ऐसे स्टार हैं, जिनके सम्मान में ग्रेविन म्यूजियम में गोल्ड कॉइन जारी किया गया। सिक्के पर शाहरुख खान की डीडीएलजे वाले लुक के साथ फोटो उकेरी गई है। ये सम्मान उनके 30 साल के शानदार फिल्मी करियर को देखकर दिया गया था। यही कारण है कि शाहरुख खान को सिर्फ बॉलीवुड का ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया का 'किंग' कहा जाता है।

फ्रांस में साल 2008 में ही अभिनेता का वैक्स स्टैच्यू भी बनाया गया था, लेकिन उनके साथ अभिनेत्री ऐश्वर्या राय और एक्टर रणवीर सिंह के स्टैच्यू भी बने थे, लेकिन सोने का सिक्का सिर्फ अभिनेता के नाम का जारी हुआ था। ये सम्मान इसलिए भी खास है क्योंकि सबसे पुराने ग्रेविन म्यूजियम ने दुनियाभर की 14 बड़ी हस्तियों को चुना था, लेकिन सिक्का सिर्फ शाहरुख खान का चला। शाहरुख खान की फिल्म 'पठान', 'जवान', और 'डंकी' ने फ्रांस में अच्छा कलेक्शन किया था और इससे पहले भी उनकी कई फिल्में फ्रांस में रिलीज हो चुकी हैं।

खून भरी मांग से मिली पहचान पर कम हाइट ने एक्ट्रेस सोनू वालिया को किया फिल्म इंडस्ट्री से आउट

हिंदी सिनेमा में 80 से 90 के दशक में कई बड़ी अभिनेत्रियों ने पर्दे पर राज किया, लेकिन कुछ अभिनेत्रियां ऐसी थीं जिन्हें सफलता तो मिली लेकिन उसकी समय-सीमा बहुत कम थी। हम बात कर रहे हैं फेमिना मिस इंडिया यूनिवर्स रह चुकी सोनू वालिया की, जिन्होंने पर्दे पर बड़े स्टार्स के साथ काम किया, लेकिन उनकी लंबाई ही उनके करियर का फुलस्टॉप बन गई। 19 फरवरी को अभिनेत्री अपना 62वां जन्मदिन मना रही हैं। सोनू ने अपने करियर में कई हिट फिल्में दीं, लेकिन उन्हें पहचान 'खून भरी मांग' से मिली। फिल्म में रेखा, कबीर बेदी और कादर खान जैसे बड़े स्टार्स थे। सोनू ने नंदिनी की भूमिका में फैंस का दिल जीत लिया था। सोनू वालिया की कहानी इस फिल्म से भी पहले शुरू हो गई थी। 19 फरवरी, 1964 में जन्मीं सोनू ने 1985 में मिस इंडिया का खिताब जीता, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि थी। पंजाबी परिवार में जन्मीं संजीत कौर वालिया उर्फ सोनू के पिता सतिंदर सिंह वालिया भारतीय सेना में कार्यरत थे, जबकि उनकी मां दमनजीत कौर हाउस वाइफ थीं। सोनू के करियर की शुरुआत औसत और फिर हिट फिल्मों के साथ हुई, लेकिन फिर ऐसा समय आया, जब अमिताभ बच्चन के साथ 'तूफान' में काम करके भी उनका करियर नहीं बचा और बाकी की कसर उनकी हाइट ने पूरी कर दी। सोनू ने खुद इस बात का खुलासा किया था कि जब इंडस्ट्री में खान की एंट्री हुई थी, तो उनके लिए काम मिल पाना मुश्किल था। अभिनेत्री पहले अमिताभ, शत्रुघ्न सिन्हा, धर्मेंद्र, सनी देओल, विनोद खन्ना, और कबीर बेदी जैसे लंबे स्टार्स के साथ काम कर चुकी थीं और लंबाई कभी उनके लिए परेशानी नहीं बनी, लेकिन खान्स के आने के बाद फिल्में मिलना कम हो गया। हालांकि अभिनेत्री ने शाहरुख खान के साथ फिल्म 'दिल आशना है' में काम किया था।

बहुत कम लोग जानते हैं कि सोनू वालिया ने 'खून भरी मांग' से हिंदी सिनेमा में कदम नहीं रखा, बल्कि उससे पहले उनकी एक फिल्म रिलीज हो चुकी थी और दूसरी की शूटिंग पूरी हो चुकी है। 'फिल्म खून भरी मांग' भी अभिनेत्री को बहुत मुश्किल से मिली थी और उन्होंने राकेश रोशन को बहुत मुश्किल से कंवेंस किया था। फिल्म के डायरेक्टर राकेश रोशन नया चेहरा ढूंढ रहे थे और फिल्म के लिए सोनू ने डायरेक्टर को पहली फिल्म के क्लिप्स और डांस वीडियो दिखाए थे। खुद अभिनेत्री ने बताया था कि डायरेक्टर को मनाना बहुत मुश्किल था क्योंकि वे जल्दी ही नए चेहरों पर भरोसा नहीं करते थे। हालांकि मेहनत के बाद सोनू को फिल्म मिली और अपने ग्रे-नेचर किरदार के साथ उन्होंने फैंस का दिल जीत लिया।सोनू को 'खून भरी मांग' के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला था। इस सक्सेस के बाद अभिनेत्री को साल 1988 में आई 'आकर्षण', 'तूफान', 'महा-संग्राम' और 'नंबरी आदमी' जैसी फिल्मों में देखा गया है, लेकिन पर्दे पर या तो औसत रही या फिर फ्लॉप। आज अभिनेत्री गुमनाम जिंदगी जी रही हैं।

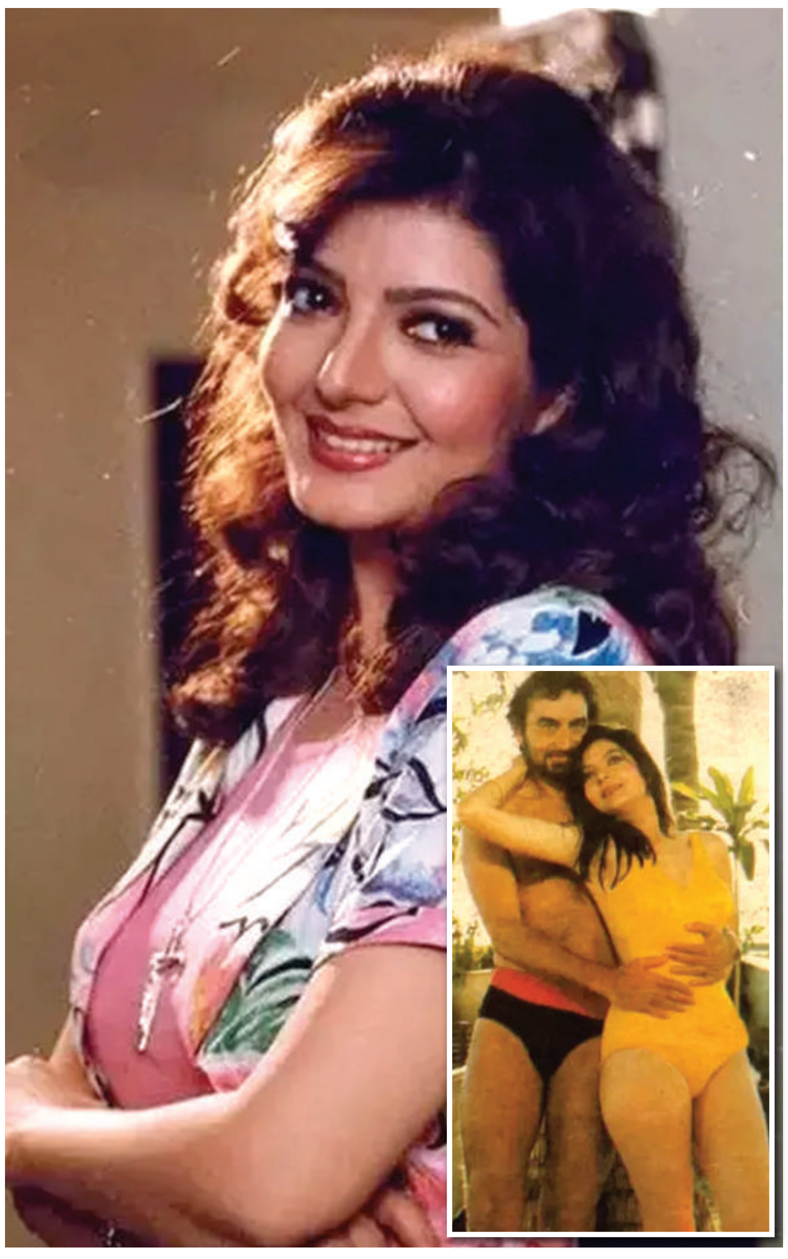

वैवाहिक जीवन में नई खुशियां लाता है फुलेरा दूज त्यौहार

आज फुलेरा दूज पर होगी रिकॉर्ड तोड़ शादियां

फाल्गुन माह की द्वितीया तिथि को फुलेरा दूज के रूप में मनाया जाता है। इस बार फुलेरा दूज 19 फरवरी 2026 को मनायी जाएगी। यह दिन होली के आगमन का प्रतीक माना जाता है। इस दिन से होली के पर्व की तैयारियां आरंभ हो जाती हैं। इस दिन से उत्तर भारत के गांवो में जिस स्थान पर होली रखी जाती हैं वहां पर प्रतीकात्मक रूप में उपले या फिर लकड़ी रख दी जाती हैं। कई जगहों पर इस दिन को उत्सव की तरह मनाया जाता है। इस दिन से लोग होली में चढ़ाने के लिए गोबर की गुलरियां भी बनाई जाती हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि वैदिक पंचांग के अनुसार फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि 18 फरवरी को दोपहर 04:57 मिनट से शुरू हो रही है और तिथि का समापन 19 फरवरी को दोपहर 03:58 मिनट पर होगा। सनातन धर्म में उदया तिथि का विशेष महत्व है। इस प्रकार 19 फरवरी को फुलेरा दूज का पर्व मनाया जाएगा। फुलेरा दूज को अबूझ मुहूर्त माना जाता है, जिसका अर्थ है कि इस दिन विवाह के लिए किसी ज्योतिषीय गणना की आवश्यकता नहीं होती। यही कारण है कि इस दिन कई शादियां होती हैं।

शाब्दिक अर्थ में फुलेरा का अर्थ है फूल, जो फूलों को दर्शाता है। यह माना जाता है कि भगवान कृष्ण फूलों के साथ खेलते हैं और फुलेरा दूज की शुभ पूर्व संध्या पर होली के त्योहार में भाग लेते हैं। यह त्योहार लोगों के जीवन में खुशियां और उल्लास लाता है।

वहीं ज्योतिष शास्त्र में फूलेरा दूज को अबूझ मुहूर्त माना गया है जिसमें इस दिन बिना मुहूर्त देखे सभी तरह के शुभ और मांगलिक कार्य किया जा सकता है। इस दिन भगवान कृष्ण और राधा जी की पूजा करने से वैवाहिक जीवन में प्रेम की बहार आती है और इस दिन शादी-विवाह करने पर भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद मिलता है।

फुलेरा दूज

द्वितीया तिथि आरंभ: 18 फरवरी को दोपहर 04:57 से

द्वितीया तिथि समाप्त: 19 फरवरी को दोपहर 03:58 मिनट पर

19 फरवरी को फुलेरा दूज का पर्व मनाया जाएगा।

विवाह के लिए सर्वोत्तम मुहूर्त

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार फुलेरा दूज को हिंदू शास्त्रों में बड़ा ही महत्वपूर्ण योग बताया है। इसीलिए इस विशेष दिन सर्वाधिक विवाह समारोह भी संपन्न होते हैं। हिंदू पंचांग की मान्यता के अनुसार, फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि विवाह बंधन के लिए वर्ष का सर्वोत्तम दिन है। कहते हैं कि इस दिन विवाह करने से दंपति को भगवान कृष्ण का आशीर्वाद हासिल होता है।

रिकॉर्ड तोड़ शादियां

सर्दी के मौसम के बाद इसे शादियों के सीजन का अंतिम दिन माना जाता है। इस दिन रिकॉर्ड तोड़ शादियां होती हैं। इसका अर्थ है कि विवाह, संपत्ति की खरीद इत्यादि सभी प्रकार के शुभ कार्यों को करने के लिए दिन अत्यधिक पवित्र है।

अबूझ मुहूर्त है फुलेरा दूज

इस त्योहार को सबसे महत्वपूर्ण और शुभ दिनों में से एक माना जाता है। इस दिन किसी भी तरह के हानिकारक प्रभावों और दोषों से प्रभावित नहीं होता है और इसे अबूझ मुहूर्त माना जाता है। सर्दी के मौसम के बाद इसे शादियों के सीजन का अंतिम दिन माना जाता है। इसलिए इस दिन रिकॉर्ड तोड़ शादियां होती हैं। विवाह, संपत्ति की खरीद इत्यादि सभी प्रकार के शुभ कार्यों को करने के लिए दिन अत्यधिक पवित्र है। शुभ मुहूर्त पर विचार करने या किसी विशेष शुभ मुहूर्त को जानने के लिए पंडित से परामर्श करने की आवश्यकता नहीं है। उत्तर भारत के राज्यों में, ज्यादातर शादी समारोह फुलेरा

दूज की पूर्व संध्या पर होते हैं। लोग आमतौर पर इस दिन को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए सबसे समृद्ध पाते हैं।

दांपत्य के लिए अतिशुभ घड़ी

कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि जिस तिथि में कृष्ण और राधा ने फूलों की होली खेली वह फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि थी। इसीलिए इस तिथि को फुलेरा दूज कहा गया। कृष्ण और राधा के मिलन की तिथि को अति शुभ माना जाता है और इसीलिए इस तिथि को विवाह करने वाले युगलों के बीच अपार स्नेह और दांपत्य का मजबूत रिश्ता बनता है।

पोहा का बनता है भोग

फुलेरा दूज के दिन भगवान श्रीकृष्ण के लिए स्पेशल भोग तैयार किया जाता है। जिसमें पोहा और अन्य विशेष व्यजंन शामिल हैं। भोजन पहले देवता को अर्पित किया जाता है और फिर प्रसाद के रूप में सभी भक्तों में वितरित किया जाता है।

धार्मिक मान्यता

फूलेरा दूज पर ब्रज की समस्त गोपियों ने राधा-कृष्ण के प्रेम की खुशी में फूल बरसाए थे, इस कारण से इस त्योहार का महत्व होता है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने होली खेलने की परंपरा की शुरूआत की थी। फुलेरा दूज पर घरों को फूलों और रंगोली से सजाया जाता है। फुलेरा दूज का महत्व शादियों को लेकर है। होली से करीब पंद्रह दिन पहले शादियों का शुभ मुहूर्त समाप्त हो जाता है। जबकि फुलेरा दूज के दिन हर पल शुभ होता है। यह तिथि भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित होती है। वहीं फुलेरा दूज का शाब्दिक अर्थ फुलेरा का अर्थ है फूल, जो फूलों को दर्शाता है। यह माना जाता है। भगवान कृष्ण फूलों के साथ खेलते हैं और फुलेरा दूज की शुभ पूर्व संध्या पर होली के त्योहार में भाग लेते हैं। यह त्योहार लोगों के जीवन में खुशियां और उल्लास लाता है। वहीं वैवाहिक जीवन के लिहाज से ये दिन बहुत खास होता है और इस दिन बिना मुहूर्त के ही शादी-ब्याह संपन्न किए जाते हैं।

कैसे मनाते हैं फुलेरा दूज

इस दिन सबसे महत्वपूर्ण अनुष्ठान जो किया जाता है वह भगवान कृष्ण के साथ रंग-बिरंगे फूलों से होली खेलने का होता है। ब्रज क्षेत्र में, इस विशेष दिन पर, देवता के सम्मान में भव्य उत्सव होते हैं। मंदिरों को फूलों और रोशनी से सजाया जाता है और भगवान कृष्ण की मूर्ति को एक सजाये गए और रंगीन मंडप में रखा जाता है। रंगीन कपड़े का एक छोटा टुकड़ा भगवान कृष्ण की मूर्ति की कमर पर लगाया जाता है, जिसका प्रतीक है कि वह होली खेलने के लिए तैयार हैं।

राधा कृष्ण कथा

पौराणिक कथा के अनुसार व्यस्तता के चलते कृष्ण कई दिनों से राधा से मिलने वृंदावन नहीं आ रहे थे। राधा के दुखी होने पर उनके सहेलियां भी कृष्ण से रूठ गई थीं। राधा के उदास रहने के कारण मथुरा के वन सूखने लगे और पुष्प मुरझा गए। वनों की स्थिति देखकर कृष्ण को कारण पता चल गया और वह राधा से मिलने वृंदावन पहुंच गए। श्रीकृष्ण के आने से राधा खुश हो गईं और चारों ओर फिर से हरियाली छा गई। कृष्ण ने एक खिल रहे पुष्प को तोड़ लिया और राधा को छेड़ने के लिए उनपर फेंक दिया। राधा ने भी ऐसा ही किया। यह देख वहां मौजूद ग्वाले और गोपिकाएं भी एक दूसरे पर फूल बरसाने लगीं। तब से आज भी प्रतिवर्ष मथुरा में फूलों की होली खेली जाती है।

क्या होती हैं गुलरियां

गुलरियां गोबर से बनाई जाती हैं। इन्हें बनाने का कार्य फुलेरा दूज से ही शुरू कर दिया जाता है। इसमें महिलाएं गोबर के छोटे-छोटे गोले बनाकर उसमें उंगली से बीच में सुराख बना देती हैं। सूख जाने के बाद इन गुलरियों की पांच सात मालाएं बना ली जाती हैं और होलिका दहन के दिन इन गुलरियों को होली की अग्नि में चढ़ा दिया जाता है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

दंतेश्वरी मंदिर: मंदिर का चमत्कारी स्तंभ बताता है कि मनोकामना पूरी होगी या नहीं

देश के लगभग हर कोने में मां भगवती के कई ऐसे मंदिर हैं, जो सच्ची आस्था और चमत्कार के प्रतीक हैं। कुछ शक्तिपीठ मंदिरों में दर्शन मात्र से ही मनोकामना पूरी होती है, तो कई चमत्कार आस्था पर भारी पड़ते हैं। ऐसा ही एक मंदिर छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में स्थित है, जहां स्तंभ को पकड़कर पता चलता है कि भक्त की मुराद पूरी होगी या नहीं। ये अंधविश्वास नहीं, बल्कि भक्तों की मां के प्रति आस्था है। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में मां भगवती का शक्तिशाली दंतेश्वरी मंदिर है, जहां छह भुजाओं में मां अस्त्र-शस्त्र, शंख और असुर के बाल और कपाल को लिए विराजमान हैं। मां का रूप अत्यंत प्रभावी और मनोकामना को पूर्ण करने वाला है, लेकिन मंदिर में मौजूद स्तंभ मां के प्रति भक्तों के विश्वास को और बढ़ा देता है। स्थानीय मान्यता है कि मंदिर के प्रांगण में मौजूद स्तंभ को अगर दोनों बाहों से समेट लिया जाए तो मां से मांगी इच्छा जरूर पूरी होती है और अगर भक्त ऐसा नहीं कर पाता है, तो उसकी अर्जी पूरी नहीं होती। भक्त दूर-दूर से मां के इसी चमत्कार को देखने के लिए आते हैं।

मां भगवती का शक्तिशाली दंतेश्वरी मंदिर बहुत पुराना है और पूजा-पाठ भी पुरातन तरीके से की जाती है। इस मंदिर में सिले हुए कपड़े पहनकर आना मना होता है। मंदिर में धोती या लुंगी पहनकर ही मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश मिलता है। अगर कोई भक्त किसी कारणवश सामान्य कपड़ों में आ जाता है, तो मंदिर प्रशासन की तरफ से धोती दी जाती है, जिससे भक्त मां के दर्शन आराम से कर सके।

400 साल से ज्यादा पुराने मंदिर को लेकर कई किंवदंतियां और पौराणिक कथाएं मौजूद हैं। दक्षिण भारतीय शैली में बने मां दंतेश्वरी मंदिर को लेकर कहा जाता है कि यहां मां सती का दांत गिरा, जिसकी वजह से मंदिर का नाम दंतेश्वरी और जगह का नाम दंतेवाड़ा पड़ा। मां को दंतेवाड़ा और बस्तर की आराध्य देवी के रूप में पूजा जाता है। इसके साथ ही मंदिर काकतीय वंश से भी जुड़ा है। माना जाता है कि काकतीय वंश के राजा अन्नमदेव ने मां दंतेश्वरी के दर्शन किए थे और उनकी कृपा से राजा को बड़ा राज्य मिला था। मंदिर के पास नदी के किनारे मां के पदचिह्न भी मौजूद हैं। भक्त मां दंतेश्वरी के दर्शन के बाद पदचिह्नों के दर्शन जरूर करते हैं।

गुरु मार्गी मिथुन राशि में, सिंह समेत अन्य राशियों को मिलेगा भाग्य का साथ, करियर में पाएंगे लाभ और सफलता

गुरु मार्गी मिथुन राशि में होने जा रहे हैं। 11 मार्च को गुरु धनु राशि में मार्गी चाल से चलेंगे। ज्योतिष शास्त्र में गुरु को एक शुभ ग्रह माना गया है। गुरु इस समय मिथुन राशि में गोचर कर रहे हैं और अब मार्गी होने वाले हैं। गुरु के मार्गी होने से सिंह, तुला सहित 5 राशियों को काफी मुनाफा मिलने वाला है। इन राशियों के सभी रुके हुए काम अब पूरे होंगे। साथ ही आर्थिक स्थिति पहले से काफी मजबूत होगी और भाग्य का पूरा साथ मिलेगा।

सिंह राशि सफलता के रास्ते खुलेंगे

सिंह राशि के लोगों के लिए गुरु उनकी राशि से ग्यारहवें भाव में मार्गी होंगे। ऐसे में आपको अचानक ही अच्छे परिणाम मिलने लगेंगे। इस दौरान आप अपनी सभी टारगेट आसानी से पूरे कर लेंगे। साथ ही करियर के क्षेत्र में देखें तो आपको धीरे धीरे लेकिन लगातार प्रगति मिलती दिखाई देगी। इस दौरान आपके

तुला राशि अच्छा धन लाभ मिलेगा

तुला राशिवालों के लिए गुरु उनके 9वें भाव में मार्गी होने जा रहे हैं। यानी अब आपको भाग्य का साथ मिलने वाला है। अब आप अपनी मेहनत से आगे बढ़ने लगेंगे। इस दौरान आप कई यात्राएं भी कर सकते हैं। आपको घूमने फिरने के काफी अच्छे मौके मिल सकते हैं। अब आपको अपनी मेहनत का फल मिलेगा। पारिवारिक जीवन में देखें तो अब हर रिश्ता आपकी कदर करेगा। करियर के मामले में गुरु की मार्गी चाल आपको विदेश में नौकरी दिला सकती हैं। इस दौरान आप जितनी भी यात्राएं करेंगे उनकी मदद के आपको अच्छा धन लाभ मिलेगा।

कुंभ राशि मेहनत से पहचान मिलेगी

गुरु कुंभ राशिवालों के पांचवें भाव में मार्गी होने जा रहे हैं। ऐसे में कुंभ राशि के जातकों को गुरु कई शुभ परिणाम देने वाले हैं। करियर के लिहाज से देखें

लिए स्थायी सफलता के रास्ते खुलेंगे। साथ ही आपको इस अवधि में वह पहचान मिल सकती है जिसके आप हकदार हैं। आर्थिक दृष्टि से देखें तो इस दौरान आपकी सेविंग्स भी पहले से काफी अच्छी रहेंगी। आपको स्वभाव पहले से काफी दयालु और अच्छा रहेगा।

कन्या राशि नौकरी में बदलाव की संभावना

कन्या राशिवालों के लिए गुरु उनके 10वें भाव में मार्गी होंगे। ऐसे में कन्या राशि के जातकों की नौकरी में बदलाव हो सकता है। यह बदलाव आपके लिए काफी सहज साबित होगा। इस दौरान आपको कोई ज्यादा परेशानी नहीं होगी। जो लोग अपना खुद का व्यापार करते हैं उनके लिए यह समय काफी अच्छा और लाभकारी रहने वाला है। आपको आमदनी बढ़ाने के भी मौके इस दौरान मिलेंगे। आर्थिक मामलों में भाग्य आपका साथ देगा। बात करें आपके पारिवारिक जीवन की तो गुरु की कृपा से आपके अपने जीवनसाथी और परिवार वालों के साथ रिश्ते मजबूत होंगे।

तो जो लोग काफी लंबे समय से नौकरी की तलाश में हैं अब उनकी यह इच्छा पूरी हो सकती है। अगर आप बिजनेस करते हैं तो आपको अच्छी सफलता मिलने का आसार हैं। इस दौरान आपको अपनी मेहनत की खूब पहचान मिलेगी। साथ ही आपकी आमदनी पहले से अच्छी रहेगी। पारिवारिक रिश्तों में आप खुद को काफी खुश सुरक्षित महसूस करेंगे।

मीन राशि समय काफी अच्छा रहेगा

मीन राशि के लोगों के लिए गुरु चौथे भाव में मार्गी होने जा रहे हैं। ऐसे में शनि की साढेसाती से आपको थोड़ी राहत मिल सकती है। आपका आत्मविश्वास इस दौरान आपको तेज सोचने की क्षमता आपको प्रगति और सफलता दिला सकती है। अगर आप बिजनेस करते हैं तो आपको अलग-अलग क्षेत्रों में सफलता मिल सकती है। आर्थिक मामलों में देखें को आपके खर्चे भी काफी ज्यादा रह सकते हैं। आपकी आमदनी के साथ साथ खर्चे भी काफी ज्यादा बढ़ सकते है। अगर आप वाहन या कोई प्रॉपर्टी खरीदने का मन बना रहे हैं तो आपके लिए समय काफी अच्छा साबित होगा।

मधुर दांपत्य जीवन के लिए वास्तु टिप्स और नियम जानें वास्तु अनुसार कैसा होना चाहिए बेडरूम

वास्तु शास्त्र में कई ऐसे नियम और उपाय बताए गए हैं जिनसे घर में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है। अगर पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़े या मनमुटाव चलता हो तो इसके पीछे का कारण वास्तु दोष हो सकता है। मान्यता है की कपल्स का बेडरूम और उसमें रखा सामान वास्तु अनुसार न हो तो इससे जीवन में प्रतिकूल प्रभावों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में माहौल तनावपूर्ण बना रह सकता है। लेकिन वास्तुशास्त्र में इससे छुटकारा पाने के कुछ टिप्स और नियम भी बताए गए हैं जिनका ख्याल रखने से दांपत्य जीवन मधुर बना रहता है।

बेडरूम से जुड़े वास्तु के इन नियमों का जरूर रखें ख्याल

वास्तुशास्त्र के अनुसार, नवविवाहित का बेड कभी भी आम की लकड़ी, लोहे या तेंदू से बना हुआ नहीं होना चाहिए। मान्यता है की इन प्रकार के बेड रोगों का कारण बन सकते हैं। साथ ही, इससे आयु कम हो सकती है।

अगर आपका विवाह हाल ही में हुआ है तो इस बात का ख्याल जरूर रखें की नवविवाहितों को कभी भी वायव्य यानी उत्तर-पश्चिम कोने वाला कमरा कभी नहीं लेना चाहिए। अन्यथा इसका प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिल सकता है।

वास्तु अनुसार शयन कक्ष में पूजा घर नहीं होना चाहिए। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है। लेकिन अगर मंदिर कमरे में रखना पड़े तो उस पर पर्दा जरूर लगाकर रखना चाहिए।

बेडरूम में भूलकर भी जूठे बर्तन और झाड़ू नहीं रखना चाहिए। इससे आसपास के वातावरण में नकारात्मकता बनी रहती है। इसलिए वास्तु के इस नियम का ख्याल अवश्य रखें।

वास्तुशास्त्र में बताया गया है कि बेडरूम में युद्ध वाली, डरावनी या कोई नकारात्मक तस्वीर नहीं लगानी चाहिए। क्योंकि माना जाता है की इसका प्रभाव हमारे जीवन पर भी पड़ता है।

बेडरूम में पति-पत्नी का बेड कभी भी दाएं या बाएं दीवार से सटा हुआ नहीं होना चाहिए। साथ ही, कमरे में लाल बल्ब या दर्पण भूलकर भी न लाएं। वास्तु अनुसार ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है।

मधुर दांपत्य जीवन के लिए वास्तु टिप्स

वैवाहिक जीवन में खुशहाली बनाए रखने के लिए अपने बेडरूम में सोते समय एक तांबे बर्तन में पानी भरें और उसे ढककर ईशान कोण में रख दें। बेड के पूर्व उत्तर कोने में इस बर्तन को रखकर सोना चाहिए।

पति-पत्नी को बेडरूम में इस बात का ख्याल जरूर रखना चाहिए की वहां ऐसी तस्वीर लगाएं जिसमें दोनों साथ में खुश नजर आते हों। ऐसा करने से दांपत्य जीवन मधुर बना रहता है।

अगर अक्सर आपके बीच किसी बात को लेकर झगड़े या तनाव बना रहता है तो इसके लिए एक सरल उपाय आजमा सकते हैं। वास्तु अनुसार बेडरूम के दक्षिण पश्चिम कोने में स्फटिक की बॉल रखें।

माना जाता है की पति-पत्नी के बेडरूम में उत्तर पश्चिम दिशा में एक खिड़की अवश्य होनी चाहिए। लेकिन अगर ऐसा न हो तो आप इस कोने में फेंगशुई की घंटियां लटका सकते हैं। ऐसा करने से रिश्ते में चल रहा तनाव समाप्त हो सकता है।

वास्तु के अनुसार, बेडरूम में लाल रंग के फूल रखना शुभ माना जाता है। इस रंग को प्रेम, उत्साह और शुभता का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में लाल रंग के फूल कमरे में रखने से पति-पत्नी के बीच आपसी प्रेम बना रह सकता है।

बेडरूम में एक मोर पंख इस प्रकार लगाएं की वह रूम में प्रवेश करते समय नजर आता हो। साथ ही, सोते समय भी मोरपंख आपको दिखाई दे।

चैत्र नवरात्रि 19 मार्च को होंगी शुरु; पहले दिन घटस्थापना और मां शैलपुत्री की होगी पूजा

चैत्र मास की प्रतिपदा तिथि से नवरात्रि का आरंभ हो जाता है। हिंदू धर्म में नवरात्रि का विशेष महत्व बताया गया है। हिंदू नव वर्ष का आरंभ होते है चैत्र नवरात्रि की शुरुआत भी हो जाती है। नवरात्रि के नौ दिन माता दुर्गा के अलग-अलग रुपों की पूजा अर्चना की जाती है। नवरात्रि के पहले दिन घट स्थापना की जाती है। चैत्र मास में आने वाली नवरात्रि का विशेष महत्व बताया गया है। आइए जानते हैं इस साल कब से चैत्र नवरात्रि का आरंभ हो रहा है। साथ ही जानें चैत्र नवरात्रि का महत्व।

पंचांग की गणना के अनुसार, चैत्र नवरात्रि का आरंभ शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होती है। 19 मार्च को प्रतिपदा तिथि सुबह में 4 बजकर 52 मिनट पर प्रतिपदा तिथि का क्षय है। प्रतिपदा तिथि 20 मार्च तक रहेगी। चैत्र नवरात्रि का पर्व 19 मार्च से 27 मार्च तक मनाया जाएगा। नवरात्रि के पहले दिन घटस्थापना की जाती है इसलिए 19 मार्च को घटस्थापना की जाएगी।

चैत्र नवरात्रि का महत्व

चैत्र नवरात्रि का विशेष महत्व बताया गया है। इस दिन से ही हिंदू नव वर्ष का आरंभ हो जाता है। चैत्र नवरात्रि के 9 दिनों मां दुर्गा का 9 रुप, मैं शैलपुत्री, मां ब्रह्मचारिणी, मां चंद्रघंटा, मां कूष्मांडा, मां स्कंदमाता, मां कात्यायनी, मां कालरात्रि, मां महागौरी, मां सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। मान्यता के अनुसार, जो व्यक्ति इन 9 दिनों तक जप तप करता है। उन पर मां दुर्गा की विशेष कृपा बनी रहती है। नवरात्रि में पूरी श्रद्धा के साथ पूजा पाठ करने से मां दुर्गा अपने भक्तों के सारे दुख और कष्ट हर लेती हैं। साथ ही सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है।

चैत्र नवरात्रि 2026 पूजा तिथि

पहला दिन	19 मार्च	मां शैलपुत्री पूजा और घटस्थापना
दूसरा दिन	20 मार्च	मां ब्रह्मचारिणी पूजा
तीसरा दिन	21 मार्च	मां चंद्रघंटा पूजा
चौथा दिन	22 मार्च	मां कुष्मांडा पूजा
पांचवां दिन	23 मार्च	मां स्कंदमाता पूजा
छठा दिन	24 मार्च	मां कात्यायनी पूजा
सातवां दिन	25 मार्च	मां कालरात्रि पूजा
आठवां दिन	26 मार्च	मां महागौरी पूजा
नौवां दिन	27 मार्च	मां सिद्धिदात्री पूजा

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

संपादकीय

एआई का महाकुंभ

अब यह समय और दौर 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता' (एआई) का है। आगामी तीन सालों में एआई का विस्तार हजार गुना होगा और जिंदगी बिल्कुल बदल जाएगी। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, परिवहन, प्रशासन और नीति-निर्माण, इतिहास, संस्कृति, विज्ञान से लेकर आम आदमी और कर्मचारी तक एआई का दखल होगा और ये क्षेत्र एआई से ही संचालित होंगे। भारत एआई के बड़े और स्थापित देशों की रेस में शामिल नहीं है, लेकिन एआई की प्रतिभाएं देश में 33 फीसदी की दर से बढ़ रही हैं। करीब 69 फीसदी कंपनियां इस साल एआई में निवेश बढ़ाएंगी और 80 फीसदी कंपनियां इस नए हुनर को प्राथमिकता दे रही हैं। करीब 92 फीसदी कर्मचारी एआई का इस्तेमाल भी कर रहे हैं। भारत में एआई के तीन आधिकारिक सूत्र घोषित किए गए हैं-लोग (पीपल), ग्रह (प्लैनेट), प्रगति (प्रोग्रेस)। यकीनन इनमें नैतिकता और मानवता का भाव अधिक है। लिहाजा राजधानी दिल्ली में एआई का जो पांच दिवसीय शिखर सम्मेलन सजा है, उसका महत्व 'महाकुंभ' सरीखा है। इस महाकुंभ में 100 से अधिक बहुराष्ट्रीय कंपनियों के सीईओ, 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, 135 देशों के प्रतिनिधि शिरकत करेंगे। 20 फरवरी तक 3250 से अधिक वक्ता बोलेंगे और करीब 500 सत्र आयोजित किए जाएंगे। किसी नई प्रौद्योगिकी पर विमर्श और चिंतन-मनन के लिए यह सर्वोच्च मंच है, लिहाजा 'महाकुंभ' जैसा महत्व है। सभी हिस्सेदार, भागीदार व्यक्ति या देश एआई के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करेंगे और एक पथ तय करेंगे कि एआई किस तरह मानवोपयोगी साबित हो सकती है। इतनी व्यापक चर्चा तब भी नहीं हुई, जब कम्प्यूटर हमारे बीच आया था और देश भय, खौफ में थे कि यह मानव का विकल्प साबित हो सकता है। ऐसा नहीं हुआ और आज कम्प्यूटर हमारे कामकाज का बुनियादी हथियार है। बहरहाल ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया (सोल), फ्रांस (पेरिस) के बाद एआई का यह शिखर सम्मेलन भारत की राजधानी दिल्ली में जारी है। करीब 3 लाख लोगों ने पंजीकरण कराया है। दरअसल बुनियादी चिंता एआई चिप्स, रोजगार और परिवर्तन के बाद की दुनिया को लेकर है। भारत में एआई को 'आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन' से जोड़ा जा रहा है, क्योंकि इससे मुंह के कैंसर की 86 फीसदी तक सटीक पहचान हो रही है। शिक्षा के क्षेत्र में आईआईटी, मद्रास 100 से अधिक भारतीय बोलियों (अवधी, ब्रज, हरियाणवी) पर काम कर रहा है। मकसद है कि ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के बच्चों को उनकी स्थानीय बोली-भाषा में ही शिक्षा उपलब्ध कराई जा सके। आईआईटी, रोपड़ ने एआई आधारित ऑटोमैटिक 'मौसम स्टेशन' तैयार किया है। इन्हें हजारों खेतों-गांवों में लगाया जा सकता है। करीब 15,000 रुपए की कीमत वाला यह उपकरण सिंचाई, फसल योजना और कीट-नियंत्रण आदि की सटीक सलाह देगा। बिहार और उप्र में इसका पायलट प्रोजेक्ट सफल रहा है। एआई के क्षेत्र में हमने 5 बड़े कदम उठाए हैं, जो निर्णायक साबित हो रहे हैं। सर्वम एआई, परम-2, ज्ञानी, सॉकेट और गान-ये पांच बड़े प्रयास किए गए हैं। इनके जरिए हमारी सभ्यता, संस्कृति, इतिहास के प्राचीन अतीत को भी खंगाला जा सकता है और हम देख भी सकते हैं। फिर भी अमरीका और चीन की तुलना में भारत में एआई अभी 'शिशु अवस्था' में है। इसकी उन्नत और विकसित चिप, जिसे जीपीयू कहते हैं, बेहद महंगी है। एक चिप की कीमत 30,000 डॉलर से अधिक बताई जाती है। बीती अक्तूबर तक भारत ने 38,000 से अधिक चिप्स तैनात की हैं। पिछले साल जिन डाटा केंद्रों में ये चिप्स लगाई गई हैं, उन्होंने ग्रिड से 1.4 गीगावाट बिजली चूस ली है। यह पीक मांग के दौरान राजधानी दिल्ली की एक चौथाई बिजली के बराबर है। 2030 तक ये केंद्र 8 गीगावाट बिजली खर्च कर सकते हैं, जो राजधानी के लोड से अधिक हो सकती है। क्या हमारे पास इतनी सरप्लस बिजली है। एक गीगावाट 1000 मेगावाट बिजली के बराबर होता है। अमरीका चिप्स के बाजार का बादशाह है। उसने चीन की गति को धीमा करके रखा है, लेकिन चीन थमा नहीं है। उसने 150 अरब डॉलर का निवेश चिप-निर्माण में कर रखा है। भारत अभी 2.80 करोड़ चिप्स ही बना पा रहा है।

भारत में एआई के तीन आधिकारिक सूत्र घोषित किए गए हैं-लोग (पीपल), ग्रह (प्लैनेट), प्रगति (प्रोग्रेस)। यकीनन इनमें नैतिकता और मानवता का भाव अधिक है। लिहाजा राजधानी दिल्ली में एआई का जो पांच दिवसीय शिखर सम्मेलन सजा है, उसका महत्व 'महाकुंभ' सरीखा है। इस महाकुंभ में 100 से अधिक बहुराष्ट्रीय कंपनियों के सीईओ, 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, 135 देशों के प्रतिनिधि शिरकत करेंगे। 20 फरवरी तक 3250 से अधिक वक्ता बोलेंगे और करीब 500 सत्र आयोजित किए जाएंगे। किसी नई प्रौद्योगिकी पर विमर्श और चिंतन-मनन के लिए यह सर्वोच्च मंच है, लिहाजा 'महाकुंभ' जैसा महत्व है। सभी हिस्सेदार, भागीदार व्यक्ति या देश एआई के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करेंगे और एक पथ तय करेंगे कि एआई किस तरह मानवोपयोगी साबित हो सकती है। इतनी व्यापक चर्चा तब भी नहीं हुई, जब कम्प्यूटर हमारे बीच आया था और देश भय, खौफ में थे कि यह मानव का विकल्प साबित हो सकता है। ऐसा नहीं हुआ और आज कम्प्यूटर हमारे कामकाज का बुनियादी हथियार है। बहरहाल ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया (सोल), फ्रांस (पेरिस) के बाद एआई का यह शिखर सम्मेलन भारत की राजधानी दिल्ली में जारी है।

कुछ अलग

पीता हूं कुर्सा बचाने को...

वह अपना जिगरी यार है। रोज पीने का कोई न कोई ऑरिजनल बहाना ढूढंता रहता है। जब जब उसे समझाता हूं कि, 'ए मेरे जिगरी दोस्त! पी, पर बहुत मत पी। लिमिट में पी! जैसे जैसे कुर्सी सुरा महंगी कर रही है, तू उतनी ही और पी रहा है। देख दोस्त! जब कुर्सी तेरे बारे में नहीं सोचती तो तू उसके बारे में क्यों सोचता है? बेकार का कुर्सावादी कहीं का!' तब तब वह मेरे बार बार पीने से रोकने पर मेरा महंगाई से सिकुड़ा सीना पीटता हर बार यही कहता है, 'देखो दोस्त! मैं उनकी तरह कुर्सा का खासमखास कुर्सा फरामोश नहीं जो जहां देखो, जब देखो, खाली थाली को भी चाटते उसे धूल चटाने में लगे रहते हैं। सुरापानी उसी का, कुर्सा जिसका। अच्छा बता, मैं पिऊंगा नहीं तो कुर्सा को रेवेन्यू कहां से जेनेरेट होगा? निचली कुर्सियां तो घाटे में चल रही हैं। ऐसे में मैं भी नहीं पिऊंगा तो कुर्सियों की कुर्सा का रेवेन्यू हो गया न जीरो? जो रेवेन्यू जीरो होगा तो भोले की फौज, कैसे करेगी मौज? दोस्त! मैं न पीने वालों का सीना पीट पीट कर कहता हूं कि कुर्सा की इनकम का सबसे बड़ा जो कोई सोर्स है तो वह केवल और केवल मैं हूं। बता दे कोई दूसरा माई का लाल जो मेरे नाली में गिरने पर, कुत्तों से अपना मुंह चटवाते हुए मुझसे अधिक कुर्सा को इनकम देता हो? शेष सब तो बस, खाने वाले हैं। खाली हमाम में नहाने वाले हैं। ऐसे में हर पियक्कड़ कुर्सा भक्त का नैतिक कर्तव्य बनता है कि वह अपनी सेहत की परवाह किए बिना कुर्सा की सेहत के हित में पिए, डट कर पिए, बढ़ते रेट की परवाह किए बिना पिए। कुर्सा की सेहत पर मेरी सारी सेहतें कुर्बान! बुरे वक्त में जब कुर्सा के चचेरे ममेरे उसका साथ नहीं दे रहे तो ऐसे में मैं कुर्सा का साथ नहीं दूंगा तो और कौन देगा।

छत्रपति शिवाजी जयंती (19 फरवरी) पर विशेष

रणनीति, शौर्य और नेतृत्व के प्रतीक छत्रपति शिवाजी

भारत में शायद ही कोई ऐसा शख्स हो, जिसे छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में जानकारी न हो। मराठा गौरव वीर शिवाजी भारतीय इतिहास के सबसे महान योद्धाओं और कुशल शासकों में से एक थे, जिनकी जयंती भारत में और विशेष रूप से महाराष्ट्र में बहुत धूमधाम से मनाई जाती है। छत्रपति शिवाजी का जन्म 19 फरवरी 1630 को एक मराठा परिवार में शिवनेरी किले में हुआ था, इसीलिए 19 फरवरी को उनकी जयंती मनाई जाती है। यह दिन उनकी वीरता, नीतियों और प्रशासनिक कुशलता को याद करने का अवसर है। शिवाजी के पिता शाहजी भोंसले बीजापुर सल्तनत में एक उच्च पदस्थ सेनानी थे जबकि माता जीजाबाई धार्मिक प्रवृत्ति की एक वीर महिला थी, जिन्होंने शिवाजी को बचपन से ही रामायण, महाभारत और अन्य धार्मिक ग्रंथों की कहानियां सुनाकर उनमें नैतिकता, साहस और न्यायप्रियता का संचार किया। हालांकि शिवाजी का बाल्यकाल कठिनाईयों से भरा था लेकिन माता जीजाबाई और गुरु के मार्गदर्शन ने उन्हें महान योद्धा बनने की प्रेरणा दी। शिवाजी ने बचपन में ही युद्ध-कौशल, राजनीति और प्रशासन की शिक्षा प्राप्त की। उनके गुरु दादाजी कोंडदेव ने उन्हें किलेबंदी और युद्ध की विभिन्न रणनीतियां सिखाई। इस वर्ष मराठा गौरव वीर शिवाजी की 396वीं जयंती मनाई जा रही है। इतिहास गवाह है कि शिवाजी महाराज का महाराष्ट्र न तो कभी दिल्ली की गद्दी के आगे झुका और न ही अंग्रेजों के समक्ष। शिवाजी भारत के सबसे बहादुर और बुद्धिमान सम्राटों में से एक थे, जिन्होंने 16वीं शताब्दी में स्वराज्य की स्थापना का सपना देखा था। मात्र 15 वर्ष की आयु में वर्ष 1645 में उन्होंने स्वतंत्र मराठा राज्य की संकल्पना की और अपने साहसिक अभियानों से इसे वास्तविकता में बदला। शिवाजी महाराज ने 1645 में तोरणा किले पर विजय प्राप्त कर उसे अपने राज्य का पहला किला बनाया था। वह विजय उनकी रणनीतिक कुशलता और सैन्य शक्ति का परिचायक थी। उसके बाद उन्होंने लगातार कई किलों पर कब्जा कर अपना राज्य विस्तारित किया। वीर शिवाजी ने बीजापुर और मुगल शासकों के अधीन रहकर भी 1674 में भारत में मराठा साम्राज्य की नींव रखी थी। शिवाजी महाराज का मूल नाम शिवाजी भोंसले था, उन्हें वर्ष 1674 में औपचारिक तौर पर मराठा साम्राज्य का ताज पहनाया गया था, जिसके बाद वह 'छत्रपति' कहलाए। छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाने की शुरुआत पुणे में वर्ष 1870 में महात्मा ज्योतिराव फुले द्वारा की गई थी, जिन्होंने रायगढ़ में शिवाजी महाराज की समाधि की खोज की थी। उनके बाद छत्रपति शिवाजी की जयंती को मनाते रहने की परंपरा गंगाधर तिलक ने जारी रखी। छत्रपति शिवाजी न केवल एक कुशल योद्धा थे बल्कि उन्होंने एक आदर्श राज्य व्यवस्था की भी स्थापना की थी। शिवाजी की सबसे बड़ी विशेषता उनकी गुरिल्ला युद्ध नीति थी, जिसे मराठी में 'गणिमी कावा' कहा जाता है। गुरिल्ला युद्ध नीति के तहत वे छोटे-छोटे सैनिक दल बनाकर अचानक आक्रमण करते और फिर सुरक्षित स्थान पर लौट जाते थे। भारी सेना वाले मुगल और आदिलशाही सेनाओं के खिलाफ शिवाजी की वह रणनीति बेहद प्रभावी साबित हुई। उनकी गुरिल्ला युद्ध नीति, धर्मनिरपेक्षता और प्रजा के प्रति प्रेम उन्हें असाधारण महानायक बनाती है। मराठा साम्राज्य के योद्धा वीर शिवाजी ने केवल गुरिल्ला युद्ध नीति को जन्म ही नहीं दिया था बल्कि उस नीति से कई युद्ध भी लड़े। शिवाजी अपनी अद्भुत रणनीति और उत्कृष्ट नेतृत्व गुणों के कारण जाने जाते थे, जिन्होंने कई बार अंग्रेजों की सेना को धूल चटाई थी। उन्होंने अपनी सेना को कुशल और संगठित बनाया, नौसेना का भी गठन किया और समुद्री हमलों से राज्य की रक्षा करने के उद्देश्य से कोंकण तट पर कई नौसैनिक किलों का निर्माण कराया। उनकी नौसेना भारत की पहली संगठित नौसेना मानी जाती है। उनकी मजबूत नौसेना ने समुद्री व्यापार और सुरक्षा को बढ़ावा दिया। शिवाजी ने किलों और जलमार्गों का भी निर्माण कराया और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए उन्होंने बंदरगाहों का विकास किया। वीर शिवाजी की सबसे प्रसिद्ध सैन्य उपलब्धियों में से एक बीजापुर के आदिलशाही सेनापति अफजल खान की हत्या थी। शिवाजी महाराज को पराजित करने के लिए 1659 में बीजापुर के सेनापति अफजल खान को भेजा गया था लेकिन शिवाजी को पहले से विश्वासघात की आशंका थी, इसलिए वे पूरी तैयारी के साथ प्रतापगढ़ किले पर अफजल खान से मिले और अपनी चतुराई से उसका वध कर दिया। उन्होंने 1663 में मुगल सूबेदार शाइस्ता खान पर भी हमला किया और उसे पुणे से भागने पर मजबूर किया। मुगल सम्राट औरंगजेब के साथ भी उनका लंबा संघर्ष चला। शिवाजी और औरंगजेब के बीच कई युद्ध हुए। औरंगजेब ने 1666 में आगरा बुलाकर उन्हें धोखे से बंदी बना लिया था लेकिन शिवाजी अपनी चतुराई से वहां से भाग निकले और उसके बाद उन्होंने पुनः अपनी सेना संगठित कर मुगलों के खिलाफ संघर्ष जारी रखा। 1674 में रायगढ़ किले में शिवाजी का भव्य राज्याभिषेक हुआ और उन्हें 'छत्रपति' की उपाधि दी गई, जो मराठा साम्राज्य के औपचारिक रूप से स्वतंत्र होने की घोषणा थी। उस अवसर पर उन्होंने हिंदवी स्वराज की संकल्पना को साकार किया। वे एक ऐसे आदर्श शासक थे, जिन्होंने कर प्रणाली में सुधार किया, न्याय व्यवस्था को संगठित किया और प्रजा के कल्याण के लिए कई योजनाएं शुरू की। उनके शासन में सभी धर्मों के लोगों को समान अधिकार प्राप्त थे। उन्होंने महिलाओं और किसानों के अधिकारों की रक्षा की और भ्रष्टाचार पर कठोरता से नियंत्रण रखा। छत्रपति शिवाजी महाराज एक महान योद्धा, कुशल प्रशासक और सच्चे राष्ट्रनायक थे, जिनकी बहादुरी, रणनीति और शासन प्रणाली आज भी प्रेरणादायक है। वीर शिवाजी केवल एक योद्धा ही नहीं बल्कि एक दूरदर्शी शासक भी थे, जिनकी युद्ध रणनीति, प्रशासनिक नीतियां और साहस आज भी प्रेरणा का स्रोत हैं। वे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों के लिए भी सदैव प्रेरणास्रोत बने रहे। उनका जीवन हमें संघर्ष, स्वाभिमान और साहस का पाठ पढ़ाते हुए सिखाता है कि आत्मनिर्भरता, साहस और न्यायप्रियता से किसी भी कठिनाई का सामना किया जा सकता है। उनकी नीतियां आज के शासन और प्रबंधन में भी पूरी तरह प्रासंगिक हैं। 3 अप्रैल 1680 को छत्रपति शिवाजी का निधन हुआ लेकिन उनके निधन के बाद भी उनका सपना जीवित रहा और उनके उत्तराधिकारियों ने मराठा साम्राज्य को आगे बढ़ाया। छत्रपति वीर शिवाजी महाराज को युगों-युगों तक वीरता, साहस, देशभक्ति और न्याय के प्रतीक के रूप में याद किया जाता रहेगा।

छत्रपति शिवाजी का जन्म 19 फरवरी 1630 को एक मराठा परिवार में शिवनेरी किले में हुआ था, इसीलिए 19 फरवरी को उनकी जयंती मनाई जाती है। यह दिन उनकी वीरता, नीतियों और प्रशासनिक कुशलता को याद करने का अवसर है। शिवाजी के पिता शाहजी भोंसले बीजापुर सल्तनत में एक उच्च पदस्थ सेनानी थे जबकि माता जीजाबाई धार्मिक प्रवृत्ति की एक वीर महिला थी, जिन्होंने शिवाजी को बचपन से ही रामायण, महाभारत और अन्य धार्मिक ग्रंथों की कहानियां सुनाकर उनमें नैतिकता, साहस और न्यायप्रियता का संचार किया। हालांकि शिवाजी का बाल्यकाल कठिनाईयों से भरा था लेकिन माता जीजाबाई और गुरु के मार्गदर्शन ने उन्हें महान योद्धा बनने की प्रेरणा दी। शिवाजी ने बचपन में ही युद्ध-कौशल, राजनीति और प्रशासन की शिक्षा प्राप्त की। उनके गुरु दादाजी कोंडदेव ने उन्हें किलेबंदी और युद्ध की विभिन्न रणनीतियां सिखाई।

देश दुनिया से

मानवताविहीन विकास आखिर किसके लिए ?

अंतर्मन बारंबार पूछता है कि क्या तुझे स्वयं की मनुष्यता, भारतीयता तथा सामाजिक पहचान पर गर्व है? उत्तर में अतिशय निराशा उत्पन्न होती है तथा नहीं को स्वीकार करना पड़ता है। विश्व के प्रत्येक संवेदनशील, प्राकृतिक तथा शांत व्यक्ति की यही मनःस्थिति है। वह निजास्तित्व, नागरिकता, राष्ट्रीयता तथा सामाजिकता को विवशतापूर्वक स्वीकार किए हुए है। भारत के संदर्भ में स्वयं को ही सम्मुख रखता हूं। जीवन जकड़ा हुआ लगता है। भीतर जो वैचारिकता स्वतंत्रता है, वह बाहर की विभिन्न परतंत्रताओं से भयाक्रांत है। अभिलाषा प्राकृतिक, ग्रामीण, पारंपरिक तथा आधुनिकता के लगभग हर हस्तक्षेप से मुक्त जीवन जीने की है, किंतु जीना पड़ रहा है ऐसा जीवन जिसके वास्तविक सिद्धांत, क्रियाकलाप तथा समग्र गतिविधियां अभिलाषा के विपरीत विषैली हैं। क्यों नहीं किसी को ये स्वीकार करना चाहिए कि उसे विसंगतियों से परिपूर्ण लोकतंत्र नहीं चाहिए? उसे शासन-प्रशासन की घिनौनी, लुंज-पुंज, मरणासन्न तथा हिंसापरक कुंठा उत्पन्न करने वाली गतिविधियां नहीं चाहिए। उसे पारंपरिक भारतीय राष्ट्र, समाधानहीन समस्याएं उत्पन्न करने वाले वैश्विक ग्राम में परिवर्तित नहीं चाहिए। उसे धनपतियों, पूंजीपतियों, उद्योगपतियों तथा इनके संकेतों पर नीतियां बनाने वाले नेता, शासकीय कर्मचारी तथा अन्य लोकतांत्रिक संस्थाएं नहीं चाहिए। ये खुलकर क्यों नहीं स्वीकार हो कि उसे वैज्ञानिक प्रयोगों, आविष्कारों, खोजों तथा अभिशाप की पराकाष्ठा को स्पर्श करता विज्ञान का प्रायोगिक जीवन-व्यवहार नहीं चाहिए। जब मनुष्य यंत्र में परिवर्तित हो चुका हो, मनुष्य के यंत्रवत हावभाव स्पष्ट परिलक्षित हों तथा मानवता का विकराल अभाव परिव्याप्त हो तो क्यों नहीं तब आधुनिकता, विकास, विज्ञान, उन्नति एवं पशुवत मानवीय गतिविधियों पर विराम लगे? ये प्राकृतिक विधि से जीवनयापन करने की अभिलाषा रखने वाले मनुष्य की केवल अभिलाषा है, जो पूर्ण कभी नहीं होगी। इसलिए नहीं होगी क्योंकि विकास के स्वरूप में विद्यमान विनाशी कुमार्ग की यात्रा अब तक बहुत लंबी हो चुकी है। अब तो ऐसे विनाश के बाद जब प्रलय होगी तथा सार्वभौमिक मृत्यु के बाद नवजीवन उदित होगा, तब ही प्राकृतिक जीवन होगा। तब तक संवेदनशील प्राकृतिक मनुष्यों को घुटना होगा, घुट-घुट कर मरना होगा तथा आधुनिक सार्वजनिक जीवन-व्यवहार के प्रति गहन अनिच्छा के उपरांत भी उसमें अपना निर्धारित जीवन समय व्यतीत करना होगा। आधुनिकता की कुछ विसंगतियों के साथ वर्णन आगे बढ़ाते हैं। एक ओर, देश-दुनिया के जीवन में विद्यमान प्यारे, मासूम, निश्छल व मखमली बच्चों के बारे में सोचकर नीति-नियम बनते हैं कि बच्चों को मदिरा, धूम्र, मादक तथा अन्य विषैले पदार्थों से पृथक रखकर उनका समुचित पालन-पोषण किया जाना है, किंतु दूसरी ओर जीवन जी रहे वयस्क लोगों के लिए ऐसे पदार्थों का नियमबद्ध उत्पादन, व्यापार तथा क्रय-विक्रय किया जाता है। भारत जैसे देश में तो ऐसे पदार्थों की बिक्री द्वारा शासन को सर्वाधिक राजस्व अर्जन होता है। ये क्या है? क्या ऐसे में विकास तथा आधुनिकता के नाम पर सभ्य, प्रतिष्ठित, आदर्श एवं समुचित होने का कोई अर्थ है? बिल्कुल नहीं है। इसी प्रकार, एक ओर, बच्चों को मोबाइल फोन से दूर रखने तथा उन्हें इसके संपर्क में न आने देने के लिए प्रधानमंत्री से लेकर विद्वान-विशेषज्ञ गण प्रवचन कर रहे हैं, तो दूसरी ओर बच्चों के माता-पिता तथा अभिभावकों के लिए उनकी इच्छा जाने बिना ही मोबाइल फोन रखना अनिवार्य कर दिया गया है। हर आर्थिक, बैंकिंग, सामाजिक तथा अन्य कार्य मोबाइल फोन से जोड़ दिया गया है। ऐसे में स्थिति ये हो चुकी है कि जिसे मोबाइल फोन रखने की इच्छा नहीं है, उसे भी बलात शासकीय प्रपंच व षड्यंत्र से मोबाइल फोन ढोना पड़ रहा है। जिन बच्चों को मोबाइल फोन से दूर रखने की सलाहें दी जा रही हैं, वे भी बड़े होते-होते चाहे-अनचाहे इनको ढोने के लिए विवश हो ही जाएंगे। इस संदर्भ में आश्चर्य तो तब होता है, जब प्रधानमंत्री, एक ओर तो बच्चों को परीक्षावधि में तनाव से दूर रखने के मंत्र बताते हुए कहते हैं कि मोबाइल फोन से दूर रहना सीखो, और दूसरी ओर एआई अर्थात आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शिक्षा लेने का आग्रह भी करते हैं। यह कैसा विरोधाभास है! क्या एआई एप्लिकेशन बनाने वाली कंपनियों से व्यापारिक समझौते करते समय शासन को इस संदर्भ में बच्चों तथा उनके अभिभावकों की इच्छा-अनिच्छा जानने के लिए कर्तव्यनिष्ठ नहीं होना चाहिए? इसी विषय को नहीं, अपितु अन्य विषयों तथा नीतियों को लोगों पर थोपने से पूर्व शासन को उनको स्वीकार-अस्वीकार करने की लोगों की इच्छा-अनिच्छा पर ध्यान नहीं देना चाहिए? क्या सामान्य लोग शासन से कहते हैं कि हमारे लिए मदिरा, धूम्र, मादक पदार्थों का उत्पादन एवं कारोबार करो? क्या जनसामान्य कहता है कि उसे डिजिटल लेन-देन, मोबाइल फोन तथा एआई चाहिए? जनसामान्य तो अपने प्रबुद्ध विचार तथा युक्तियुक्त बुद्धि-विवेक द्वारा शांत प्राकृतिक जीवन जीने को लालायित है। किंतु दुर्भाग्य देखिये कि जनसामान्य की इस प्राकृतिक इच्छा के साथ शासन का कोई सरोकार नहीं है। इस संदर्भ में उसका स्वयं संज्ञान रसातल में है। इस इच्छा की पूर्ति के लिए न तो वैज्ञानिक, धनपति, पूंजीपति, उद्योगपति तथा न ही शासकीय प्रतिनिधि कुछ करते हैं। ये सभी तो प्राकृतिक व्यवस्था बनाए रखने में नहीं, अपितु प्रकृति से प्रचुर अयस्क, खनिज तथा अन्यान्य रत्न खींच-सोख डालने को अतिव्याकुल हैं, ताकि इनके द्वारा आधुनिकता के झांसे में लिए गए लोगों के लिए कुछ नवीन वैज्ञानिक वस्तुएं, मशीनें एवं सुविधाएं बनाई जा सकें तथा इनके मध्य अमीरी में एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ बनी रहे। इन सब परिस्थितियों में जीवन शुष्क पाषाण की भांति हो चुका है। मानव में से मानवता समाप्त हो चुकी है। आखिर इस सब की अंतिम परिणति है क्या? क्या आधुनिकता की दौड़ में तन-मन-धन से डूबे अग्र प्रभावशाली व्यक्तियों के पास इसका विचारणीय उत्तर है? उनके पास कोई उत्तर नहीं है। आधुनिकता की ये सबसे बड़ी कमी है कि इसमें डूब चुकी दुनिया तथा दुनिया के अधिसंख्य मानवों को रुककर जीवन के बारे में सोचने का अवसर ही नहीं होता। इस भंवर में घूमते लोगों तथा लोगों को घुमाने वाले शक्तिशाली लोग केवल वेश में ही मनुष्य बचे हुए हैं। अंदर से वे रिक्त, भावनाहीन, मानवताविहीन, प्रकृतिरहित हो चुके हैं। इस आत्मघाती वातावरण में घोर आश्चर्य ये है कि देश-दुनिया के शक्तिशाली लोग अपने मासूम बच्चों के मुख देखकर भी नहीं पिघल रहे। उन्हें ये विचार भी नहीं सूझता कि आधुनिकता के कारण मरणासन्न प्राकृतिक परिवेश, ऋतुगत विकृतियों तथा पंचतत्त्वों के असंतुलन के कारण उनके प्यारे-भोले बच्चों का क्या होगा? अंततः विकास एवं आधुनिकता के लक्ष्य भावी संतति के सुख व सुविधाओं के लिए ही तो थे, किंतु जब ऐसे लक्ष्यों के कारण जीवन के आधार पांच तत्त्वों तथा इनकी प्राकृतिकता ही घनघोर संकट में है, तो तब इस दिशा में आगे ही आगे बढ़ते जाने का क्या औचित्य है? इस दिशा में प्रतिक्षण, प्रतिदिन सोच-विचार की अति आवश्यकता है। इस पर अनिवार्य चिंतन-मनन होना चाहिए। यदि इस विषय पर सोच-विचार तथा चिंतन-मनन का अभाव हो, तो तत्काल मासूम बच्चों के मुख देखे-याद किए जाएं।

आप का नज़रिया

अभिभाषण में पॉज प्रणाली

बजट सत्र की व्यस्तता में सरकार के शब्दों में अवांछित ढूंढने की परंपरा का उद्धार करते राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल कुछ पिंजरे तय कर देते हैं। जिसे हम सरकार का अहम दस्तावेज या राज्य के आर्थिक चिन्हों की गवाही में, राज्यपाल का अभिभाषण मानते हैं, उसमें 'पॉज' प्रणाली शुरू हो गई। पैरा तीन से 16 तक की खामोशी में राज्यपाल ने अगर कुछ नहीं पढ़ा, तो यह नागरिक सूचना का प्रतिबंधित अध्याय है या यूं कहें कि सरकारों की कैटेगिरी में एक नया उत्पाद सामने आया है। डबल इंजन, सिंगल इंजन और अब महामहिम की नाराजगी से 'पौनी सरकार' मानते हुए राज्यपाल ने सरकार के पच्चीस प्रतिशत अंक काट लिए। विडंबना यह है कि जिस तरह केंद्र सरकार के माक्र्स काटते हुए अमरीकी राष्ट्रपति टैरिफ कार्ड की दरें बढ़ा रहा था, उसी तरह गैर भाजपाई सरकारों की विश्वसनीयता पर राज्यपाल का पद आमादा हो रहा है। लोकतंत्र की परिभाषा में यह एक गैर जरूरी कदम माना जाना चाहिए। हमने तो पंजाब में रहे गैर पंजाबी भाषी राज्यपालों को पंजाबी में अभिभाषण पढ़ते सुना है, यह इसलिए ताकि नागरिकों को आभास रहे कि सरकार की गूंज का भाष्य स्पष्ट और मौलिक है। हिमाचल की एक चुनी हुई सरकार जो कहती है, उसकी जवाबदेही की प्रमाणिकता के लिए राज्यपाल सदन के संबोधन को विश्वस्त बना देते हैं, लेकिन अब ये परंपराएं बदली जा रही हैं। सरकार ने पच्चास पन्नों में उपलब्धियों का जो जखीरा खड़ा किया था, उसे मात्र दो मिनट में पढक़र राज्यपाल ने बजटीय पेशकश से पूर्व अभिभाषण की परंपरा की रसीद बदल दी। अब सवाल यह नहीं कि राज्यपाल ने ऐसा क्यों किया, मगर यह है कि संवैधानिक पदों की मानसिकता में कोई बतौर इनसान काम करता है। सरकार के दरवाजे से राज्य के राज्यपाल का पद नहीं गुजर पा रहा है, तो यह एक नई शुरुआत है या रास्ते बदलने की चेतावनी। जाहिर है कुछ तो नाराजगी रही होगी या हकीकत के पांव पर चलने की बेडियां रही होंगी, जो दुआ सलाम भी अब कड़वाहट के मोर्चे पर एक पैरवी है। राज्य की तकदीर में आर्थिक कीलों के समाधान तो सरकार को ही करना है, लेकिन अपने जज्बातों की अभिव्यक्ति में उसे संवैधानिक पद पर राज्यपाल की जुबान चाहिए। यह प्रश्न सहमति-असहमति का न होते हुए भी राज्यपाल के ऐतराज का बन गया, जहां सरकार की भाषा से उनकी जुबान का मेल न हो सका। अब पैरा तीन से 16 तक अहमियत बढ़ जाती है। जाहिर है राज्य के आर्थिक उल्लेख में जो सच्चाई सरकार लिख सकी, उसकी अहमियत 'लोक भवन' की 'पॉज' यात्रा बन गई। इससे पहले भी सरकार और 'लोक भवन' के बीच मसौदे बंटे हैं। कुछ विधेयक पारित होकर भी 'लोक भवन' की स्वघोषित मर्यादा पर नामंजूर हो चुके हैं। इसी बीच मेयर का कार्यकाल बढ़ाने तथा रेरा चयन समिति से हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का दखल हटाकर मुख्य या अतिरिक्त मुख्य सचिव को नियुक्त करने का प्रस्ताव पुनर्विचार की सीमा से हटा कर फिर से पारित हो गए। यानी यह रिश्ता क्या कहलाता की तर्ज पर यह स्थापित कर गया कि दो संवैधानिक पदों के दायरे आपस में टकरा रहे हैं। यह कोई अच्छा शगुन नहीं और भविष्य में पारंपरिक संवेदना से हटकर नई मान्यताएं बना रहा है। सरकार के आशय पर लोक भवन को शंका है, तो राज्यपाल की आपत्तियों के बजाय, चुनी हुई सरकार को अपने बहुमत की बाहों पर एतबार है। कुल मिलाकर हम यही निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि हिमाचल में लोक भवन की दूरबीन से सरकार की मत भिन्नता के दायरे इतने बड़े हो चुके हैं कि जहां लफ्जों की आजादी अब राज्यपाल की खामोशी में छटपटा रही है। आखिर इन तेरह पैरों में जंजीर डाल कर राज्यपाल जो सिद्ध करना चाहते हैं, उसका मूल तत्व कितना लोकतांत्रिक है या एक गैर भाजपा सरकार से यह सलूक अब 'न्यू नार्मल' दिखाई देगा।

हम सरकार का अहम दस्तावेज या राज्य के आर्थिक चिन्हों की गवाही में, राज्यपाल का अभिभाषण मानते हैं, उसमें 'पॉज' प्रणाली शुरू हो गई। पैरा तीन से 16 तक की खामोशी में राज्यपाल ने अगर कुछ नहीं पढ़ा, तो यह नागरिक सूचना का प्रतिबंधित अध्याय है या यूं कहें कि सरकारों की कैटेगिरी में एक नया उत्पाद सामने आया है। डबल इंजन, सिंगल इंजन और अब महामहिम की नाराजगी से 'पौनी सरकार' मानते हुए राज्यपाल ने सरकार के पच्चीस प्रतिशत अंक काट लिए। विडंबना यह है कि जिस तरह केंद्र सरकार के माक्र्स काटते हुए अमरीकी राष्ट्रपति टैरिफ कार्ड की दरें बढ़ा रहा था, उसी तरह गैर भाजपाई सरकारों की विश्वसनीयता पर राज्यपाल का पद आमादा हो रहा है। लोकतंत्र की परिभाषा में यह एक गैर जरूरी कदम माना जाना चाहिए। हमने तो पंजाब में रहे गैर पंजाबी भाषी राज्यपालों को पंजाबी में अभिभाषण पढ़ते सुना है, यह इसलिए ताकि नागरिकों को आभास रहे कि सरकार की गूंज का भाष्य स्पष्ट और मौलिक है। हिमाचल की एक चुनी हुई सरकार जो कहती है, उसकी जवाबदेही की प्रमाणिकता के लिए राज्यपाल सदन के संबोधन को विश्वस्त बना देते हैं, लेकिन अब ये परंपराएं बदली जा रही हैं। सरकार ने पच्चास पन्नों में उपलब्धियों का जो जखीरा खड़ा किया था, उसे मात्र दो मिनट में पढक़र राज्यपाल ने बजटीय पेशकश से पूर्व अभिभाषण की परंपरा की रसीद बदल दी।

दृष्टि कोण

भारत के लिए बड़ा सबक है गलगोटिया यूनिवर्सिटी विवाद

20 से अधिक देशों के राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री और 500 के लगभग वैश्विक एआई अग्रणी भारत की राजधानी दिल्ली में अपनी तरह के पहले वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन में शामिल हो रहे हैं। वैश्विक स्तर पर अपनी नई भूमिका की तलाश कर रहा भारत, दुनिया के सबसे बड़े आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इवेंट 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' की मेजबानी कर रहा है। यह पहली बार है जब एआई पर इस स्तर का वैश्विक सम्मेलन ग्लोबल साउथ में आयोजित किया जा रहा है। सरकार ने इसे लेकर दावा भी किया है कि इस शिखर सम्मेलन में राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख, मंत्रीगण, वैश्विक प्रौद्योगिकी अग्रणी, प्रख्यात शोधकर्ता, बहुपक्षीय संस्थान और उद्योग जगत के हितधारक एक साथ आएंगे और समावेशी विकास को बढ़ावा देने, सार्वजनिक प्रणालियों को मजबूत करने और सतत विकास को सक्षम बनाने में एआई की भूमिका पर विचार-विमर्श करेंगे। राजधानी दिल्ली स्थित भारत मंडपम में अभूतपूर्व वैश्विक भागीदारी के साथ चल रहा इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 अपने आप में यह बताता नजर आ रहा है कि भारत आज की तारीख में वैश्विक एआई संवाद का नेतृत्व कर रहा है और आने वाले दिनों में कोई भी देश भारत की भूमिका को नजरअंदाज नहीं कर सकता। क्योंकि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 वैश्विक एआई एजेंडा को आकार देने के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में भारत की भूमिका को मजबूत करता है। दुनियाभर के दिग्गजों के साथ-साथ इस समिट में भारत के भी कई विश्विद्यालय, कॉलेज और स्टार्टअप्स शामिल हो रहे हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने तो एआई को 5वीं औद्योगिक क्रांति की संज्ञा देते हुए यहां तक दावा किया कि, 3 लाख से ज़्यादा छात्रों और रिसर्चर्स ने रजिस्ट्रेशन किया है। देशभर के कई विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और स्टार्टअप ने समिट में एआई मॉडल्स की प्रदर्शनी भी लगाई गई है। जाहिर सी बात है कि इस समिट के जरिए जहां चर्चा भारत के युवाओं की बौद्धिक क्षमता और टैलेंट की होनी चाहिए थी, वहीं गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने पूरी दुनिया के सामने भारत को शर्मसार कर दिया है। गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने चीन में बने रोबोट को अपना इनोवेशन बताकर दिल्ली एआई समिट में पेश कर दिया। मीडिया से बात करते हुए एक प्रोफेसर ने बड़े ही गर्व के साथ चार पैरों वाले इस रोबोडॉग की खासियत भी कैमरे पर बताई। सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो में गलगोटिया यूनिवर्सिटी की इस प्रतिनिधि के हाव-भाव देखने लायक है। इसका नाम 'ओरियन' बताते हुए उन्होंने दावा किया कि इसे यूनिवर्सिटी के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' ने तैयार किया है। सरकारी चैनल सहित देश के कई मीडिया संस्थानों ने इसे एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर जोर-शोर से चलाया और छापा भी। लेकिन चीन की तरफ से बयान आते ही पूरा मामला पलट गया। इसके बाद यह पता लगा कि वास्तव में यह गलगोटिया यूनिवर्सिटी द्वारा नहीं बल्कि चीन की एक कंपनी द्वारा बनाया गया एआई-पावर्ड रोबोटिक डॉग है, जो अपनी फुर्ती और एडवांस सेंसर्स के लिए दुनियाभर में मशहूर है। विवाद बढ़ने और सोशल मीडिया पर लगातार ट्रोल होने के बाद गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने भी अपने झूठ को स्वीकार कर लिया। यूनिवर्सिटी ने एक लंबा चौड़ा बयान जारी कर यह स्वीकार किया कि यह रोबोडॉग उन्होंने नहीं बनाया है। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने एक बार फिर से झूठ का सहारा लेते हुए यह भी कह दिया कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने इसे बनाने का दावा नहीं किया। जबकि उनके प्रोफेसर का वायरल वीडियो ही उनके झूठ का पर्दाफाश कर रहा है। ऐसे में एक बार फिर से सरकार के विजन, नीति और फंड की व्यवस्था पर गहरे सवाल खड़े हो गए हैं।

प्रदेश सरकार ने उचाना क्षेत्र का हक सूद समेत लौटाने का काम किया : सैनी

जींद, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार की नीयत, नीति और अंत्योदय के संकल्प पर ही प्रदेश में तीसरी बार डबल इंजन की सरकार बनी है। उचाना के विकास के पहिए को अब और भी तीव्र गति दी जाएगी और यहां की खुशहाली में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रहने दी जाएगी। मुख्यमंत्री जींद के उचाना में बुधवार को धन्यवाद रैली को संबोधित कर रहे थे। रैली में पहुंचने पर आयोजक एवं उचाना विधानसभा से विधायक देवेन्द्र चतुर्भुज अत्री ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का स्वागत किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने 103 करोड़ 31 लाख रुपये लागत की 5 विकास परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास भी किए हैं। इनमें 28 करोड़ 54 लाख रुपये लागत के 3 उद्घाटन और 74 करोड़ 77 लाख रुपये की लागत के 2 शिलान्यास शामिल हैं। इस दौरान प्रदेश के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोकनिर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा, समाज कल्याण व अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी, हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ कृष्ण मिड्ढा, विधायक पवन खरखौदा भी मौजूद थे।

रैली में उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि उचाना की भूमि परिश्रम, परंपरा और प्रगति का संगम है। यह हरियाणा की वह धड़कन है, जहां जब किसान का पसीना मिट्टी में मिलता है, तो देश के अन्न भंडार भर जाते हैं। जब यहां का युवा संकल्प लेता है, तो पूरी दुनिया में भारत की प्रतिभा का परचम लहराता है।

उन्होंने कहा कि अन्न भण्डार भरने वाले किसानों की भूमि उचाना को लम्बे समय से नजर अंदाज किया गया। झूठे वायदे करके आपके वोटों की फसल तो दो-दो-तीन-तीन पीढ़ियों तक काटी गई, लेकिन विकास के नाम पर कुछ नहीं किया गया। पिछले लंबे समय से आपको झूठे सपने दिखाकर अपनी पीढ़ियों को आगे बढ़ाने के अलावा कुछ नहीं किया। परिवारवाद की दलदल में फंसे ये लोग आपके बच्चों के भविष्य को लेकर संजीदा नहीं रहे। उन्होंने सिर्फ अपने बच्चों का भविष्य ही सुरक्षित किया है। लेकिन प्रदेश सरकार ने विकास के मामले में इस क्षेत्र का हक सूद समेत लौटाने का काम किया है और आगे भी यह जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने राजनीति को केवल सत्ता का साधन नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम माना है। उचाना हलके के विकास को गति देने के लिए 11 वर्षो के कार्यकाल में 98 सीएम अनाउंसमेंट हुई। इनमें से 78 का काम पूरा हो चुका और 15 का काम प्रगति पर है। उचाना विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हलके में विकास कार्यों पर पिछले 11 वर्षों में 1 हजार 409 करोड़ रुपये इस सरकार में खर्च किए गए हैं। जबकि, कांग्रेस के 10 साल के शासनकाल में मात्र 386 करोड़ रुपये खर्च किये गये थे। उन्होंने कहा कि बीजेपी के शासन में उचाना तहसील को उपमंडल और अलेवा उप-तहसील को तहसील का दर्जा दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में भी जनकल्याण के काम गति से कर रही है। बीजेपी का लक्ष्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि जनता का विश्वास जीतना है। विपक्ष केवल आरोप लगाता है, लेकिन सरकार के पास काम का रिपोर्ट कार्ड है। प्रदेश सरकार ने जो कहा, वह करके दिखाया है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में इस क्षेत्र को केवल सब्जबाग दिखाते हुए वोट लेने का काम किया। विपक्ष आज मुद्दा विहिन हो चुका है। लेकिन हम जो कहते हैं, उसे करते भी हैं। इसका प्रमाण यह है कि हमने पिछले विधानसभा चुनावों के अपने संकल्प-पत्र के 217 संकल्पों में से 60 को एक साल में ही पूरा कर दिखाया है। प्रदेश सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल में भी प्रदेश के सर्वांगीण विकास और हर वर्ग के हितों की सुरक्षा के लिए अनेक ठोस कदम उठाए हैं। इसी के तहत गरीब महिलाओं को अपनी रसोई चलाने के लिए हर महीने केवल 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसान हित हमारी नीतियों के केन्द्र में है। कांग्रेस के राज में स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को डब्बे में डाल दिया गया था, लेकिन बीजेपी सरकार ने हमेशा किसानों के लिए ही काम किया है। आज प्रदेश में किसानों की सभी फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा रही है।

बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी ममता की विदाई तय: गौरव गौतम

चंडीगढ़ , 18 फरवरी (एजेंसियां)।

हरियाणा सरकार में मंत्री गौरव गौतम ने दावा किया है कि आगामी चुनाव के बाद पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी की इस बार विदाई तय है। चंडीगढ़ में आईएएनएस से बातचीत में मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि ममता बनर्जी बौखला गई हैं। इस बार उन्हें सत्ता खिसकती हुई दिख रही है। उन्होंने कहा कि हिंसा से देश नहीं चल सकता और ममता बनर्जी हिंसा से प्रदेश चलाना चाहती हैं। मुझे लगता है जनता इसका करारा जवाब देगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनेगी। हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम ने 2 मार्च को पेश होने जा रहे हरियाणा के बजट को लेकर कहा कि इस बार भारत का बजट भी ऐतिहासिक रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इसे पेश किया। इस बार खेलों के क्षेत्र में 33 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि हुई है। चाहे युवाओं के स्टार्टअप हों, एआई हो या एमएसएमई, हर प्रकार से इस बार बजट को भारत सरकार ने बढ़ाया है। मुझे लगता है कि इस बार हरियाणा का बजट भी युवाओं और खेलों के लिए ऐतिहासिक और अच्छा होगा। हमने मांग की है कि हमारे स्टेडियम अच्छे हों, हमारी कैश अवार्ड राशि समय से पहुंचे और समय पर हमारे युवाओं को उपकरण मिलें। इसके लिए अच्छा बजट पेश होगा और युवाओं व खेलों पर केंद्रित बजट होगा। विपक्ष पर तंज कसते हुए गौरव गौतम ने कहा कि मुझे लगता है कि मीडिया में बने रहने के लिए विपक्ष अपनी भूमिका निभाएगा। विपक्ष हरियाणा के हितों के मुद्दों की बात ज्यादा करता नहीं है। सिर्फ हंगामा करके मीडिया में अपनी प्रजेंस दिखाता है।

यूथ कांग्रेस ने पंचकूला में हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन के खिलाफ किया जोरदार प्रदर्शन

पंचकूला, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

हरियाणा यूथ कांग्रेस ने मंगलवार 17 फरवरी को पंचकूला में सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन (क्झडउ) के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में राष्ट्रीय यूथ कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु चिब, अम्बाला सांसद वरुण मुलाना, हरियाणा युवा कांग्रेस अध्यक्ष निशित कटारिया और अन्य नेता भी शामिल हुए, जहां कार्यकर्ताओं ने क्झडउ कार्यालय का घेराव करने की कोशिश की। यूथ कांग्रेस ने हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) पर भर्ती में अनियमितताएं, पेपर लीक, रिश्वतखोरी और राज्य के बाहर के उम्मीदवारों को नौकरियां देने के आरोप लगाए। बीजेपी सरकार पर पिछले 12 वर्षों से हरियाणा के युवाओं को ठगने के इल्ज़ाम लगाए।

प्रदेश अध्यक्ष निशित कटारिया की अगुवाई में विभिन्न जिलों से भारी संख्या में प्रदर्शन में शिरकत करने पहुंचे युवा कांग्रेसियों को पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर रोकने की कोशिश की, फिर वाटर कैनन का इस्तेमाल कर कार्यकर्ताओं को खदेड़ा। करीब 45 मिनट तक यह संघर्ष चलता रहा। बाद में दीपेंद्र हुड्डा सहित कई नेताओं को हिरासत में लिया गया, लेकिन बाद में रिहा कर दिया गया।

यूथ कांग्रेस ने हरियाणा जीके के प्रश्नों का वेटेज 20% करने और आरक्षण नीतियों में सुधार करने, बाहरी उम्मीदवारों का चयन रोकने, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने मांग की। प्रदर्शन के बाद रिहा होने पर सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि प्रदेश के प्रोजेक्ट दूसरे राज्यों को भेजे जा रहे हैं और एचपीएससी चेयरमैन को हटाकर हरियाणा निवासी को नियुक्त किया जाए। प्रदर्शन के बाद पुलिस कार्रवाई पर लोकतंत्र पर सवाल उठाते हुए केस दर्ज करने की निंदा की।

बिगड़ती कानून व्यवस्था से प्रदेश की शांति और सुरक्षा पर संकट : राव नरेंद्र सिंह

चंडीगढ़, 18 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने महेंद्रगढ़ जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है और अपराधी तत्वों के हौसले बुलंद हैं। दिनदहाड़े हत्या, डकैती और लूट जैसी घटनाएं खुलेआम हो रही हैं, जिससे आम नागरिक भय और असुरक्षा के माहौल में जीवन यापन करने को मजबूर है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में विफल रही है। इसके विपरीत, विपक्ष की आवाज दबाने के उद्देश्य से

विपक्षी विधायकों को अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कांग्रेस विधायक दविंदर हंस पर दर्ज की गई एफआईआर का उल्लेख करते हुए कहा कि यह कार्रवाई राजनीतिक द्वेष से प्रेरित प्रतीत होती है। सरकार का ध्यान प्रदेश में कानून व्यवस्था बहाल करने के बजाय विपक्ष को निशाना बनाने पर केंद्रित है। प्रदेश अध्यक्ष ने स्पष्ट कहा कि कांग्रेस अपने विधायकों के साथ किसी भी प्रकार की नाइंसाफी को सहन नहीं करेगी और इस प्रकार की कार्रवाई की कड़ी निंदा करती है। उन्होंने चेतावनी दी कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए कांग्रेस हर स्तर पर संघर्ष करेगी।

मनरेगा में किए जा रहे बदलावों पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार पात्र लाभार्थियों के अधिकारों में कटौती कर उनके जीवनयापन पर आघात पहुंचा रही है। कांग्रेस पार्टी इन जनविरोधी निर्णयों के खिलाफ विधानसभा का घेराव करेगी, ताकि सरकार को जनता की आवाज सुनने के लिए बाध्य किया जा सके।

अवैध गैस रिफिलिंग पर कार्रवाई, तीन एलपीजी सिलेंडर सहित सामग्री जब्त

भरतपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

जिले में अवैध गैस रिफिलिंग एवं घरेलू गैस के अवैध भण्डारण के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बुधवार को जांच दल द्वारा कार्रवाई की गई। जिला रसद अधिकारी पवन अग्रवाल ने बताया कि जांच के दौरान डीग रोड स्थित एक ऑयल मिल पर घरेलू एलपीजी गैस को विद्युत मोटर की सहायता से अवैध रूप से कार में रिफिलिंग करते हुए पाया गया।

मौके से 3 घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर, एक गैस रिफिलिंग विद्युत मोटर एवं एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा बरामद किया गया। जब्त सामग्री को आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कब्जे में लेकर संबंधित गैस एजेंसी की अभिरक्षा में सुपुर्द किया गया। प्रारंभिक जांच में पाया गया कि घरेलू गैस सिलेंडरों का उपयोग अवैध रिफिलिंग कार्य में किया जा रहा था तथा इस कार्य के लिए कोई वैध अनुज्ञापन अथवा दस्तावेज उपलब्ध नहीं थे। जिस वाहन में रिफिलिंग की जा रही थी, उसे भी मौके से जब्त कर पुलिस थाने में अभिरक्षा हेतु भेजा गया। मामले में ऑयल मिल के मालिक के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा घरेलू एलपीजी सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग, अवैध रिफिलिंग, अवैध भंडारण एवं कालाबाजारी जैसी गतिविधियों पर अंकुश लगाने तथा मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना एवं एलपीजी आपूर्ति प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 16 फरवरी 2026 से 27 फरवरी 2026 तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

सांगानेर की अवैध कॉलोनियों से अतिक्रमण हटाकर तीन सप्ताह में रिपोर्ट पेश करें: हाईकोर्ट

जयपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

सांगनेर की 87 अवैध कॉलोनियो को हटाने के मामले में हाई कोर्ट के आदेश दिनांक 20.08.2025 की पालना नहीं करने पर हाई कोर्ट ने राजस्थान आवासन मंडल को आखिरी बार तीन सप्ताह का समय दिया है वरना आवासन मंडल के आयुक्त को व्यक्तिश उपस्थित होने के आदेश दिए है। याचिकाकर्ता पब्लिक अगेंस्ट करप्शन के अधिवक्ता पूनम चंद भंडारी, अभिनव भंडारी और डॉ टी एन शर्मा ने बताया कि नयायालय ने दिनांक 20.825 को आवासन मंडल की अवाप्त की गई भूमि पर अतिक्रमण हटाने, जमीन को अपने कब्जे में लेने और अतिक्रमण के जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्यवाही के आदेश दिए थे। मगर आदेश के छ माह गुजर जाने के बाद भी आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नहीं की गई और मौके पर निर्माण जारी है अधिकारीगण कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं अवमानना के नोटिस दिये गये है उसके बावजूद निर्माण को नहीं हटाया जा रहा है छोटे लोगों की आड़ में बड़े लोग फायदा उठा रहे हैं और हाउसिंग बोर्ड उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है इसलिए हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही करने के लिए प्रार्थना पत्र पेश किया है था न्यायालय ने हाउसिंग बोर्ड को अवमानना प्रार्थना पत्र का जवाब देने के लिए समय दिया है।

पब्लिक अगेंस्ट करप्शन के अधिवक्ता पूनम चंद भंडारी, अभिनव भंडारी और डॉ टी एन शर्मा ने बताया कि राजस्थान सरकार ने 12 मार्च 2025 को एक आदेश जारी कर सांगनेर की उन सभी कॉलोनियो को नियमित करने का आदेश जारी किया जिसमें हाउसिंग बोर्ड ने जमीन अवाप्त कर ली थी और उसके बाद अतिक्रमियों ने उन जमीनों पर अवैध कब्जे कर लिये थे ।अधिवक्ता भंडारी ने बताया कि ये 87 कालोनियां है जो बी-2 बाईपास से सांगानेर के अंदर आती है और इन सभी जमीनों को हाउसिंग बोर्ड ने काश्तकारो से ख़रीदा था और उसके बाद काश्तकारो को उनका भुगतान भी कर दिया था मगर हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों ने भूमाफियाओं के साथ मिलीभगत कर उन सभी जमीनों पर कब्जे करवा दिये और अब मिलीभगत करके ही उनका नियमन करवा रहे है। जो सर्वोच्च न्यायालय के अभी हाल ही के आदेशों के खिलाफ है। नियमन के आदेश को पब्लिक अगेंस्ट करप्शन के द्वारा राजस्थान उच्च न्यायाल में चुनौती दी गई थी।

इस मामले की सुनवाई 20.08.2025 को हुई थी एवं उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एस पी शर्मा न्यायाधीश संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने इस नियमन के खिलाफ कड़ी टिप्पणी की थी कि सरकारी जमीनों के कब्जों को कैसे नियमित किया जा सकता है और आदेश दिया था कि आठ सप्ताह में समस्त कब्जे हटाकर रिपोर्ट प्रस्तुत करें और यह भी कहा कि अवैध कब्जों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा जवाब प्रस्तुत होने के पश्चात उन अधिकारियों के खिलाफ भी कार्यवाही की जाएगी जिनकी उपस्थिति में ये अवैध निर्माण हुए हैं।भ्रष्टाचार निरोधक विभाग को उन सभी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए आदेश दिए जाएंगे। खंडपीठ ने 12.03.2025 के आदेश पर रोक लगाते हुए आठ सप्ताह में सभी अतिक्रमणों को हटाकर पालना रिपोर्ट कोर्ट में पेश करने और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्यवाही के आदेश दिए थे। राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय के दिनांक 20.08.25 के आदेश को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी थी मगर सर्वोच्च न्यायालय से राज्य सरकार को कोई राहत नहीं मिली ।इसलिए राज्य सरकार ने अपनी याचिका को वापस लेने के लिए सर्वोच्च न्यायालय से गुहार लगाई और राज्य सरकार के द्वारा याचिका वापस लेने के आधार पर याचिका को खारिज कर दिया गया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी। आप अपने पहनावे और बरताव में नयापन रखें। सेमिनार में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। दाम्पत्य जीवन मे नयापन होगा चहरे पर मुस्कुराहट होगी । बच्चों के साथ गौशाला मे जाकर सेवा करें और दान करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

शारीरिक तौर पर तंदुरुस्त रहने के लिए शाकाहारी भोजन की आदत अपनाए । अगर आप सूझ-बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं। आज न सिर्फ़ अजनबियों से, बल्कि दोस्तों से सावधान रहने की ज़रूरत भी है। प्यार के नज़रिए से यह दिन बेहद ख़ास रहेगा। किसी साझीदारी वाले व्यवसाय में जाने से बचें – क्योंकि मुमकिन है कि भागीदार आपका फ़ायदा उठाने की कोशिश करें। ज़रूरतमंदों की मदद करने की आपकी ख़ासियत आपको सम्मान दिलाएगी। आज आप महसूस करेंगे कि जीवनसाथी के साथ की एहमियत कितनी हैं ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुक़सान तक़रीबन पक्का है। आज के दिन बिना कुछ ख़ास किए आप आसानी से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में क़ामयाब रहेंगे। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। योग्य कर्मियों को पदोन्नति या आर्थिक मुनाफ़ा हो सकता है। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे– साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। यह एहसास आज अपने जीवनसाथी से मिल सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा-सी चिंता और मानसिक तनव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं । अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। काम में आपकी दक्षता की आज परीक्षा होगी। आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। आध्यात्म की ओर आज आपका झुकाव देखा जा सकता है और आप किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। परिवार के सदस्यों की बातों को नजरअंदाज करना आप को नुकसानदेह साबित हो सकती हैं पहली प्राथमिकता परिवार को देनी चाहिए।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज धन का आगमन आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। आज के दिन बिना कुछ ख़ास किए आप आसानी से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में क़ामयाब रहेंगे। उदास न हों, कभी-कभी विफल होना कोई ख़राब बात नहीं है। वक्त के साथ चलना आपके लिए अच्छा है लेकिन साथ ही आपको यह समझना भी जरुरी है कि जब कभी आपके पास खाली समय हो अपने करीबियों के साथ वक्त बिताएं। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। जो अपने प्रिय के साथ छुट्टियाँ बिता रहे हैं, ये उनकी ज़िन्दगी के सबसे यादगार लम्हों में से होंगे। संतोषजनक परिणाम पाने के लिए काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करें, दफ़्तर की परेशानियों को हल करने में आपको मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है। जिससे शाम का वक्त बहुत ही खुशनुमा बितेगा आप एकदम रिलैक्स फील करेंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार/दोस्त घर आ सकते हैं। शाम ढल-ते-ढलते कोई आकस्मिक प्यारभरा झुकाव आपके दिलोदिमाग़ पर छा सकता है। कार्यक्षेत्र के नज़रिए से आज का दिन आपका है। इसका भरपूर फ़ायदा उठाएँ। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें– अगर आप आज वाक़ई फ़ायदा चाहते हैं तो। आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा। बच्चों की पढाई पर आप को बहुत महनत करनी पडेगी , अन्यथा बच्चों को भविष्य मे अधिक परिश्रम करना पडेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। आपकी क़ामयाबी में महिलाएँ अहम किरदार अदा करेंगी, चाहे आप किसी भी क्षेत्र में क्यों न हों। अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें। अपने जीवनसाथी से बात करें और कुछ मस्तीभरी योजना बनाएँ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे– और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। भागीदार आपकी योजनाओं और व्यावसायिक ख़यालों के प्रति उत्साही होंगे। दिन उम्दा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और खुबियों पर गौर फर्माएं। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे। आज आपका वैवाहिक जीवन हँसी-ख़ुशी, प्यार और उल्लास का केन्द्र बन सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको कमीशन, लाभांश या रोयल्टी के ज़रिए फ़ायदा होगा। आपके जीवनसाथी की सेहत आपको चिंता में डाल सकती है। आज कार्यक्षेत्र में आपकी ऊर्जा घर के किसी मसले को लेकर कम रहेगी। इस राशि के कारोबारियों को आज के दिन अपने साझेदारों पर नजर बनाए रखने की जरुरत है, वो आपको नुक्सान पहुंचा सकते हैं। अपने शरीर को दुरुस्त करने के लिए आज भी आप कई बार सोचेंगे लेकिन बाकी दिनों की तरह भी आज यह प्लान धरा का धरा रह जाएगा। आपका जीवनसाथी आपको प्यार का एहसास देना चाहता है, उसकी मदद करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

ख़र्चों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी आपके मन की शांति को भंग करेगी। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा। फूल देकर अपने प्यार का इज़हार करें। कार्यक्षेत्र में समझ-बूझ के उठाए गए आपके क़दम फलदायी होंगे। इससे आपको समय पर योजनाएँ पूरी करने में मदद मिलेगी। साथ ही नई परियोजनाएँ शुरू करने के लिए सही समय है। आज आप अपने जीवनसाथी को सरप्राइज दे सकते हैं, अपने सारे कामों को छोड़कर आज आप उनके साथ वक्त बिता सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 19 फरवरी 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वितीया सायं 04:01 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपदा रात्रि 08:52 तक
योग : सिद्ध रात्रि 08:41 तक
करण : कौलव सायं 04:01 तक
चन्द्रराशि : कुंभ दोपहर 03:00 तक
सूर्योदय : 06:40, सूर्यास्त 06:19 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:40 , सूर्यास्त 06:26 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:33 , सूर्यास्त 06:18 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:31, सूर्यास्त 06:11 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : रामकृष्ण परमहंस जयंती , फूलेरा दूज , पंचक चालू है , शतभिषा में रवि रात्रि 06:32 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए : कलेक्टर

आसिफाबाद 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला कलेक्टर के.हरिता ने कहा कि सरकारी विद्यालयों एवं कल्याण छात्रावासों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं समय पर मेनू के अनुसार पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए। बुधवार को उन्होंने जिले के केरामेरी मंडल के मेडी गांव में सरकारी जनजातीय कल्याण बालिका आश्रम स्कूल का औचक दौरा किया और छात्रों की उपस्थिति तालिका, कक्षाओं, रसोई, सामान भंडारण कक्ष और आसपास का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि सरकारी विद्यालयों एवं कल्याण बालगृहों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को समय पर मेनू के अनुसार स्वादिष्ट पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाय तथा शिक्षा इस प्रकार दी जाय कि छात्र-छात्राओं को समझ में आ सके। उन्होंने कहा कि 10वीं कक्षा के छात्रों को वार्षिक परीक्षाओं में शामिल किया जाना चाहिए और परिणाम में 100 प्रतिशत उत्तीर्ण होने का प्रयास किया जाना चाहिए। कस्तूरीबा गांधी ने लड़कियों के लिए गुरुकुल स्कूल का दौरा किया और कर्मचारियों की उपस्थिति तालिका, सामान के स्टॉक और शिक्षण शैली की जांच की। भोजन बनाते समय ताजी सब्जियों एवं गुणवत्तापूर्ण आवश्यक वस्तुओं का प्रयोग करना चाहिए, रसोई एवं विद्यालय के परिवेश को साफ-सुथरा रखना चाहिए एवं छात्राओं के स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने मंडल में ग्राम औषधालय का दौरा किया और डॉक्टरों से अस्पताल में आने वाले मरीजों की संख्या, अस्पताल में दी जाने वाली सुविधाओं और दवा स्टॉक के बारे में पूछा। अस्पताल में आने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया है. बाद में अधिकारियों को मंडल केंद्र में स्वच्छ भारत कार्यक्रम के तहत स्थापित किये जा रहे सामुदायिक शौचालयों के कार्यों का निरीक्षण करने और उन्हें शीघ्र पूरा करने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया गया. अधिकारियों को आंगनवाड़ी केंद्र का दौरा करने और बच्चों की संख्या और सुविधाओं का विवरण जानने और बच्चों को नियमित रूप से पौष्टिक भोजन प्रदान करने की सलाह दी गई। उन्होंने मंडल केंद्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का दौरा किया और वार्डों, दवा भंडारण और स्वच्छता प्रबंधन का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि डॉक्टर और कर्मचारी अपने कर्तव्यों के प्रति समय के पाबंद रहें और अस्पताल में आने वाले लोगों को बेहतर अस्पताल उपलब्ध कराएं। बाद में उन्होंने मंडल के सावर खेड़ा गांव में आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र का दौरा किया और अधिकारियों को सुझाव दिए।

प्रत्येक किसान से पहचान पत्र के लिए आवेदन प्राप्त किये जाये : हरिता

आसिफाबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिलाधिकारी के.हरिता ने कहा कि जिले के प्रत्येक किसान से किसान पहचान पत्र के लिए आ-वेदन प्राप्त किये जाये। बुधवार को जिला केंद्र के जनकपुर रयथुवेदिका में जिला कृषि अधिकारी वेंकट के साथ मंडल कृषि विभाग और मंडल कृषि विस्तार विभाग के अधिकारियों के साथ किसान पहचान पत्र के पंजीकरण और ऐप के माध्यम से यूरिया फ्लैट बुकिंग पर समीक्षा बैठक की गई।

इस मौके पर जिला कलक्टर ने कहा कि किसानों को जागरूक किया जाए ताकि हर किसान किसान पहचान पत्र के पंजीकरण के लिए आवेदन कर सके। डी। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं, अनुदानित मशीनों, निवेश सहायता, बीज, उर्वरक और अन्य लाभों के माध्यम से कृषि विभाग के अधिकारियों को उस दिशा में काम करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक किसान को सूचित किया जाना चाहिए ताकि किसान सरकार द्वारा लाई गई ऐप पद्धति के माध्यम से उर्वरकों के लिए स्लॉट बुक कर सकें।

उन्होंने कहा कि किसान पंजीकरण के लिए किसानों को जमीन का विवरण, आधार कार्ड की प्रतिलिपि, मोबाइल नंबर लेना चाहिए और किसानों को वैकल्पिक फसलों, ऑयल पाम और सब्जी की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।इस कार्यक्रम में सहायक निदेशक मनोहर, मिलिंद, कृषि और कृषि विस्तार विभागों के अधिकारी और अन्य ने भाग लिया।

अधिकारी की लापरवाही के कारण पेय जल पाईप लिकेज, सड़क पर पानी ही पानी

डोंगली, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

स्थानिक जनता ने बुधवार के दिन पत्रकार के साथ बात चित में बताया कि सहकार सोसायटी डोंगली के सामने पानी का पाईप एक सप्ताह से लिकिज होने पर आर डब्लू एस व ग्राम पंचायत अधिकारी के लापरवाही के कारण पिय जल का पानी गांव के टंकी में ज्याने के बजाय पाईप का पानी सड़क पर बह रहा है उन्होंने कही बार संबन्धित अधिकारी को लिकिज पाईप दुरुस्त करने के बारेमे बताने पर भी अधिकारी आपने हरकत से बाज नहीं आए।

उन्होंने उच्च स्तरीय अधिकारियों से विनती कर रहे है कि लिकिज पाणि की पाईप तुरंत दुरुस्त कर ने के आदेश दे ।

नि:शुल्क मेगा चिकित्सा शिविर का लाभ उठाना चाहिए : कलेक्टर

आसिफाबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

लोगों को जिले में जन कल्याण के तहत आयोजित नि:शुल्क मेगा चिकित्सा शिविर का लाभ उठाना चाहिए।जिला कलेक्टर के. हरिता ने कहा। बुधवार को जिले के केरामेरी मंडल केंद्र में स्टार फंक्शन हॉल में जिला ग्रामीण विकास संगठन के तत्वावधान में प्रतिमा फाउंडेशन के सहयोग से प्रतिमा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज करीमनगर द्वारा आयोजित मुफ्त मेगा चिकित्सा शिविर का उद्घाटन आसिफाबाद निर्वाचन क्षेत्र के विधायक कोवा लक्ष्मी ने किया।

इस अवसर पर बोलते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि सुदूर गांवों में गरीबों के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाना सराहनीय है. उन्होंने कहा कि सभी को स्वास्थ्य जांच करानी चाहिए और प्रतिमा मेडिकल साइंसेज करीमनगर में वैज्ञानिक उपचार करेगी और जरूरतमंद लोगों को आवश्यक दवाएं मुफ्त प्रदान करेगी। इस शिविर में लगभग 2 हजार लोगों का मेडिकल चेकअप किया गया और दवाइयां दी गईं।

कांग्रेस पार्टी लोगों के विकास को अपना लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ रही है : नरसिंह राव

जगतियाल, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जगतियाल जिले कोरुटला शहर कांग्रेस पार्टी के प्रेसिडेंट तिरुमाला गंगाधर की लीडरशिप में, तिरुमाला वसंता-गंगाधर, जो हाल ही में हुए नगरपालिका चुनाव में जीते थे और नगरपालिका अधियक्ष चुने गए थे, कांग्रेस वार्ड काउंसलर के साथ मिलकर जीत की रैली निकाली गई । कोरुटला चुनाव क्षेत्र के कांग्रेस पार्टी इंचार्ज जुव्वाडी नरसिंह राव और कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता जुव्वाडी कृष्ण राव इस रैली में चीफ गेस्ट के तौर पर मौजूद थे। सबसे पहले, उन्होंने कोरुटला टाउन वेटनरी कॉलेज के कैंपस में स्वर्गीय पूर्व मंत्री जुव्वाडी रत्नाकर राव की मूर्ति पर माला चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी । बाद में, कोरुटला अर्बन एग्रीकल्चरल मार्केट कमेटी ऑफिस से नंदी चौक और डायमंड होटल होते हुए नए बस स्टैंड तक और फिर नए बस स्टैंड पर अंबेडकर की मूर्ति पर माला चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर जुव्वाडी नरसिंह राव ने कहा कि जनता की सरकार बनने के बाद कांग्रेस पार्टी लोगों के विकास और भलाई को अपना लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ रही है। हाल ही में हुए सरपंच चुनाव और नगरपालिका चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने न सिर्फ सबसे ज़्यादा सीटें जीतीं, बल्कि कोरुटला चुनाव क्षेत्र की कोरुटला मेटपल्ली म्युनिसिपैलिटी में भी कांग्रेस पार्टी का झंडा लहराया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी में काम करने वाले हर वर्कर को पहचान मिलती है और इसी के तहत तिरुमाला वसंत गंगाधर को कोरुटला म्युनिसिपल चेयरपर्सन बनाया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा अपने वर्करों की आंखों के तारे की तरह रक्षा करती है। उन्होंने कहा कि आने वाले एम पि टी सी ,जेड पि टी सी चुनाव में भी कांग्रेस पार्टी का झंडा लहराने की कोशिश की जानी चाहिए। जुव्वाडी नरसिंह राव ने कोरुटला चुनाव क्षेत्र के अलग-अलग गांवों से आए हर नेता और वर्कर को धन्यवाद दिया, जिन्होंने हाल ही में हुए नगरपालिका चुनाव में पार्षदों की जीत के लिए काम किया। चूंकि चुनाव में जीत और हार तो होती ही रहती है, इसलिए सभी को पार्टी के लिए काम करना चाहिए और उन्होंने सुझाव दिया कि आने वाले दिनों में सभी को मौका दिया जाना चाहिए। इस कार्यक्रम में जुव्वाडी नरसिंग राव गारू, जुव्वाडी कृष्ण राव गारू के साथ शहर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष तिरुमाला गंगाधर नगरपालिका अध्यक्ष तिरुमाला वसंत गंगाधर उपाध्यक्ष शाहिद उल अहमद पार्षद सीलम जयलक्ष्मी वेणुगोपाल पुप्पला उमादेवी प्रभाकर दसारी सुनीता राजशेखर एडला जलाजा रमेश रेंजर्स कल्याणी तेद्दु श्रीजा विजय उमेरा कौसर वासिद सना सुल्ताना रिजवान मेडिपल्ली सिरिशा शेखर रेड्डी चित्याला लक्ष्मीनारायण थोटा गंगाधर वासिद मोर्ताद लक्ष्मीनारायण थोटा गंगाधर अब्दुल रहीम मंडल कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष, कोंथम राजम कांग्रेस पार्टी के विभिन्न रैंकों के नेता, कार्यकर्ता, विभिन्न गांवों के सरपंच, पूर्व सरपंच, एमपीटीसी और अन्य ने भाग लिया।

डोंगली में अखंड शिव नाम सप्ताह का आयोजन

डोंगली, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शिवलिंग की स्थापना की 24 वीं वर्षगांठ के अवसर पर डोंगली मंडल केंद्र में अखंड शिवनाम सप्ताह का बुधवार के दिन सदगुरु 108 मल्लिकार्जुन स्वामी खतगांव कर के शुभ हस्ते आयोजन किया गया।

स्थानिक भक्तों ने आगे बताया कि 18-02-2026 से लेकर 25-02-2026 तक आयोजन किया ज्या रहा है इसी के साथ हर रोज शिव पाठ, परम रहस्य परायण दुपहर प्रसाद सायकाल गाथा भजन हर रोज रात में 9 ते 12 शिव कीर्तन देर रात शिव जागरण किया ज्या रहा है इसी के साथ 25-02-2026 को महाप्रसाद आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने सभी भक्तों से अन-ुरोध है कि वे इस कार्यक्रम का लाभ उठाएं और अपने जीवन को शुभ बनाएं।

करुणागिरी मंदिर का चार दिवसीय सालाना त्यौहार 27 फरवरी से शुरू होगा

खम्मम, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मशहूर करुणागिरी श्राइन का चार दिन का सालाना त्योहार 27 फरवरी से शुरू होगा, खम्मम कैथोलिक डायोसीज़ के बिशप सागिली प्रकाश ने बताया। उन्होंने धर्मगुरुओं के साथ नायडूपेटा के बिशप हाउस में करुणागिरी श्राइन फेस्टिवल का पब्लिसिटी पोस्टर रिलीज़ किया।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों से बड़ी संख्या में भक्त इस मशहूर फेस्टिवल में शामिल होंगे। फेस्टिवल की धार्मिक गतिविधियां 21 फरवरी को झंडा फहराने की रस्म के साथ शुरू होंगी और 1 मार्च से हर दिन शाम 5:30 बजे तक अलग-अलग श्राइन के धर्मगुरु खास प्रार्थना करेंगे। यूटोपिया थेरेप्यूटिक्स ने स्टेम सेल नवाचार 'नेक्सा' पेश किया 27, 28 फरवरी और 1 मार्च को, मंगलगिरी तउ डिवाइन मर्सी रिट्रीट सेंटर के मुख्य स्पीकर रेवरेंड फादर जैसन हर सुबह और शाम हीलिंग प्रार्थना करेंगे। 2 मार्च को सुबह 10 बजे, हैदराबाद के आर्कबिशप कार्डिनल पुला एंथनी और बिशप डॉ. प्रकाश ग्रैंड फेस्ट मास और खास प्रार्थना करेंगे। पोस्टर लॉन्च के मौके पर करुणागिरी के डायरेक्टर जोहान्स, विकार जनरल फादर तप्पाती शौरी, प्रोक्यूरेटर फादर सुरेपल्ली इसाक, फादर थुदुम विजय कुमार, धार्मिक टीचर, सिस्टर और अलग-अलग मैनेजमेंट कमेटियों के अधिकारी मौजूद थे।

राणेबन्नूर में नागेश्वर पार्श्व मोहनखेड़ा धाम अंजनशलाका प्राण प्रतिष्ठा आयोजित

राणेबन्नूर, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राणेबन्नूर में आयोजित नागेश्वर पार्श्व मोहनखेड़ा धाम के भव्य अंजनशलाका प्राण प्रतिष्ठा समारोह में विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक गणमान्य व्यक्तियों ने सहभागिता कर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। इस पावन अवसर पर प्रधानमंत्री 15 सूत्रीय अल्पसंख्यक कल्याण कार्यक्रम समिति सदस्य एवं समाजसेवी महेंद्र सिंघी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ महावीर लिंब सेंटर के चैयरमेन गौतम गोलेच्छा, सिवांची भवन समिति हुब्बली के कार्यदर्शी जवाहरलाल छाजेड़ तथा भारत जैन महामण्डल, हुब्बली शाखा के अध्यक्ष सुभाष डंक ने भी समारोह में भाग लिया।

अंजनशलाका एवं प्राण प्रतिष्ठा के धार्मिक अनुष्ठान वैदिक एवं जैन विधि-विधान के साथ श्रद्धा एवं भक्ति भावपूर्वक संपन्न हो रहे हैं। श्रद्धालुओं की उल्लेखनीय उपस्थिति ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण कर दिया।

इस दौरान प्राण प्रतिष्ठा समिति द्वारा सभी अतिथियों का सम्मान कर आभार व्यक्त किया गया। उपस्थित अतिथियों ने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए।

इसे समाज की धार्मिक एकता, आस्था एवं सांस्कृतिक समन्वय का प्रतीक बताया। समारोह में क्षेत्रभर से आए श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त किया।

ताड़ी निकालने वाले की करंट लगने से मौत

संगारेड्डी, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बुधवार को कंडी मंडल के ब्याथोले में तेलंगाना स्टेट पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन (ट्रांसको) के अधिकारियों की लापरवाही की वजह से एक ताड़ी निकालने वाले की मौत हो गई। संगारेड्डी रूरल पुलिस के मुताबिक, बोयिनी सुरेंदर गौड़ (44) ताड़ी निकालने के लिए गांव के बाहर खजूर के पेड़ के पास जा रहे थे। वह ऊपर से गुजर रहे बिजली के तारों के संपर्क में आ गए, जो टूटकर जमीन पर पड़े थे। गौड़ की मौके पर ही मौत हो गई। -श्री ठशरव - ढशश्ररपसरपर: दोस्तों ने एक आदमी का 2 करोड़ का बीमा कराया, फिर पैसे के लिए उसकी हत्या की साज़िश रची इस बीच, गोलापल्ली जयराजू की अगुवाई में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्ट) के नेताओं ने सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर सुधीर कुमार से मुलाकात की और घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

उझख (च्) नेत-ाओं ने यह भी मांग की कि सरकार गौड़ के परिवार को मुआवजा दे। स्थानीय लोगों ने कहा कि उन्होंने स्थानीय अधिकारियों से तार टूटने की संभावना के बारे में शिकायत की थी। हालांकि, अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की, जिससे मौत हो गई।

भारतीय मूल के श्रेयस मोव्वा कनाडा टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज :जहां टर्फ विकेट तक नहीं, उस बर्फ की धरती पर साफ्टवेयर इंजीनियर श्रेयस ने जिंदा रखा सपना

गुलमर्ग, 18 फरवरी (एजेंसियां)। जहां आइस हाकी सबसे लोकप्रिय खेल है और साल के छह महीने बर्फ की चादर बिछी रहती है, वहां एक भारतीय मूल का खिलाड़ी अपने क्रिकेट के सपनों को सींच रहा है। यह कहानी है श्रेयस मोव्वा की, जो कनाडा की टीम के भरोसेमंद विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं और टी-20 वर्ल्ड कप में अपना जलवा बिखेर रहे हैं।

कनार्टक से अंडर-23 भी खेले कर्नाटक में जन्मे श्रेयस का सपना कर्नाटक राज्य की टीम के लिए खेलना था। उन्होंने 2015 में अंडर-23 क्रिकेट खेला, जहां उनके साथ अभिनव मनोहर और प्रवीण दुबे जैसे खिलाड़ी थे, जो बाद में आईपील के सितारे बने। हालांकि, कर्नाटक की मुख्य टीम में जगह न मिल पाने के कारण श्रेयस ने मां का सपना पूरा करने की ठानी। साल 2016 में वे पढ़ाई के लिए कनाडा चले गए और मान्ट्रियल की कानकार्डिया यूनिवर्सिटी में दाखिला लिया। 2021 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया कनाडा के क्यूबेक प्रांत में क्रिकेट खेलना किसी संघर्ष से कम नहीं है। श्रेयस बताते हैं, वहां गर्मी का मौसम मई से सितंबर-अक्टूबर तक ही रहता है। उसके बाद कड़ाके की ठंड और बर्फबारी के कारण हमें इंडोर नेट्स में अभ्यास करना पड़ता है, जहां मैच जैसी परिस्थितियां बनाना मुश्किल होता है। वहां अंतरराष्ट्रीय स्तर के टर्फ विकेट नहीं हैं। अब भी टर्फ विकेट की जरूरत है, क्योंकि अधिकतर मुकाबले मैटिंग विकेट पर खेले जाते हैं। इन बाधाओं के बावजूद, 2021 में श्रेयस 2009 के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले क्यूबेक के पहले खिलाड़ी बने थे। 32 साल के श्रेयस साफ्टवेयर इंजीनियर भी हैं।

दिन में क्रिकेट खेलते हैं और रात में करते हैं काम

वे बताते हैं, जब मैं टीम से बाहर था, तब मेरी नौकरी ने मुझे मानसिक रूप से टूटने से बचाया। मेरी कंपनी मुझे खेलने की अनुमति देती है और मैं अक्सर रात में काम करके इसकी भरपाई करता हूं। क्रिकेट मेरा जुनून है और साफ्टवेयर इंजीनियरिंग मेरा पेशा; मैं दोनों को जारी रखना चाहता हूं।

कनाडा के लिए 24 वनडे और 26 टी-20 खेल चुके श्रेयस वर्ल्ड कप में खुद को साबित कर रहे हैं। अब उनकी टीम का आखिरी मैच अफगानिस्तान के खिलाफ है। चेन्नई की स्पिन पिचों पर श्रेयस के पास क्लास दिखाने का अंतिम मौका है। उनके लिए यह वर्ल्ड कप केवल टूर्नामेंट नहीं, बल्कि उस जिद की जीत है जो कर्नाटक से शुरू होकर क्यूबेक की बर्फ को चीरते हुए वैश्विक मंच पर चमक रही है।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान टीम पर भड़के बासित, सूर्यकुमार के राइवलरी नहीं होने वाले बयान को सही बताया

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप में खराब प्रदर्शन के लिए टीम को खरी खोटी सुनाई है। बासित अली ने कहा है कि जिस प्रकार से भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा था कि उनके बीच राइवलरी जैसी कोई बात ही नही। वह एक तरह से सही है क्योंकि पाक टीम भारत के सामने कहीं नहीं टिकती है। सूर्या ने एशिया कप के दौरान कहा था कि राइवलरी की बात तब आती है तब बराबरी पर मुकाबला हो पर हम तो हमेशा ही एकतरफा जीत रहे हैं। इसलिए ऐसी कोई बात नहीं है। वहीं अब विश्व कप का मुकाबला भी भारतीय टीम ने आसानी से जीता है। इसमें भी पाक टीम कहीं भी टक्कर देती नहीं दिखी। बासित के अनुसार भारतीय कप्तान ने जो भी कहा है वह सही है। टी20 विश्व कप में भारतीय ने पाकिस्तान को एकतरफा अंदाज में 61 रनों से शिकस्त देकर सुपर-8 में अफनी जगह पक्की कर ली थी। बासित ने कहा कि जिस प्रकार भारत ने पार्ट-टाइम गेंदबाज तिलक वर्मा और रिंकू सिंह को गेंदबाजी दी उससे समझा जा सकता है कि वह पाक टीम की बल्लेबाजी को कितना लचर मानते हैं। बासित ने कहा, सूर्या ने जो सबसे जोर से थप्पण मारा है ना, जब उसने रिंकू और तिलक से गेंदबाजी कराई। आज पाकिस्तान के क्रिकेट की ये औकात हो गयी है। मैं हार्दिक पांड्या, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह या वरुण चक्रवर्ती की बात नहीं कर रहा।

अभिषेक जल्दबाजी में शाट ने खेलें : गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने खराब फार्म से जूझ रहे आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को सलाह दी है कि वह वह पहले विकेट पर समय बिताये और उसके बाद ही एक-एक रन बनाने के बाद अपना स्वाभाविक खेल खेलें। महान बल्लेबाज गावस्कर के अनुसार उन्हें पहले वाली लय हासिल करने के लिए मूल बातों पर लौटना होगा। गावस्कर ने कहा कि पारी की शुरुआत में जल्दबाज़ी में विकेट गंवाने से बचें। उन्होंने कहा कि आक्रामक शाट खेलने से पहले केवल एक-एक रन लें जिससे शरीर और दिमाग दोनों मैच के अनुसार ढ़ल सके। गावस्कर के मुताबिक, पहले एक एक रन लो, फिर अपने अनुसार खेलो क्योंकि जब तक आप रन बोर्ड पर नहीं लगाते, आत्मविश्वास पूरी तरह नहीं आता। उन्होंने यह भी कहा कि अच्छे फार्म को हल्के में नहीं लेना चाहिए, क्योंकि कई बल्लेबाज़ शानदार फार्म के बाद जरूरत से ज्यादा आक्रामक होने के कारण भी विफल होते हैं। गावस्कर के अनुसार बड़े मुकाबलों में मानसिक मजबूती भी बड़ी चुनौती बन जाती है। बड़े मंच पर अधिक दबाव में भी खिलाड़ी गलती कर देते हैं। गौरतलब है कि अभिषेक ने पिछले साल काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में उन्होंने शानदार शतक लगाया था। उसके बाद से ही उसने विश्वकप में बड़ी पारियों की उम्मीद की जा रही थी पर टूर्नामेंट की शुरुआत में वह लगातार दो मैचों में खाता भी नहीं खोल पाये है पर आउट हो गए। पहले मुकाबले में वह बिना खाता खोले ही पेवेलियन लौट गये। वहीं पाकिस्तान के खिलाफ भी रन नहीं बना पाये। अभिषेक के खराब प्रदर्शन का कारण उनकी तबियत भी रही है।

विक्रम राठौर कोच बनने के बाद श्रीलंकाई बल्लेबाजी में आया बदलाव, निडर होकर खेल रहे बल्लेबाज

कोलंबो। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने जिस प्रकार श्रीलंकाई टीम की बल्लेबाजी को बेहतर बनाया है। उसके लिए उनकी जमकर तारीफ हो रही है। राठौर जब से टीम के बल्लेबाजी कोच बने हैं हालात बदले हैं। श्रीलंकाई बल्लेबाज पथुम निशंका ने जिस प्रकार आस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक लगाया है उससे ये बात साबित हुई है। उनके मार्गदर्शन में बल्लेबाज निडर होकर बल्लेबाजी कर रहे हैं और खेल के प्रति उनका रवैया भी बदल रहा है। श्रीलंकाई क्रिकेट ने अपने बल्लेबाजी क्रम में स्थिरता और आक्रामकता लाने के लिए ही राठौर को अपने साथ जोड़ा है। राठौर को श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने टी20 विश्व कप के लिए टीम को तैयार करने का काम दिया था। जिस तरह से श्रीलंका ने अभी तक विश्व कप में खेला है वो दिखाता है कि राठौर के आने के बाद टीम काफी बेहतर हुई है। निशंका की बल्लेबाजी में बदलाव का के पीछे भी राठौर की रणनीतियों को बताया गया है। निशंका ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ केवल 52 गेंदों में ही 100 रन लगा दिया था। इस दौरान उन्होंने जमकर चौके और छक्के लगाये।

टी20 वर्ल्ड कप-2026

भारत का विजय रथ जारी, नीदरलैंड को 17 रन से हराया

अहमदाबाद, 18 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप 2026 में अपना आखिरी ग्रुप मैच भी जीत लिया है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत की टक्कर नीदरलैंड से थी। टीम इंडिया ने इस मैच को 17 रनों के अंतर से अपने नाम किया। टॉस जीतने के बाद पहले बैटिंग करते हुए भारतीय टीम ने 6 विकेट 193 रन बनाए। जवाब में नीदरलैंड ने अच्छी बैटिंग की लेकिन टीम 7 विकेट पर 176 रन ही बना सकी। भारत ने ग्रुप ए में अपने सभी मैच जीते और टॉप पर रही। वहीं नीदरलैंड को सिर्फ एक ही जीत मिली।

अभिषेक शर्मा का फिर खाता नहीं खुला

टीम इंडिया को मैच की तीसरी गेंद पर अभिषेक शर्मा के रूप में बड़ा झटका लगा। अभिषेक इस विश्व कप की लगातार तीसरी पारी में खाता नहीं खोल पा। ईशान किशन ने तिलक वर्मा के साथ दूसरे विकेट के लिए 23 गेंदों में 39 रन की साझेदारी की। ईशान इस पारी में 7 ही गेंदों का सामना कर सके और 18 रन बनाए। तिलक ने कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ तीसरे विकेट के लिए 30 रन जोड़े। तिलक ने 4 बाउंड्री के साथ 31 रन बनाए।

25 गेंदों पर शिवम दुबे ने फिफ्टी ठोकी

भारतीय टीम 69 के स्कोर तक अपने 3 विकेट खो चुकी थी, यहां से सूर्या ने शिवम दुबे के साथ चौथे विकेट के लिए 27 गेंदों में 41 रन जोड़कर टीम को 110 के स्कोर तक पहुंचाया। सूर्या 28 गेंदों में 34 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद शिवम दुबे ने हार्दिक पंड्या के साथ पांचवें विकेट के लिए 35 गेंदों में 76 रन जोड़कर भारत को विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

दुबे ने सिर्फ 25 गेंदों पर फिफ्टी ठोक दी। उन्होंने 31 गेंदों में 6 छक्कों और 4 चौकों की मदद से 66 रन बनाए। पंड्या ने 21 गेंदों पर 30 रन की पारी खेली। लोगन वैन बीक को 3 और आर्यन दत्त को दो विकेट मिले।

टी20 वर्ल्ड कप-2026

पाक ने नामीबिया पर दर्ज की बड़ी जीत

कोलंबो, 18 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान की टीम ने अपने आखिरी लीग स्टेज मैच में नामीबिया की टीम को 102 रन से हरा दिया। इसी के साथ पाकिस्तान की टीम सुपर 8 में पहुंचने वाली आखिरी टीम बन चुकी है। इस मैच में साहिबजादा फरहान के शतक के दम पर पाकिस्तान ने बोर्ड पर 199 रन लगाए थे। जवाब में नामीबिया की टीम 97 रन पर ऑलआउट हो गई। इसी के साथ पाकिस्तान ने अगले साल के वर्ल्ड कप का भी डायरेक्ट टिकट पा लिया है।नामीबिया की टीम इस मैच में 200 रन के टारगेट का पीछा करते हुए 97 रन पर ऑलआउट हो गई। पाकिस्तान के लिए उस्मान तारिक ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। वहीं 3 विकेट शादाब खान ने हासिल किए। इसके अलावा एक-एक विकेट सलमान मिर्जा और मोहम्मद नवाज ने लिया।इससे पहले साहिबजादा फरहान (नाबाद 100) के पहले शतक की बदौलत पाकिस् नामीबिया के खिलाफ तीन विकेट पर 199 रन बनाए। फरहान ने 58 गेंद की नाबद पारी के दौरान 11 चौके और चार छक्के जमाए। उन्हें 50 से 100 रन तक पहुंचने में महज 20 गेंद लगी। वह विश्व कप में शतक जड़ने वाले पाकिस्तान के दूसरे खिलाड़ी बन गए। इससे पहले 2014 में मीरपुर में अहमद शहजाद ने बांग्लादेश के खिलाफ शतक लगाया था।

भारत की हार का लिया बदला

फरहान ने कप्तान सलमान आगा (38 रन) के साथ मिलकर 67 रन जोड़े जबकि शादाब खान (नाबाद 36 रन) के साथ 81 रन की भागीदारी निभाई।

टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम साइम अयूब (14 रन) का विकेट गंवाकर पावरप्ले में महज 47 रन ही बना सकी। रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से मिली करारी शिकस्त से उबरते हुए पाकिस्तान ने ख्वाजा नफे को मध्यक्रम में शामिल कर अपनी बल्लेबाजी को मजबूती दी जबकि खराब फॉर्म में चल रहे शाहीन शाह अफरीदी को बाहर किया।

भारत से वापस ली जा सकती है चैंपियंस ट्रॉफी और विश्व कप की मेजबानी

मुम्बई। आईसीसी 2029 चैंपियंस ट्रॉफी और 2031 के विश्व कप क्रिकेट की मेजबान भारत के हाथ से निकल सकती है। ये दावा एक ऑस्ट्रेलियाई मीडिया रिपोर्ट में किया गया है। इसमें कहा गया है कि अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) इसलिए इन मैचों को स्थानांतरित करना चाहता है जिससे भारत और पाकिस्तान के एक-दूसरे के देशों में खेलने से मना करने के कारण होने वाली परेशानियों से बचा जा सके। साथ ही कहा कि अगर भारत से साल 2029 की चैंपियंस ट्रॉफी और 2031 का एकदिवसीय विश्वकप स्थानांतरित होता है तो इसकी मेजबानी ऑस्ट्रेलिया को मिल सकती है। इससे पहले साल 2015 में एकदिवसीय विश्व कप और 2022 में टी-20 विश्व कप हुआ था। गौरतब है कि भारत और पाक ने पहले आईसीसी के साथ एक करार किया था जिसमें वैश्विक टूर्नामेंटों के दौरान एक-दूसरे के देशों में न खेलने पर सहमति बनी थी। यह फैसला भारत द्वारा 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाक जाने से इंकार करने के बाद लिया गया था। ऐसे में संभावना है कि साल 2027 तक किए गए इस समझौते को भविष्य के टूर्नामेंटों तक भी बढ़ाया जा सकता है।

कतर ओपन 2026 : अल्कराज़ की दमदार वापसी मेदवेदेव बनाम सितसिपास मुकाबला तय

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

दोहा में खेले जा रहे कतर ओपन 2026 में विश्व नंबर एक कार्लोस अल्कराज़ ने आस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने के बाद शानदार वापसी करते हुए पहले दौर में फ्रांस के आर्थर रिंदरकनेश को 6-4, 7-6 (7/5) से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया।

मेलबर्न में खिताब जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने अल्कराज़ को 30वीं रैंकिंग वाले रिंदरकनेश के खिलाफ कड़ा मुकाबला झेलना पड़ा। दोनों सेट बेहद प्रतिस्पर्धी रहे, लेकिन स्पेनिश स्टार ने निर्णायक मौकों पर संयम बनाए रखा।

मैच के बाद अल्कराज़ ने कहा,

यह मुकाबला बेहद कठिन था। आर्थर बहुत खतरनाक खिलाड़ी हैं। पहले दौर में कोई भी उनके खिलाफ नहीं खेलना चाहता। मैं खुश हूं कि मैंने कठिन पलों में धैर्य बनाए रखा और सकारात्मक रहकर शानदार टेनिस खेला।

दूसरे दौर में वैलेंटिन रायेर से भिड़ंत

अब अल्कराज़ का सामना दूसरे दौर में फ्रांस के 60वीं रैंकिंग वाले वैलेंटिन रायेर से होगा। पहले सेट में पांचवें गेम में सर्विस ब्रेक हासिल कर अल्कराज़ ने बढ़त बनाई, जबकि दूसरे सेट में रिंदरकनेश ने कड़ा प्रतिरोध किया। हालांकि टाई-ब्रेक में अल्कराज़ ने शानदार फोरहैंड विनर लगाकर मैच अपने नाम कर लिया।

ड्रा के दूसरे हिस्से में यानिक सिनर

अल्कराज़ के मुख्य प्रतिद्वंद्वी यानिक सिनर ड्रा के दूसरे हिस्से में हैं। मई 2024 में मैड्रिड में आंद्रेई रुबलेव के खिताब जीतने के बाद से, इन दोनों खिलाड़ियों की मौजूदगी वाले किसी भी टूर्नामेंट में कोई अन्य खिलाड़ी खिताब नहीं जीत पाया है।

करेन खाचानोव, दानिल मेदवेदेव और स्तेफानोस सितसिपास पर नजर

अल्कराज़ यदि अगले दौर में जीत दर्ज करते हैं तो क्वार्टर फाइनल में उनका सामना पूर्व चैंपियन करेन खाचानोव से हो सकता है। सातवीं वरीयता प्राप्त खाचानोव ने जापान के लकी लूजर शिंतारो मोचिज़ुकी को तीन सेटों में हराया।

वहीं ग्रीस के स्तेफानोस सितसिपास ने ट्यूनीशिया के वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी मोएज़ एचारगुई को हराकर 2023 चैंपियन दानिल मेदवेदेव से भिड़ंत तय कर ली है।

जिरी लेहेका की भी शानदार शुरुआत

चेक गणराज्य के जिरी लेहेका, जिन्होंने पिछले साल अल्कराज़ को इसी टूर्नामेंट में बाहर किया था, ने अपने पहले मैच में अमेरिका के जेंसन ब्रूक्सबी को सीधे सेटों में हराकर दमदार शुरुआत की। कतर ओपन में अब दूसरे दौर के मुकाबलों के साथ रोमांच और भी बढ़ने वाला है।

रणजी ट्राफी: जम्मू-कश्मीर पहली बार फाइनल में, बंगाल को हराकर रचा इतिहास

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

रणजी ट्राफी के इतिहास में नया अध्याय जुड़ गया है। जम्मू और कश्मीर ने बुधवार को सेमीफ़ाइनल में बंगाल को छह विकेट से हराकर पहली बार खिताबी मुकाबले में जगह बना ली। यह मुकाबला कल्याणी स्थित बंगाल क्रिकेट अकादमी मैदान पर खेला गया। मैच में टास हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बंगाल की टीम पहली पारी में 328 रन पर सिमट गई थी, जिसके जवाब में जम्मू कश्मीर की टीम 302 रनों पर आल आउट हो गई।

पहली पारी के आधार पर बंगाल को 26 रन की बढ़त मिली। हालांकि दूसरी पारी में बंगाल की बल्लेबाजी पूरी तरह से विफल रही और केवल 99 रनों पर ही सिमट गई।

आकिब नबी का हरफनमौला कमाल

जम्मू-कश्मीर की ऐतिहासिक जीत के नायक रहे आकिब नबी। उन्होंने मैच में कुल नौ विकेट लिए और पहली पारी में 54 गेंदों पर 42 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। दूसरी पारी में बंगाल की टीम मात्र 99 रन पर सिमट गई। नबी और सुनील कुमार ने चार-चार विकेट लेकर विपक्ष को पूरी तरह दबाव में ला दिया। बंगाल द्वारा दिए गए 126 रनों के साधारण लक्ष्य का पीछा करते हुए जम्मू-कश्मीर ने संयमित बल्लेबाज़ी की। वंशज शर्मा ने लगाया विजयी छक्का लक्ष्य का पीछा करते हुए वंशज शर्मा ने धैर्य के साथ नाबाद 43 रन बनाए। उन्होंने मुकेश कुमार की गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। वहीं अब्दुल समद ने 27 गेंदों पर 30 रन बनाकर अहम योगदान दिया।

पूरे सत्र में नबी का जलवा

आकिब नबी इस सत्र में जम्मू-कश्मीर की सफलता के केंद्र में रहे हैं। क्वार्टर फ़ाइनल में मध्य प्रदेश के खिलाफ भी उन्होंने 110 रन देकर 12 विकेट झटके थे, जिसमें पहली पारी में 7 विकेट पर 40 रन और दूसरी पारी में 5 विकेट पर 70 रन का प्रदर्शन शामिल था। उस मुकाबले में जम्मू-कश्मीर ने 56 रनों से जीत दर्ज की थी। अब खिताबी मुकाबले में जम्मू-कश्मीर का सामना संभावित रूप से कर्नाटक से हो सकता है, जो दूसरे सेमीफ़ाइनल में उत्तराखंड के खिलाफ पहली पारी में बढ़त लेने की स्थिति में है। जम्मू-कश्मीर की यह उपलब्धि राज्य के क्रिकेट इतिहास में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर मानी जा रही है।

गोयल बोले– सीईपीए से मजबूत हुए भारत–यूएई आर्थिक संबंध, निर्मला सीतारमण की नार्वे पीएम से मुलाकात

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को भारत–यूएई व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते को दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को मजबूत करने वाला एक बड़ा और परिवर्तनकारी कदम बताया। उन्होंने कहा कि इस समझौते ने विभिन्न क्षेत्रों में नए अवसर पैदा किए हैं और भारत की वैश्विक व्यापार केंद्र के रूप में विश्वसनीयता को और मजबूत किया है।

सोशल मीडिया पोस्ट में गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चार साल पहले भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच हस्ताक्षरित यह समझौता आर्थिक साझेदारी के एक नए अध्याय की शुरुआत था। उनके मुताबिक, का सकारात्मक प्रभाव मैन्युफैक्चरिंग, सेवाओं और कृषि क्षेत्रों में देखने को मिला है।

मंत्री ने कहा कि इस समझौते से निर्यातकों को लाभ मिला है, एमएसएमई को समर्थन मिला है और कृषि निर्यात को मजबूती मिली है। साथ ही, किसानों को प्रीमियम वैश्विक बाजारों तक बेहतर पहुंच मिली है। उन्होंने जोर देकर कहा कि समझौते ने कई नए सेक्टोरल अवसर खोले हैं, जिससे भारत की वैश्विक व्यापार हब के रूप में स्थिति और सुदृढ़ हुई है। ओस्लो में निर्मला सीतारमण–नार्वे पीएम की मुलाकात, समझौतों और सहयोग बढ़ाने पर चर्चा केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को ओस्लो में नार्वे के प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोरे से मुलाकात की और भारत–ईएफटीए तथा टीईपीए समझौतों के क्रियान्वयन पर चर्चा की। इस दौरान दोनों देशों के बीच सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर भी विस्तार से बातचीत हुई।

वित्त मंत्रालय के अनुसार, बैठक में हाई–टेक मैन्युफैक्चरिंग, कार्बन कैप्चर और स्टोरेज, स्टार्टअप्स, सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा और वेस्ट मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने की संभावनाओं पर जोर दिया गया। मंत्रालय ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि नार्वे के प्रधानमंत्री ने इस वर्ष प्रस्तावित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नार्वे यात्रा को लेकर उत्साह जताया और विश्वास व्यक्त किया कि इस दौरे से भारत–नार्वे सहयोग को और मजबूती मिलेगी। अदाणी पोर्ट्स ने फ्रांस के पोर्ट आफ मार्सेई फोस के साथ किया समझौता अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनामिक जोन लिमिटेड ने फ्रांस के पोर्ट आफ मार्सेई फोस के साथ व्यापार सुगमता, पोर्ट इनोवेशन और ऊर्जा संक्रमण के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने बुधवार को जारी आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी।

कंपनी के अनुसार, यह साझेदारी भारत और यूरोप के बीच कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, खासतौर पर भारत–पश्चिम एशिया–यूरोप आर्थिक गलियारे के तहत। पोर्ट आफ मार्सेई फोस फ्रांस का प्रमुख बंदरगाह और भूमध्यसागर का एक प्रमुख गेटवे माना जाता है।

न्यूज ब्रीफ

नई नोवा फुल-फेस हेलमेट सीरीज पेश

नई दिल्ली। वाहन चालकों की सुरक्षा के मददेनजर एसएमके हेलमेट्स ने अपनी नई नोवा फुल–फेस हेलमेट सीरीज पेश की है। कंपनी ने इसे किफायती कीमत पर उपलब्ध कराया है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग सेफ्टी को प्राथमिकता दे सकें। नोवा सीरीज दो वेरिएंट सॉलिड और ट्रैक में लॉन्च की गई है। सॉलिड मॉडल की शुरुआती कीमत 4,000 रुपये और ट्रैक वेरिएंट 4,300 रुपये से शुरू होता है। एक्सएस से एक्सएक्सएल तक के साइज में उपलब्ध ये हेलमेट देशभर के अधिकृत डीलर्स और एक्सेसरी स्टोर्स पर ग्लॉस और मैट फिनिश में खरीदे जा सकते हैं। हेलमेट को एनर्जी इम्पैक्ट रेसिस्टेंट थर्मोप्लास्टिक शेल से बनाया गया है, जो दुर्घटना के समय सिर को मजबूत सुरक्षा प्रदान करता है। मल्टी–डेंसिटी ईपीएस लाइनर झटकों को अवशोषित करने में मदद करता है। यह हेलमेट ईसीई 22.06, डीओटी और आईएसआई जैसे अंतरराष्ट्रीय व भारतीय सुरक्षा मानकों पर खरा उतरता है। वाइजर ऑप्टिकली करेक्ट और स्क्रैच–रेसिस्टेंट है, साथ ही फॉगिंग रोकने के लिए पिनलॉक 30 इंसर्ट दिया गया है। क्विक–रिलीज वाइजर सिस्टम और बेहतर वेंटिलेशन राइडिंग अनुभव को आरामदायक बनाते हैं। ब्रीदेबल, हाइपोएलर्जेनिक और वॉशेबल इंटीरियर इसे और सुविधाजनक बनाता है। भारत में आईएसआई मार्क वाला हेलमेट पहनना अनिवार्य है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अब...

जिसका उद्देश्य खामियों को दूर करना और अनावश्यक आधिकारिक हस्तक्षेप को कम करना है। प्रस्तावित प्रणाली के अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और नागरिक–अनुकूल होने की उम्मीद है।

इस उच्च स्तरीय बैठक में राजस्व सचिव लोकेश कुमार, सीएमआरएफ ओएसडी मंदा मकरंद, स्टाम्प एवं पंजीकरण आईजी राजीव गांधी हनुमंत, डीआईजी सुभाष, एसबी एसपी सिंधु शर्मा, साइबर क्राइम डीएसपी ए. संपत, गृह विभाग के सलाहकार पी. शरत कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कोड ऑडिट और राज्यव्यापी फॉरेंसिक जांच शुरू होने के साथ, सरकार ने राज्य की डिजिटल भूमि रिकॉर्ड प्रणाली की बड़ी सफाई का संकेत दिया है।

टैक्स...

ग्राहकों द्वारा ऑनलाइन अपलोड किए गए बिलों का भी मिलान के लिए उपयोग किया गया।

बड़े नीतिगत बदलावों के संकेत

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के आंकड़ों के अनुसार, जांचे गए 3,734 पैन में से 2,650 में हेराफेरी पाई गई। हैदराबाद में 416 मामलों में 1 करोड़ से अधिक की चोरी दिखाई दी। इस खोज के बाद सरकार पीओएस सॉफ्टवेयर के लिए सख्त ऑडिट लॉग, छेड़छाड़–मुक्त स्टोरेज और बिलिंग सिस्टम को जीएसटी रिपोर्टिंग के साथ सीधे जोड़ने जैसे कड़े नियम ला सकती है।

राज्यसभा...

मतदान की तिथि: 16 मार्च (सुबह 9:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक) और मतगणना: 16 मार्च, 2026 (शाम 5:00 बजे से।

तेलंगाना की दो सीटों के अलावा, देश के अन्य राज्यों में भी इसी दिन चुनाव होंगे। महाराष्ट्र में 7 सीटें, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में 6–6 सीटें, बिहार में 4, ओडिशा और असम में 3–3, छत्तीसगढ़ और हरियाणा में 2–2 तथा हिमाचल प्रदेश में 1 सीट के लिए मतदान होगा।

निर्वाचन आयोग ने निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए प्रेक्षकों की नियुक्ति और विशिष्ट दिशानिर्देश जारी किए हैं। मतदान की पूरी प्रक्रिया 20 मार्च तक संपन्न कर ली जाएगी।

चीन और नॉर्थ अमेरिका में ईवी की मांग सबसे कमजोर, बिक्री में आई गिरावट

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

दुनियाभर में जनवरी 2026 में इलेक्ट्रिक कारों की रजिस्ट्रेशन सालाना आधार पर करीब 3 प्रतिशत घटकर लगभग 12 लाख यूनिट पर आ गई। इसमें बैटरी इलेक्ट्रिक और प्लग–इन हाइब्रिड दोनों तरह की गाड़ियां शामिल हैं। यह आंकड़ा कंसल्टेंसी फर्म बेंचमार्क मिनरल इंटेलिजेंस और मीडिया रिपोर्ट से सामने आया है। साल 2026 इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए अच्छी शुरुआत नहीं लेकर आया। बिक्री में गिरावट की सबसे बड़ी वजह चीन और नॉर्थ अमेरिका जैसे बड़े बाजारों में कमजोर मांग बताई जा रही है, जहां नीतियों में बदलाव और सब्सिडी में कटौती ने सीधे खरीदारों का रुझान कम किया है। विशेषज्ञों के अनुसार इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर मिलने वाले सरकारी इंसेंटिव कई देशों में कम या खत्म कर दिए गए हैं। चीन और यूरोपीय यूनियन ने भी पहले दिए जाने वाले कई नियम और लाभ वापस ले लिए, जिनसे ईवी बिक्री तेज़ी से बढ़ रही थी। जैसे–जैसे ये सुविधाएं कम हुईं, उपभोक्ताओं की रुचि भी घटने लगी। वहीं हाइब्रिड कारों को लेकर लोगों की दिलचस्पी बढ़ी है, क्योंकि ये पेट्रोल–डीजल और पूरी तरह इलेक्ट्रिक वाहनों के बीच का संतुलित और अपेक्षाकृत किफायती विकल्प देती हैं। चीन में जनवरी महीने में ईवी रजिस्ट्रेशन लगभग 20प्रतिशत गिरकर 6 लाख यूनिट से नीचे पहुंच गया, जो करीब दो साल की सबसे कम मासिक बिक्री है। सब्सिडी कटौती और नई खरीद टैक्स नीतियों ने यहां बाजार को भारी प्रभावित किया। नॉर्थ अमेरिका की स्थिति और भी खराब रही, जहां ईवी रजिस्ट्रेशन में 33 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इसके उलट, यूरोप एकमात्र बड़ा क्षेत्र रहा जहां ईवी बिक्री में वृद्धि देखने को मिली। जनवरी में यहां इलेक्ट्रिक गाड़ियों की रजिस्ट्रेशन लगभग 24 प्रतिशत बढ़कर 3.20 लाख यूनिट से अधिक हो गई। हालांकि यह वृद्धि भी पिछले वर्ष की तुलना में सबसे धीमी रही। अन्य वैश्विक बाजारों में तस्वीर कुछ बेहतर रही। थाईलैंड में सरकारी इंसेंटिव, दक्षिण कोरिया और ब्राजील जैसे देशों में बढ़ती मांग के चलते ईवी रजिस्ट्रेशन 92 प्रतिशत उछलकर करीब 1.90 लाख यूनिट के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। कमजोर मांग का असर कंपनियों पर भी दिखाई दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी बाजार पर निर्भर बड़ी ऑटो कंपनियों को पिछले वर्ष में लगभग 55 अरब डॉलर का नुकसान झेलना पड़ा।

ब्रोक्रेज फर्म ने क्यों कहा..........ओल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयर बेचकर निकल जाएं

मुंबई। अगर आपके पास ओल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयर हैं, तब उन शेयरों को बेचकर निकलने जाने में ही भलाई है। ऐसा हम नहीं कह रहे, बल्कि यह राय ब्रोक्रेज फर्मों ने दी हैं। ब्रोक्रेज फर्मों ने ओला इलेक्ट्रिक पर अपनी रेटिंग घटाकर बाय से सेल कर दी है और अपने प्राइस टार्गेट में 51 प्रतिशत की कटौती कर 55 से घटाकर 27 रुपये कर दिया है। एक अन्य बाजार जानकार फर्म ने सबसे कम 20 रुपये का प्राइस टार्गेट दिया है। बता दें ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयरों में मंगलवार, 17 फरवरी को शुरुआती कारोबार में 3 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखी गई, जो लगातार चौथे सत्र में जारी रही। पिछले छह कारोबारी दिनों में से केवल एक दिन ही इस स्टॉक में तेजी रही है। कंपनी के शेयर अब अपने 52–सप्ताह के निचले स्तर के आसपास मंडरा रहे हैं, और पिछले दो महीनों में इनमें 22 प्रतिशत की गिरावट आई है। रिपोर्ट के मुताबिक हाल ही में ब्रोकरेज फर्मों द्वारा रेटिंग घटाए जाने से कंपनी पर दबाव और बढ़ गया है। ब्रोकेज ने भारत के दोपहिया वाहन सेगमेंट में इलेक्ट्रिक वाहनों की पैठ उम्मीद से धीमी होने का हवाला दिया है। उनका कहना है कि पेट्रोल वाहनों पर जीएसटी कटौती ने कीमतों के अंतर को कम किया है, जिससे विद्युतीकरण की रफ्तार धीमी हुई है। ब्रोक्रेज फर्मों ने सेवा से जुड़ी चुनौतियों, कड़ी प्रतिस्पर्धा और कमजोर ग्राहक धारणा के कारण कंपनी के बाजार हिस्सेदारी खोने का भी जिक्र किया। नकारात्मक परिचालन लाभ के चलते दिसंबर तिमाही (क्यू 3) का प्रदर्शन भी अनुमान से कम रहा। हालांकि, ब्रोकरेज ने बेहतर होते सकल मार्जिन और बेहतर परिचालन लाभ बढ़ाने की संभावना को स्वीकार किया, लेकिन साथ ही आगाह किया कि प्रबंधन के उत्पाद और सेवा की गुणवत्ता सुधारने के प्रयासों को नतीजे दिखाने में समय लग सकता है।

यूपीआई से लेन-देन में बढ़त....फिर भी तेजी से बढ़ रहा मुद्रा का चलन

मुंबई, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

देश में करेंसी सर्कुलेशन जनवरी 2026 के अंत तक बढ़कर रिकॉर्ड 40 लाख करोड़ के करीब पहुंच गया है। इसमें सालाना आधार पर 11.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो कि बीते साल समान अवधि में 5.3 प्रतिशत थी। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट में बताया गया कि जनता के पास करेंसी (सीडब्ल्यूपी) की हिस्सेदारी कुल करेंसी सर्कुलेशन में 97.6 प्रतिशत (करीब 39 लाख करोड़ रुपए) हो गई है। रिपोर्ट में बताया गया कि देश में यूपीआई के कारण डिजिटल लेनदेन तेजी से बढ़ा है और इससे कैश–टू–जीडीपी रेश्यो में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। रिपोर्ट के मुताबिक, देश में एक महीने में होने वाले यूपीआई लेनदेन की वैल्यू करीब 28 लाख करोड़ रुपए है, जो कि देश के कुल करेंसी स्टॉक का करीब 70 प्रतिशत है, जो कि दिखाता है कि देश में बड़ी संख्या में लोग डिजिटल पेमेंट्स कर रहे हैं। वहीं, देश का कैश–टू–जीडीपी रेश्यो वित्त वर्ष 26 में कम होकर 11 प्रतिशत हुआ है, जो कि वित्त वर्ष 21 में 14.4 प्रतिशत पर था। रिपोर्ट में कहा गया है, करेंसी और जीडीपी में परिवर्तन की दिशा भले ही एक जैसी हो, लेकिन जीडीपी की वृद्धि को अब नकदी के बजाय यूपीआई के माध्यम से अधिक हो रही है। सीआरआर में कटौती के कारण चालू वित्त वर्ष में आरबीआई के पास बैंकर्स डिपॉजिट में 1.86 लाख करोड़ रुपए की कमी आई, जिसके परिणामस्वरूप रिजर्व मनी की वृद्धि घटकर 5.8 प्रतिशत रह गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2015 से वित्त वर्ष 2025 के बीच बैंकों में जमा और ऋण लगभग तीन गुना बढ़ गए, जो बैंकिंग प्रणाली के सुदृढ़ीकरण और ऋण मध्यस्थता में सुधार का संकेत है। वित्त वर्ष 2015 से वित्त वर्ष 2025 के दौरान जमा राशि 85.3 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 241.5 लाख करोड़ रुपए हो गई और ऋण 67.4 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 191.2 लाख करोड़ रुपए हो गई है।

अटकलों पर विराम.........एआई इम्पैक्ट समिट में शामिल हो रहे बिल गेटस

नई दिल्ली। भारत में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बिल गेटस शामिल होने वाले है। उनके प्रवक्ता ने मंगलवार को यह साफ कर उनकी भागीदारी को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगा दिया। इसके पहले ऐसी खबरें सामने आई थीं कि दिल्ली में चल रहे एआई समिट में गेट्स शामिल नहीं हो रहे हैं, क्योंकि कथित तौर पर उनका नाम कार्यक्रम की 'ग्लोबल विजनरीज सूची से गायब था। हालांकि, अब आधिकारिक पुष्टि के बाद यह साफ हो गया है कि वे सम्मेलन का अहम हिस्सा बनने वाले है। इस बीच, गेट्स ने आंध्रप्रदेश के तेज विकास की सराहना की। अमरावती यात्रा के बाद उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से राज्य की प्रगति को गति मिलते देखना उत्साहजनक है। उन्होंने पोस्ट कर मुख्यमंत्री एन.चंद्रबाबू नायडू को गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए धन्यवाद दिया। गेट्स ने स्वास्थ्य, कृषि और शिक्षा के क्षेत्रों में राज्य द्वारा अपनाए जा रहे नवाचारों की विशेष प्रशंसा की। सोमवार को बिल गेट्स ने राजधानी क्षेत्र में कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। उन्होंने मुख्यमंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें कीं, तकनीक आधारित शासन पहलों की समीक्षा की तथा गुंटूर जिले के उंडावल्ली गांव में कृष्णा नदी के किनारे स्थित एक केले के बागान का दौरा भी किया। यह शिखर सम्मेलन ग्लोबल साउथ में आयोजित पहला अंतर्राष्ट्रीय एआई समिट है।

सोने और चांदी की बढ़त के साथ शुरुआत

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में बढ़त आई है। इस प्रकार गत दो दिन से जारी गिरावट रुक गई। सोने चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में बढ़त रही है। दोनों के भाव बढ़त पर खुले। सोने के वायदा भाव 1,52,850 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,33,350 रुपये के करीब रहे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना चांदी की कीमतों में बढ़त रही।

सोने के वायदा भाव की शुरुआत उछलकर हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल अनुबंध 1,885 रुपये की बढ़त के साथ 1,53,303 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,51,418 रुपये था।सोने का वायदा भाव पिछले महीने 1,80,779 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत अच्छी रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च अनुबंध 4,146 रुपये की तेजी के साथ 2,32,929 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 2,28,783 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 4,554 रुपये बढ़कर 2,33,337 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 2,33,673 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 2,32,121 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव में तेजी रही है। कॉमेक्स पर सोना 4,898.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 4,905.90 डॉलर प्रति औंस था।सोने के भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल किया था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 73.58 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला पिछला बंद भाव 73.54 डॉलर था।

कारों में फिजिकल स्विच को अनिवार्य बनाएगा चाइना

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

कारों के लिए चाइनीज सरकार अब महत्वपूर्ण सेफ्टी फंक्शन्स के लिए फिजिकल स्विच को अनिवार्य बनाने की तैयारी कर रही है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक यह कदम ड्राइवर की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया जा रहा है। हाल के वर्षों में टेस्ला, बीवायडी और शाओमी जैसी कंपनियों ने क्लीन, मिनिमलिस्ट और स्क्रीन–डॉमिनेटेड केबिन पेश किए हैं, जिनमें फिजिकल कंट्रोल्स बेहद कम होते हैं। कई मॉडल्स में तो इमर्जेंसी में इस्तेमाल होने वाला हैजर्ड लाइट बटन भी टचस्क्रीन पर दिया जा रहा है, जिससे सॉफ्टवेयर–आधारित सिस्टम पर निर्भरता काफी बढ़ गई है। यह प्रवृत्ति ड्राइविंग के दौरान ध्यान भटकने और दुर्घटनाओं की संभावनाओं को बढ़ाती है।

प्रस्तावित नियमों के अनुसार चीन का उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय अब टर्न सिग्नल, हैजर्ड लाइट, गियर सेलेक्टर और इमर्जेंसी कॉलिंग जैसे फीचर्स के लिए अनिवार्य रूप से अलग और कम से कम 10 मिमी गुणा 10 मिमी आकार वाले फिजिकल बटन्स रखने को बाध्य करेगा। इससे कार निर्माताओं को अपने मॉडल्स का इंटीरियर फिर से डिजाइन करना होगा और टचस्क्रीन कंट्रोल्स को हटा कर पारंपरिक बटन वापिस जोड़ने पड़ेंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि ड्राइविंग के दौरान टचस्क्रीन का उपयोग ड्राइवर के रिएक्शन टाइम को बढ़ा देता है, जो हाई–स्पीड ड्राइविंग में खतरनाक साबित होता है। सड़क से पलभर के लिए नजर हटाने से भी लेन में बने रहने की क्षमता प्रभावित होती है और स्टेबिलिटी कम होती है। अगर स्क्रीन धीमी चले या हैंग हो जाए, तो स्थिति और अधिक खतरनाक हो सकती है। इन्हीं जोखिमों को देखते हुए चीन में बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है।

सरकार चाहती है कि तकनीक का उपयोग बढ़े, लेकिन ड्राइवर और यात्रियों की सुरक्षा किसी भी कीमत पर कम न हो। नए नियम लागू होने पर गाड़ियों में दोबारा से फिजिकल कंट्रोल्स का दौर लौटता दिख सकता है, जिससे ड्राइविंग और यात्राएं अधिक सुरक्षित बन सकेंगी। बता दें कि कार कंपनियों में तेजी से बढ़ रहा टचस्क्रीन–आधारित कंट्रोल्स का ट्रेंड अब सेफ्टी चिंताओं की वजह से सवालों के घेरे में आ गया है। कई नई कारों में एसी, क्लाइमेट कंट्रोल और जरूरी फंक्शन्स के फिजिकल बटन्स लगभग गायब हो चुके हैं। कुछ उपभोक्ताओं को टचस्क्रीन पसंद जरूर आती है, लेकिन सुरक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि फिजिकल बटन ज्यादा सुरक्षित और उपयोग में आसान होते हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 19 फरवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा द्वारा 'विशिष्ट हिंदी प्रतिभा रत्न पुरस्कार02025' प्रदान

लोक भवन में 31 विद्यार्थियों को स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक से सम्मानित किया गया

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हिंदी सेवा सदन की ओर से आयोजित 'विशिष्ट हिंदी प्रतिभा रत्न पुरस्कार02025' समारोह का भव्य आयोजन तेलंगाना लोक भवन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने 31 विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए।

हिंदी सेवासदन द्वारा तेलंगाना राज्य में कक्षा 6 से 10 तक अध्ययनरत विद्यार्थियों को राष्ट्रभाषा हिंदी के महत्व से अवगत कराने के उद्देश्य से हिंदी प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित की गई। प्रथम चरण की परीक्षा विद्यालय स्तर पर आयोजित की गई, जिसमें प्रत्येक कक्षा से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों का चयन किया गया।

इसके पश्चात चयनित विद्यार्थियों के लिए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक, प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिह्न तथा नगद पुरस्कार प्रदान किए गए।

इस अवसर पर राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने हिंदी सेवासदन महाविद्यालय के संस्थापक सचिव एस. गैबुवली के प्रतिनिधिमंडल का अभिनंदन किया तथा विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

कार्यक्रम में हिंदी प्रचार सभा के अध्यक्ष प्रो. चंद्रवेद, प्रधान मंत्री एवं हिंदी सेवासदन महाविद्यालय के संस्थापक सचिव एस. गैबुवली, परीक्षा मंत्री सुरेश पुरी, कानूनी सलाहकार प्रमुख अधिवक्ता जे. वेंकटराम नरसिंह रेड्डी, विशेष अधिकारी श्रुतिकांत भारती, शिवलिंगम, माया पांडे, छात्र एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

समारोह उत्साह एवं गरिमा के साथ संपन्न हुआ।

सिटी यूनियन बैंक ने गौ–सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और सेवाओं के लिए गोवत्स फाउंडेशन को सम्मानित किया है। बैंक द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में फाउंडेशन के समर्पित प्रयासों की सराहना की गई। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख सत्यम पन्ना, सिद्दिअंबर बाजार शाखा के प्रबंधक उन्मेष जोशी, सूर्या ने गोवत्स फाउंडेशन के अध्यक्ष सीए मुरलीमनोहर पलोड को स्मृति चिह्न एवं प्रमाण पत्र से सम्मानित किया। बैंक अधिकारियों ने समाज के प्रति फाउंडेशन की सेवा भावना को प्रेरणादायक बताया।

राधे–राधे भाव से निरंतर अन्नदान, समाज को जोड़ता अभियान : रोहित अग्रवाल

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे राधे ग्रुप द्वारा संचालित नियमित अन्नदान कार्यक्रम बेगम बाजार स्थित भूदेवी माता मंदिर के सामने गौशाला परिसर में श्रद्धा, समर्पण और सेवा भाव के साथ निरंतर आयोजित किया जा रहा है। यह सेवा अभियान जरूरतमंदों के लिए आशा और सहारा बनता जा रहा है।इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए रोहित अग्रवाल ने कहा कि अन्नदान महादान है और निस्वार्थ सेवा ही सच्ची साधना है। भूखे को भोजन कराना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि ईश्वर की सच्ची आराधना है।उन्होंने कहा कि राधे–राधे नाम की पावन भावना से प्रेरित यह सेवा अभियान समाज में करुणा, संवेदना और भाईचारे का संदेश दे रहा है। एक समय का अन्न किसी जरूरतमंद के लिए प्रसाद के समान होता है, और छोटा सा सहयोग भी किसी जीवन में आशा की नई किरण जगा सकता है।

रोहित अग्रवाल ने समाज के सभी वर्गों से अपील की कि वे इस पुण्य सेवा कार्य में अपने सामर्थ्य अनुसार तन, मन और धन से सहयोग करें, ताकि मानवता की यह सेवा ज्योति निरंतर प्रज्वलित रहती रहे। आज की सेवा श्री राजेश जी गुप्ता श्री विनोद अग्रवाल श्री रोहित जी अग्रवाल की ओर से की गई।इस अवसर पर जगतनारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, विनोद तोशनीवाल, महेश गोयल, अरुण विजयवर्गीय, गोविंद राम पचेरीया, अनिल अग्रवाल, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय एवं मीना अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

अबिड्स केंद्रीय महिला मंडल की बैठक में होली उत्सव का आयोजन

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अबिडस केंद्रीय महिला मंडल द्वारा एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें होली उत्सव को उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना एवं शंखनाद के साथ हुई, जिससे वातावरण भक्तिमय और उल्लासपूर्ण बन गया।बैठक के दौरान होली के पारंपरिक खेल खिलाए गए तथा होली गीतों और नृत्य का भी आयोजन किया गया। रंगारंग कार्यक्रम में महिलाओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। होली गेम में सीता को पुरस्कार प्राप्त हुआ, जबकि लकी ड्रॉ में सरिता विजेता रहीं और एक अन्य गेम में सुमन को पुरस्कार मिला।

कार्यक्रम में पुष्पा गुप्ता द्वारा सांस्कृतिक संयोजिका श्रीमती सपना गुप्ता का स्वागत किया गया। श्रीमती सपना गुप्ता ने सभी महिलाओं को होली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं में पुष्पा, अमिता, सीता, शेफाली, सोनिया, मंजू, कविता, प्राची, भावना, आस्था, पूनम, दीपक, रागिनी, ज्योति सहित अन्य सदस्य शामिल रहीं।

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद केंद्र ने 351 पक्षियों को कराया मुक्त

इंदिरा पार्क लोअर टैंक बंड में 'विमोचन योजना' के तहत सेवा कार्य

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद केंद्र द्वारा इंदिरा पार्क के लोअर टैंक बंड क्षेत्र में 351 पक्षियों को मुक्त आकाश में छोड़ने का सेवा कार्य संपन्न किया गया। इस अवसर पर अनेक समाजसेवियों और पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में शीतल बरलोटा ने बताया कि संजय भंडारी (नांदेड़ निवासी), शील कुमार जैन, सीमा जैन, अजय नाहटा, चंदन नाहटा, अरुण खीवसरा एवं अनीता खीवसरा के सौजन्य से विभिन्न प्रकार के पक्षियों को पिंजरों से मुक्त कर खुले आकाश में उड़ने का अवसर प्रदान किया गया।

केंद्र के चेयरमैन विनोद संचेती ने बताया कि ङ्गविमोचन योजनाफ

एक प्रेरणादायक और संवेदनशील पहल है, जिसका उद्देश्य पक्षियों को कैद से मुक्त कर उन्हें स्वतंत्र जीवन देना है। यह योजना जीव दया, करुणा और अहिंसा के सिद्धांतों पर आधारित है, जैसा कि चरहर्रींळअॅर ने जीओ और जीने दो का संदेश दिया था।

इस सेवा कार्य में महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद की सेक्रेटरी कल्पना बरलोटा, कोषाध्यक्ष अनिल बोरा, कुशल बरलोटा, मनोज नाहटा, प्रीतेश बोहरा, गौतम अंचलिया, अजय धारीवाल, उज्ज्वला धारीवाल, साधना सिसोदिया एवं दीपा आंचलिया के नेतृत्व में यह कार्य संपन्न हुआ। अंत में चेयरमैन विनोद संचेती के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

शिवाजी महाराज जयंती आज

हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती 19 फरवरी को जामबाग में उत्साहपूर्वक मनाई जाएगी।

आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम शाम 4:00 बजे से पिलर नंबर 1331, सुंदर भवन, हनुमान मंदिर के सामने, जांबाग में आयोजित की जाएगी। नागरिकों, विशेषकर युवाओं से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर महान मराठा वीर एवं दूरदर्शी शासक को पुष्पांजलि अर्पित करने का आह्वान किया गया है।वीर शिवाजी आर्मी के अध्यक्ष एवं बीजेवाईएम सिटी प्रेसिडेंट, हैदराबाद (गोलकोंडा जिला) नितिन नांदकर ने बताया कि यह कार्यक्रम शिवाजी महाराज की विरासत, साहस और उत्कृष्ट प्रशासनिक क्षमता को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने सभी से कार्यक्रम में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील की।

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद केंद्र द्वारा तोलिया एवं कपड़े की थैलियों का वितरण

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद केंद्र द्वारा सामाजिक सरोकार के अंतर्गत तोलिया एवं कपड़े की थैलियों का वितरण किया गया।यह वितरण कार्यक्रम सनहिता गर्ल्स स्कूल, पार्क लेन, सिकंदराबाद में आयोजित किया गया, जहां विद्यालय की छात्राओं को उपयोगी सामग्री प्रदान की गई। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए कपड़े की थैलियों के उपयोग को प्रोत्साहित करना है।कार्यक्रम के अवसर पर केंद्र के अध्यक्ष विनोद संचेती, सेक्रेटरी कल्पना बरलोटा, साधना सिसोदिया एवं अनीता खींवसरा उपस्थित

रहे।उपस्थित पदाधिकारियों ने विद्यार्थियों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए समाज सेवा के ऐसे कार्यों को निरंतर जारी रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

'ये शाम मस्तानी' सीज़न 2 का भव्य आयोजन

संगीत प्रेमियों ने लिया सुरों की मधुर संध्या का आनंद

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। शिवरात्रि के दूसरे दिन 16 फरवरी को सांय 5 बजे से रात्रि 10 बजे तक हिमायतनगर स्थित अलाइड आर्टिस्ट ऑडिटोरियम में संगीत का भव्य कार्यक्रम ङ्गये शाम मस्तानीफसीज़न 2 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन अशोक बंसल एवं दिलीप जैन द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में पुराने और नए फिल्मी गीतों की शानदार प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रोताओं का मन मोह लिया। अशोक बंसल, दिलीप जैन, निशिता नवनीत तोशनीवाल, विशाखा धर, अनूप धर एवं नवनीत झवर ने एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत किए। सभी कलाकारों की भावपूर्ण प्रस्तुतियों को दर्शकों ने भरपूर सराहना दी।

सुरों की मधुर संगत और सधा हुआ संचालन

कार्यक्रम का सुंदर एवं प्रभावी संचालन नवनीत झवर द्वारा किया गया, जिसने पूरे आयोजन को व्यवस्थित और आकर्षक बनाए रखा। वहीं, राजेश कटारिया द्वारा बांसुरी वादन ने संध्या को विशेष ऊँचाई प्रदान की और वातावरण को और भी मधुर बना दिया।

यूट्यूब पर हुआ लाइव प्रसारण

इस भव्य कार्यक्रम का यूट्यूब चैनल पर लाइव प्रसारण भी किया गया, जिससे जो संगीत प्रेमी प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित नहीं हो सके, वे भी इस सुरमयी संध्या का आनंद ले सके। हैदराबाद के संगीत प्रेमियों ने कार्यक्रम को अत्यंत सराहा और आयोजकों के प्रयासों की प्रशंसा की। यह आयोजन शिवरात्रि के पावन अवसर पर सांस्कृतिक समर्पण का एक सुंदर उदाहरण बना।

ईश्वर का आशीर्वाद है अन्न सेवा से जुड़ना : आशा अग्रवाल

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे समूह हैदराबाद के तत्वावधान में संचालित नियमित अन्नदान केंद्र, इंडो अमेरिकन कैंसर अस्पताल के सामने केबीआर पार्क समक्ष निरंतर सेवा कार्य के रूप में जारी है।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए आशा अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे समूह से जुड़ना प्रत्येक व्यक्ति के लिए सौभाग्य की बात है। यह कार्य केवल अन्न वितरण नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा है। उन्होंने कहा कि परमपिता परमेश्वर की विशेष कृपा से ही उन्हें इस पुनीत कार्य का भाग बनने का अवसर प्राप्त हुआ है।

उन्होंने आगे कहा कि समाज में सेवा, सहयोग और करुणा की भावना ही वास्तविक धर्म है। अन्नदान को शास्त्रों में सर्वोत्तम दान माना गया है और इससे जुड़कर आत्मिक शांति एवं संतोष की अनुभूति होती है।इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, आशा अग्रवाल, गायत्री अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, तेजप्रकाश अग्रवाल, जयप्रकाश सारड़ा, संतोष गुप्ता, नितीश गुप्ता सहित राधे-राधे समूह के अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में अपना योगदान दिया।

विश्व शांति यात्रा का नगर आगमन पर भव्य स्वागत

मूसापेट स्थित पाटीदार भवन में आयोजित हुआ विशेष कार्यक्रम

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री कच्छ कड़वा पाटीदार समाज द्वारा विश्व शांति के उद्देश्य से निकाली जा रही शोभायात्रा के स्वागत हेतु मूसापेट स्थित पाटीदार भवन में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रचार संयोजक जसवंत सुराणि ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह विश्व शांति यात्रा गुलबर्ग से नागार्जुन सागर तक आयोजित की जा रही है, जिसमें थाईलैंड से पधारे 100 बौद्ध संतों का सानिध्य प्राप्त हो रहा है। इस यात्रा में प्रसिद्ध फिल्म व्यक्तित्व गगन मलिक भी शामिल हैं।

अमृत पटेल ने गगन मलिक का परिचय देते हुए बताया कि वे एक भारतीय अभिनेता एवं बौद्ध कार्यकर्ता हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोजित विश्व बौद्ध फिल्म महोत्सव में श्रीलंकाई सिंहली फिल्म श्री सिद्धार्था गौतम में राजकुमार सिद्धार्थ की भूमिका के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार प्राप्त किया। वे टीवी धारावाहिक रामायण में भगवान राम की मुख्य भूमिका के लिए भी प्रसिद्ध हैं।

अवसर पर जसमत पटेल ने कहा कि विश्व शांति के लिए इतना बड़ा कार्य किया जा रहा है, यह हम सभी के लिए गर्व की बात है। इस यात्रा के उद्देश्य और संकल्प को निकट से जानने का अवसर प्राप्त हुआ।

यह तीर्थयात्रा मंगलवार, 17 फरवरी 2026 को पाटीदार भवन, मूसापेट, हैदराबाद में आयोजित की गई। इस अवसर पर शाम 6:00 बजे सिकंदराबाद समुदाय के स्थानीय सदस्यों की एक विशेष बैठक भी आयोजित की गई।

समाज के अध्यक्ष अमृतभाई समजी छाभैया ने सभी से विश्व शांति के इस महान कार्य में सहभागी बनने का आह्वान किया।

यात्रा निदेशक पी. सोंगसक कोविडो ने यात्रा की विस्तृत जानकारी देते हुए इसके उद्देश्यों और आगामी कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम श्रद्धा, सौहार्द और विश्व शांति के संदेश के साथ संपन्न हुआ।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा-अर्चना सम्पन्न

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा एवं आरती का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए और दूध देने वाले गणेशजी की वंदना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस कार्यक्रम के मुख्य यजमान के रूप में प्रवीण कुमार अग्रवाल एवं संतोष बाई अग्रवाल उपस्थित रहे। पूजा-अर्चना विधि-विधान के साथ संपन्न की गई, जिसमें भक्तों ने श्रद्धा और भक्ति भाव से सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदवा, विठ्ठलदास अग्रवाल (बड़े गांव वाले), पी.सी. जैन, प्रवीण कुमार अग्रवाल, विजय तंबी, विजय कुमार (एडवोकेट), अशोक कुमार सरायवाला, प्रमोद कुमार सरायवाला, विनोद टिकमानी, अशोक लाखोटिया, रामनिवासजी, पंडितजी, संध्या अग्रवाल, विजया लक्ष्मी, विजया रेड्डी, संगीता रेड्डी सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

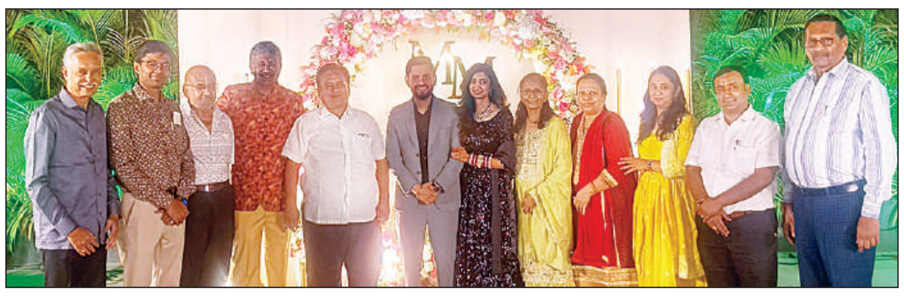

रामकोट स्थित कच्छी भवन में आज पराग मारू एवं प्रवीणा मारू की सुपुत्री चि. मानसी संग मनजोत के सत्कार समारोह में उपस्थित गुजराती प्रगति समाज के सचिव राहुल छेड़ा, दिनेश गोसर, रिद्धिश जागीरदार, प्रदीप संघवी, लहेरचंद लोड़ाया, शांतिलाल मारू, इन्दिरा गोसर और अवनि छेड़ा।

सूरजगढ़ से हैदराबाद पहुँचा श्री श्याम चमत्कारी निशान

प्राचीन श्याम मंदिर में विधि-विधान से हुई पूजा

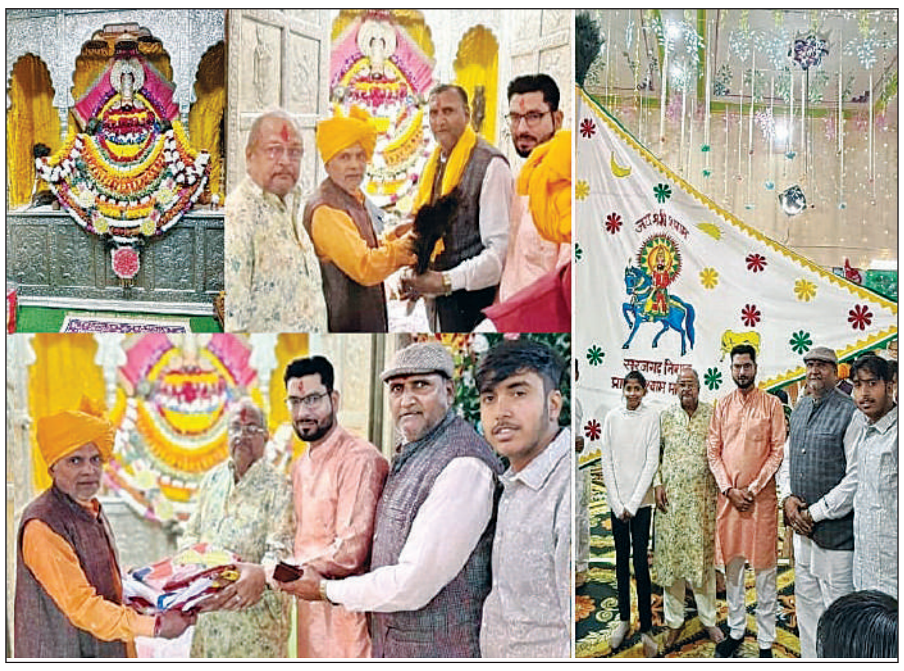

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। खाटू श्याम मंदिर की गुंबद पर तथा हैदराबाद के अत्तापुर से श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा प्रतिवर्ष काचिगुड़ा श्याम मंदिर की गुंबद पर चढ़ाया जाने वाला चमत्कारी सूरजगढ़ श्रीश्याम निशान इस वर्ष भी हैदराबाद के लिए रवाना हुआ।

बुधवार को सूरजगढ श्याम मंदिर में इस निशान की विधि-विधान से पूजा संपन्न की गई। इस अवसर पर प्राचीन मंदिर के मुख्य पुजारी मोहनलाल ने बताया कि मंदिर की ओर से इस बार पवन नालपुरिया को हैदराबाद के श्याम भक्तों के आशीर्वाद स्वरूप श्री श्याम की चमत्कारी मोरछड़ी भी भेंट की गई।

हैदराबाद के लिए दो निशानों की पूजा

इस वर्ष हैदराबाद के लिए दो निशानों की पूजा की गई है- एक श्री श्याम मित्र मंडल, अत्तापुर के लिए तथा दूसरा महारो धनी श्याम धनी, शिवरामपल्ली के लिए।राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर श्री श्याम मित्र मंडल, अत्तापुर के श्याम प्रेमी बंधु एकत्र होकर सूरजगढ़ श्री श्याम निशान का भव्य स्वागत करेंगे।त्पूजा कार्यक्रम में हैदराबाद से श्रीकांत मित्तल, मनीष कुमार शर्मा, अभिनव अग्रवाल, बालवीर अग्रवाल, पवन नालपुरिया सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। भक्तों में इस पावन अवसर को लेकर विशेष उत्साह और श्रद्धा का वातावरण बना हुआ है।

एनआईटी कुरुक्षेत्र के छात्र अंगोथ शिवा के निधन पर बंडारू दत्तात्रेय ने जताया दुख

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले के कलवाकुर्थी (मड्गुला मंडल, कतरावम थंडा) निवासी छात्र अंगोथ शिवा के दुखद निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। शिवा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), कुरुक्षेत्र में अपनी पढ़ाई कर रहे थे।

श्री दत्तात्रेय ने कहा कि यह अत्यंत हृदयविदारक है कि एक गरीब अनुसूचित जनजाति (एसटी) परिवार से आने वाले और देश के प्रमुख संस्थानों में से एक में शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्र का इस तरह असामयिक निधन हो गया। उन्होंने कहा कि एक उज्ज्वल भविष्य की ओर कदम बढ़ा रहे युवा छात्र के साथ ऐसी अनहोनी होना अत्यंत पीड़ादायक है। इस अवसर पर उन्होंने जोर देते हुए कहा कि छात्रों को अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ मानसिक रूप से भी मजबूत रहना चाहिए।

दत्तात्रेय ने जानकारी दी कि उन्होंने एनआईटी के कुलपति से फोन पर बात कर छात्र की मृत्यु के कारणों और परिस्थितियों की जानकारी ली है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से अनुरोध किया कि शिवा के पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द तेलंगाना पहुँचाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हुए श्री बंडारू दत्तात्रेय ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय को सहन करने के लिए शक्ति और साहस प्रदान करने की कामना की।

मंगलहाट डिविजन में पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर का जन्मदिन मनाते हुए डिविजन इन्चार्ज एच. कुमार, गोपाल सिंह, लोकेश राजु, नरेश, सुरेश एवं अन्य।

बंजारा हिल्स स्थित होटल पार्क हयात में श्री जीण माता प्रचार समिति के चेयरमेन, श्री सालासर हनुमान मंदिर के ट्रस्टी व प्रमुख व्यवसायी एवं समाज सेवी राकेश रोशन अग्रवाल-रेखा अग्रवाल के सुपुत्र चि. आशीष संग तनीषा (महेशकुमार जालन एवं श्रीमती हेमा जालन की सुपुत्री) के सगाई समारोह में उपस्थित भाजपा तेलंगाना अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव, मलकाजगिरी सासंद इटेला राजेन्द्र, पूर्व विधायक चिंतला रामचंद्रा रेड्डी, भाजपा सहकोषाध्यक्ष विजय सुराणा, भाजपा नेता सतीश जाजु, विष्णुकुमार गोयल, कपिल गोयल, दिपक गोयल, सीपी शर्मा, सुरेश शर्मा, नंदु जोशी एवं अन्य ।

सिकंदराबाद छावनी विधायक ने बोर्ड की बैठक का बहिष्कार किया

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद छावनी (कैंटोनमेंट) के विधायक एन. श्री गणेश ने बुधवार को सिकंदराबाद छावनी बोर्ड (एससीबी) की सामान्य बोर्ड बैठक का बहिष्कार किया। उन्होंने मांग की कि केंद्र सरकार बिना किसी और देरी के एससीबी चुनाव कराए। विधायक ने यह कदम निर्धारित बोर्ड कार्यवाही के दौरान उठाया।

एन. श्री गणेश, एससीबी की नागरिक मनोनीत सदस्य भानुका नर्मदा के शपथ ग्रहण समारोह के तुरंत बाद सदन से बाहर चले गए। भानुका नर्मदा का दूसरा कार्यकाल 15 फरवरी से शुरू हुआ है। विधायक ने मनोनीत सदस्य के कार्यकाल विस्तार पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को नामांकन बढ़ाने के बजाय छावनी बोर्ड के चुनाव कराने चाहिए।

विधायक ने इस विस्तार को बैठक के बहिष्कार का मुख्य कारण बताया। इस बीच, शपथ ग्रहण समारोह योजना के अनुसार संपन्न हुआ। इस घटनाक्रम से सिकंदराबाद छावनी बोर्ड की सामान्य बोर्ड बैठक में तनाव बढ़ गया।

रक्षा मंत्रालय को भेजा प्रतिनिधित्व

बाद में, एन. श्री गणेश ने छावनी बोर्ड के अध्यक्ष ब्रिगेडियर एस. राजीव को एक प्रतिवेदन सौंपा। उन्होंने उनसे आग्रह किया कि इस प्रतिवेदन को रक्षा मंत्रालय को भेजा जाए। उन्होंने मंत्रालय से तत्काल निर्णय लेने और यह सुनिश्चित करने को कहा कि एससीबी चुनाव आयोजित किए जाएं।

पांच साल की देरी पर केंद्र पर निशाना

बैठक का बहिष्कार करने के बाद विधायक ने मीडिया से भी बात की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पिछले पांच वर्षों से छावनी बोर्ड के चुनावों में देरी कर रही है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि सरकार चुनाव कराने के बजाय छावनी नागरिक सदस्य को मनोनीत करके एससीबी विलय की प्रक्रिया को लंबा खींच रही है।

इस विरोध के कारण एससीबी चुनावों का मुद्दा एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। विधायक ने इस बात पर जोर दिया कि नामांकन का स्थान चुनावों को लेना चाहिए ताकि प्रतिनिधित्व से जुड़ी चिंताओं को दूर किया जा सके। हालांकि, कार्यवाही में रक्षा मंत्रालय की ओर से किसी तत्काल प्रतिक्रिया का उल्लेख नहीं किया गया है।

पुण्य की भागीरथी में जुड़ना सौभाग्य : मनीष चिंडालिया

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन नामपल्ली, पिलर संख्या 1266-ए के समीप संचालित नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम में श्रद्धा, भक्ति और सेवा भाव का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस अवसर पर अपने आध्यात्मिक विचार व्यक्त करते हुए श्री मनीष चिंडालिया ने कहा, इस पुण्य की भागीरथी में जुड़ना अपने आप में सौभाग्य की बात है। सेवा का अवसर मिलना भी ईश्वर की विशेष कृपा है।

उन्होंने कहा कि अन्नदान केवल किसी भूखे को भोजन कराना भर नहीं है, बल्कि यह आत्मशुद्धि का पावन मार्ग है। जब सेवा 'राधे-राधे' के नाम के साथ की जाती है, तब वह केवल कर्म नहीं, बल्कि साधना बन जाती है। सेवा से हृदय में करुणा, प्रेम और समर्पण की भावना जागृत होती है, जो व्यक्ति और समाज दोनों को उन्नत करती है।

श्री चिंडालिया ने आगे कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा निरंतर बह रही यह सेवा धारा समाज के वंचित वर्ग तक आशा और सहारा पहुँचा रही है। नियमित रूप से हो रहा अन्नदान अनेक जरूरतमंदों के लिए संबल बन रहा है। उन्होंने सभी नागरिकों से इस पुण्य कार्य से जुड़ने और अपने जीवन में सेवा के संस्कारों को अपनाने का आह्वान किया। इस पावन अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, प्रीतिका अग्रवाल, गौरव गोयल, मनीष अग्रवाल, संजय गोयल एवं किरण गोयल सहित अन्य राधे-राधे ग्रुप के सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा का मासिक अन्नाप्रसाद कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा के तत्वावधान में प्रतिमाह आयोजित होने वाला मासिक अन्नाप्रसाद कार्यक्रम गंज स्थित अग्रसेन हॉल के समीप अत्यंत सुव्यवस्थित एवं सेवा भाव के साथ संपन्न हुआ। इस पावन सेवा कार्य में लगभग 750 लोगों ने अन्नप्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

इस सेवा आयोजन में शाखा अध्यक्ष पंकज कुमार संघी, उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, सह मंत्री शैलेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मोदी, केंद्रीय समिति सदस्य गोविंद मोदी, परामर्शदाता महावीर प्रसाद अग्रवाल, श्याम सुंदर अग्रवाल, हरिश्चंद्र बजाज, सतीश बंसल, गोपाल मोदी, महिला शाखा अध्यक्ष रेखा अग्रवाल, उपाध्यक्ष स्वाति अग्रवाल, कोषाध्यक्ष रेखा सुरेखा तथा केंद्रीय समिति सदस्य शीतल रूंगटा ने सक्रिय रूप से सहभागिता करते हुए तन-मन से सेवा प्रदान की।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित आगंतुकों ने मलकपेट शाखा द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की और ऐसे आयोजनों को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। आयोजन शांतिपूर्ण एवं सेवा भावना के वातावरण में संपन्न हुआ।

जगद्गुरु वसंत विजयानंद गिरि जी महाराज का 22 से बीकानेर प्रवास

विशेष त्रिदिवसीय यज्ञ महोत्सव होगा 24 फरवरी से, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

बीकानेर, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कृष्णगिरि पीठाधीश्वर जगद्गुरु पूज्यपाद श्री श्री 1008 आचार्य श्री वसंत विजयानंद गिरि जी महाराज का 22 फरवरी, रविवार से बीकानेर प्रवास रहेगा। गंगाशहर रोड़, जैन स्कूल के सामने अग्रवाल भवन में विशेष त्रिदिवसीय यज्ञ महोत्सव का आयोजन 24, 25 व 26 फरवरी को होगा। महोत्सव को लेकर जगद्गुरु वसंत विजयानंद गिरी जी महाराज ने अग्रवाल भवन पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर संकेश छाजेड़, सुरेंद्र कोचर, मनोज पूगलिया सहित अनेक ने कार्यक्रम को लेकर विचार-विमर्श किया।

निशिता कॉलेज का ऐतिहासिक कीर्तिमान

406 विद्यार्थियों का हुआ प्लेसमेंट, बांटे गए नियुक्ति पत्र

निज़ामाबाद/हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। निशिता कॉलेज ने अपने इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ते हुए एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कॉलेज के प्रबंधन ने बड़े गर्व के साथ यह घोषणा की है कि हाल ही में आयोजित प्लेसमेंट अभियान में रिकॉर्ड 406 विद्यार्थियों का चयन किया गया है।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर कॉलेज प्रशासन ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान के इतिहास में इतनी बड़ी संख्या में चयन होना एक गौरवशाली क्षण है।

कार्यक्रम के दौरान, चयनित विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत को सम्मानित करते हुए उन्हें आधिकारिक प्रमाण पत्र और अप्वाइंटमेंट ऑर्डर (नियुक्ति पत्र) प्रदान किए गए। कॉलेज प्रबंधन ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, हमें यह देखकर बेहद आनंद हो रहा है कि हमारे विद्यार्थियों को उनके करियर की नई शुरुआत के लिए प्रतिष्ठित कंपनियों के नियुक्ति पत्र मिल गए हैं। प्रशासन ने भविष्य में भी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए इसी तरह के और अधिक कार्यक्रम और प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित करने का आश्वासन दिया है।

इस वृहद प्लेसमेंट कार्यक्रम की सफलता में सहयोग देने वाली संस्थाओं के प्रति भी आभार व्यक्त किया गया। कॉलेज ने विशेष रूप से मैजिक बस के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की। प्रबंधन ने कहा कि इस पूरे कार्यक्रम के सफल संचालन में मैजिक बस टीम का सहयोग सराहनीय रहा, जिसने विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

श्री राम श्याम मित्र मण्डल द्वारा फाल्गुन निशान शोभा यात्रा 22 को

सुचित्रा से श्री पहाड़ी श्याम मंदिर, महीन्द्रा हिल्स तक निकलेगी भव्य शोभायात्रा

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री राम श्याम मित्र मण्डल, सुचित्रा द्वारा फाल्गुन मास के उपलक्ष्य में रविवार, 22 फरवरी को श्री श्याम निशान शोभा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में अनुज सिंघल ने दी। विज्ञप्ति के अनुसार, शोभायात्रा प्रातः 6:11 बजे श्रीराम गार्डन से प्रारंभ होकर श्री पहाड़ी श्याम मंदिर, महीन्द्रा हिल्स तक जाएगी।कार्यक्रम के अंतर्गत शीश के दानी बाबा श्यामजी को सुसज्जित बग्गी में विराजमान कर बाजे-गाजे एवं भजन-कीर्तन के साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी। नगर के सुप्रसिद्ध भजन गायक झरपज्ञरक्ष जक्षहर भजनों की प्रस्तुति देंगे, जिससे भक्तिमय वातावरण निर्मित होगा।

शोभायात्रा का प्रथम पड़ाव श्री जयलक्ष्मी गार्डन में रहेगा, जहां अल्पाहार की व्यवस्था की जाएगी। इसके पश्चात यात्रा पुनः बाजे-गाजे और भजन-कीर्तन के साथ श्री पहाड़ी श्याम मंदिर, महीन्द्रा हिल्स पहुंचेगी।मंदिर में दोपहर 12 बजे महाआरती आयोजित की जाएगी, जिसके बाद सभी श्रद्धालुओं के लिए भोजन-प्रसाद की व्यवस्था रहेगी।

निशान प्राप्ति एवं अन्य जानकारी के लिए श्री राम श्याम मित्र मण्डल के राकेश गर्ग, सतविंदर गुलाटी, राहुल अग्रवाल एवं राजू भाई से संपर्क किया जा सकता है।आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शोभायात्रा को सफल बनाने का आग्रह किया है।

जेईई मेन 2026 परिणामों में नारायण निज़ामाबाद का दबदबा

पल्लेरला विराज ने 99.73 पर्सेंटाइल के साथ जिले में किया टॉप

निजामाबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जेईई मेन 2026 के परिणामों में नारायण जूनियर कॉलेज, निज़ामाबाद के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी सफलता का परचम लहराया है। कॉलेज के छात्र पी. वीराज ने इंजीनियरिंग विभाग में 99.73 पर्सनटाइल अंक हासिल कर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

नारायण कॉलेज निज़ामाबाद के एजीएम कुंटा लक्ष्मा रेड्डी और कॉलेज के प्रिंसिपल सीएच रवि गौड़ ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि विराज की यह सफलता पूरे निज़ामाबाद जिले के लिए गर्व का विषय है।

जेईई मेन जैसी राष्ट्रीय स्तर की कठिन परीक्षा में 99.73 पर्सेंटाइल प्राप्त करना वीराज की कड़ी मेहनत और नारायण शिक्षण संस्थान के मार्गदर्शन का परिणाम है। कॉलेज प्रबंधन ने बताया कि विराज ने न केवल कॉलेज का नाम रोशन किया है, बल्कि जिले के अन्य विद्यार्थियों के लिए एक मिसाल भी पेश की है।

इस अवसर पर आयोजित एक अभिनंदन समारोह में कॉलेज के प्रधानाचार्य रवि गौड़ ने कहा कि नारायण कॉलेज की सुनियोजित शैक्षणिक योजना और फैकल्टी के निरंतर सहयोग ने विद्यार्थियों को इस स्तर पर पहुँचने में मदद की है। उन्होंने विजेता छात्र विराज और उनके माता-पिता को बधाई दी और विश्वास जताया कि आगामी जेईई एडवांस परीक्षा में भी छात्र इसी तरह का उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

निविदा सूचना सं: NED/E-49, 50 एवं ई-जीएस-05/2025-26, दिनांक: 13-02-2026 PUB/1957

निम्नलिखित ई-निविदाओं के लिए www.ireps.gov.in पर प्रस्ताव आमंत्रित किए जाते हैं।

क्रम सं. 1. NED/E-49/2025-26. कार्य का नाम: नांदेड़ में पिट लाइन नंबर 2 और 3 की रीकंडीशनिंग (रेल फिक्स्चर, जल निकासी, पानी की पाइपलाइन और प्रकाश व्यवस्था) - इलेक्ट्रिकल व्यवस्था। **अनुमानित मूल्य :** रु. 38,54,855/-. **बयाना राशि :** रु. 77,100/-. **प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन। **पूर्ण होने की अवधि:** 12 महीने। **उपलब्धता:** www.ireps.gov.in पर, नांदेड़ मंडल प्रशासन के अंतर्गत। **बंद होने की तिथि और समय:** 09-03-2026 को 15:00 बजे।

क्रम सं. 2. NED/E-50/2025-26. कार्य का नाम: नांदेड़ मंडल 1) WDN PRLI स्टेशन के बीच किमी 278/5-6 पर एलसी नंबर 22 के बदले आरयूबी में शेष कार्यों का प्रावधान - इलेक्ट्रिकल व्यवस्था। 2) PRLI PBN पोखर्णी नरसिम्हा गंगाखेड़ स्टेशनों के बीच किमी 301/1-2 पर एलसी नंबर 14 के बदले निर्मित आरयूबी में शेष कार्यों का निर्माण - व्यवस्था। **अनुमानित मूल्य :** रु. 8,98,553.25/-. **बयाना राशि :** रु. 18,000/-. **प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन। **पूर्ण होने की अवधि:** 12 महीने। **उपलब्धता:** www.ireps.gov.in पर, नांदेड़ मंडल प्रशासन के अंतर्गत। **बंद होने की तिथि और समय:** 09-03-2026 को 16:45 बजे।

क्रम सं. 3. NED/E-GS-05/2025-26. कार्य का नाम: परभणी, पूर्णा और मुदखेड़ स्टेशनों के सभी प्लेटफार्मों की शेष लंबाई को कवर करने के लिए प्लेटफार्म कवर (उजड़) का विस्तार - इलेक्ट्रिकल व्यवस्था। **अनुमानित मूल्य :** रु. 67,89,280/-. **बयाना राशि :** रु. 1,35,800/-. **प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन। **पूर्ण होने की अवधि:** 12 महीने। **उपलब्धता:** www.ireps.gov.in पर, नांदेड़ मंडल प्रशासन के अंतर्गत। **बंद होने की तिथि और समय:** 09-03-2026 को 15:00 बजे।

निविदा दस्तावेज, पात्रता मानदंड के विवरण, विशेष शर्तों आदि के लिए ऊपर उल्लिखित हमारी वेबसाइट पर जाएं। यह सलाह दी जाती है कि प्रस्ताव जमा करने से पहले ऑनलाइन प्रकाशित किसी भी शुद्धिपत्र की जांच कर लें।

मंडलीय रेल प्रबंधक (इलेक्ट्रिकल), नांदेड़।

ई-निविदा सूचना सं. 01/Dy.CSTE/C-II/SC/2025-26, दि. : 16-02-2026 PUB/1958

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर (निर्माण-II), दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद, सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से निम्नलिखित कार्य के लिए **12-03-2026 को 15:00** बजे तक ई-निविदा (खुली) आमंत्रित हैं।

क्रम सं. 1. निविदा सं.: C-SG-C-36-5-225-2025-26. **कार्य का नाम:** 1) दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद मंडल के मौला अली स्थित ईएमयू कार शेड में 16 कारों वाली मेमू (चएचणी), वंदे भारत रेक और ईएमयू के रखरखाव के लिए बुनियादी ढांचा सुविधाओं का संवर्धन। 2) इलेक्ट्रिक लोको शेड लालागुडा की होमिंग क्षमता 225 से बढ़ाकर 300 लोकोमोटिव करना - दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद मंडल की दूरसंचार व्यवस्था। **अनुमानित मूल्य: रु.** 2,42,12,511.62 पैसे। **बयाना राशि: रु.** 2,71,100/-. **पूर्ण होने की अवधि:** 12 महीने।

1) निविदा दस्तावेज और अन्य विवरणों के लिए कृपया वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर लॉगिन करें।
2) बयाना राशि का भुगतान ई-पेमेंट गेटवे के माध्यम से नकद में जमा किया जाएगा या भारत के किसी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।
3) निविदाकर्ता निविदा जमा करने की अवधि के दौरान अपना प्रस्ताव ऑनलाइन जमा कर सकते हैं, जो निविदा बंद होने से पंद्रह दिन पहले की अवधि है।
4) निविदाकर्ताओं को निविदा जमा करने की अवधि शुरू होने की तिथि तक किसी भी शुद्धिपत्र (केवल ऑनलाइन जारी) पर नजर रखनी चाहिए।

उप मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर, (निर्माण-II), सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं.: CEE/P/SC-2x25KV-PSI-OGL-GDR-2025-26-01, दि.: 09-02-2026 PUB/1959

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मुख्य इलेक्ट्रिकल इंजीनियर (परियोजना), सिकंदराबाद द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए (ऑनलाइन) ई-निविदा आमंत्रित हैं:

क्रम सं. 1. निविदा सं.: 2X25-EPC-PSI-OGL-GDR-10, दिनांक: 06-02-2026. **कार्य का विवरण:** ओंगोल (OGL) - गुदुर (GDR) खंड, विजयवाड़ा मंडल में SCOTT-कनेक्टेड ट्रांसफार्मर के साथ 2X25kV AT सिस्टम में ट्रैक्शन सब-स्टेशन (TSSs), सेक्शनिंग पोस्ट (SPs) और सब-सेक्शनिंग और पैरेललिंग पोस्ट (SSPs) का डिजाइन, आपूर्ति, ईरेक्शन, परीक्षण और कमीशनिंग। **अनुमानित मूल्य:** रु. 164,26,00,000.00. **पूधरा (ऑनलाइन भुगतान):** रु. 83,63,000.00. **निविदा फॉर्म की लागत:** शून्य। **पूर्ण होने की अवधि:** 24 महीने (चौबीस महीने)। **निविदा खुलने का स्थान:** सिकंदराबाद।

क्रम सं. 1. विवरण: ई-निविदा (ऑनलाइन) के माध्यम से निविदा बंद होना। **समय:** 15:00 बजे। **दिनांक:** 08-04-2026.

क्रम सं. 1. विवरण: ई-निविदा (ऑनलाइन) के माध्यम से निविदा खुलना। **समय:** 16:00 बजे। **दिनांक:** 13-04-2026.

आगे की निविदा शर्तों/विवरणों और निविदा जमा करने के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। नोट: निविदा दस्तावेजों में कोई भी संशोधन/शुद्धिपत्र/ परिशिष्ट, यदि आवश्यक हुआ, तो उपरोक्त वेबसाइट पर पोस्ट किया जाएगा।

मुख्य इलेक्ट्रिकल इंजीनियर / परियोजना / सिकंदराबाद।

निविदा सूचना PUB/1962

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, **वरिष्ठ मंडलीय सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर, हैदराबाद मंडल, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद** द्वारा **दिनांक 18-03-2026 के 11:30 बजे** तक **ई-प्रोक्योरमेंट** के माध्यम से निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा दिनांक 16-02-2026.

क्रम सं. 1. निविदा सं.: Y/SG/36/2025-26/37. **कार्य का नाम: हैदराबाद मंडल:** 1) सिग्नलिंग संपत्तियों की विश्वसनीयता और पहुंच में सुधार। एवं 2) केबल की विश्वसनीयता और रखरखाव गतिविधियों में सुधार के लिए डइए/गए को विभिन्न केबल परीक्षण उपकरणों का प्रावधान - दूरसंचार व्यवस्था। **अनुमानित मूल्य** (रु.): 4,48,06,647/-. **पूर्व धरोहर राशि (रु.):** 3,74,000/-.

क्रम सं. 2. निविदा सं.: Y/SG/36/2025-26/38. **कार्य का नाम:** में ऑडियो / वॉयस रिकॉर्डिंग सुविधा के साथ वीएचएफ सेट का कार्यान्वयन। **अअनुमानित मूल्य** (रु.): 4,50,63,053.34. **पूर्व धरोहर राशि (रु.):** 3,75,300/-.

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर, हैदराबाद।

निविदा सं.: 36_2025-26_Sr.DEE_TRD_HYB, दिनांक 16-02-2026 PUB/1965

वरिष्ठ मंडलीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, ट्रैक्शन, हैदराबाद, भारत के राष्ट्रपति की ओर से **निविदा सं. 36_2025-26_Sr.DEE_TRD_HYB, दि. :** 16-02-2026 के विरुद्ध ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। बंद होने की तिथि: 11-03-2026, 15:00 बजे। बोलीदाता केवल बंद होने की तिथि और समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियां जमा कर सकेंगे। इस निविदा के लिए मैन्युअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है, और प्राप्त ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा।

क्रम सं. 1. कार्य का विवरण: हैदराबाद मंडल SW (I) कौकुंतला स्टेशन पर गिट्टी साइडिंग (ballast siding) के लिए ट्रैक्शन का प्रावधान - इलेक्ट्रिकल TRD व्यवस्था। SW (II) महबूबनगर (MBNR) अधिकार क्षेत्र में विभिन्न यार्डों में सुरक्षा संबंधी यार्ड सुधार और अपग्रेडेशन कार्य। SW (III) कुरनूल टाउन अधिकार क्षेत्र में विभिन्न यार्डों में सुरक्षा संबंधी यार्ड सुधार और अपग्रेडेशन कार्य - इलेक्ट्रिकल TRD व्यवस्था।
निविदा विज्ञापित लागत (रु.): रु. 80,33,197.00/-**पूर्व धरोहर राशि (रु.):** रु. 1,60,700.00/-.
पूर्ण होने की अवधि: 06 महीने। **बंद होने की तिथि:** 11-03-2026.

वेबसाइट विवरण: www.ireps.gov.in

वरिष्ठ मंडलीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, ट्रैक्शन, हैदराबाद।
A2487

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट : www.ireps.gov.in या http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, No 6942143H Hav Ajay Pal Singh of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana, that my daughter's name is changed from KRISHMA YADAV to KARISHMA YADAV.

CHANGE OF NAME

I, Army No. 1359452P Naik (TS) ANUGU MANOHAR REDDY, Resident of H.No.4-9-51/P11 & 12/F101, Pragathi Nagar Colony, Phase-1, PO:Hayathnagar, R.R.District-501505,Hyderabad, Telangana hereby declare that my spouse name is to be changed from SUBADRA to ANUGU SUBADRA vide affidavit dt:16-2-2026 before CH.Narmada, Principal Junior Civil Judge-cum-Judicial Magistrate of First Class, Rangareddy District at L.B.Nagar.

ऊर्जा ही विकास की असली मुद्रा है : रेवंत रेड्डी

मुंबई/हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को आर्थिक विकास को पर्यावरणीय स्थिरता के साथ जोड़ते हुए तेलंगाना के दीर्घकालिक विकास विजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। मुंबई क्लाइमेट वीक में बोलते हुए उन्होंने कहा कि 2047 को समझने के लिए 1947 से शुरुआत करना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि 1950 से 1990 तक भारत की सर्वोच्च प्राथमिकताएं शिक्षा और सिंचाई थीं, जिसके दौरान देश ने गांव के स्कूलों से लेकर आईआईटी, आईआईएससी और आईआईएम जैसे प्रमुख संस्थानों तक मजबूत शैक्षणिक संस्थान बनाए और बिजली व सिंचाई के लिए बड़े बांधों का निर्माण किया।

सुधार युग से ग्रीन इकोनॉमी तक का सफर

1991 से 2020 के सुधार युग पर विचार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तब ध्यान उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण पर केंद्रित था। भारत टेलीकॉम और सॉफ्टवेयर क्रांति के कारण एक सेवा पावरहाउस के रूप में उभरा। हालांकि, उन्होंने उल्लेख किया कि इस चरण में विनिर्माण का अवसर चूक गया था।

कोविड के बाद की बदली परिस्थितियों पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि शक्ति या ऊर्जा किसी भी अर्थव्यवस्था की वास्तविक मुद्रा है। विकास को बिजली उत्पादन और खपत से मापा जाता है। तेलंगाना वर्तमान में प्रतिदिन औसतन 16,610 मेगावाट बिजली की खपत करता है। पिछले साल दर्ज की गई अधिकतम मांग 17,162 मेगावाट थी, जिसके इस साल 19,000 मेगावाट से अधिक होने की उम्मीद है। 2034 तक राज्य की मांग 34,000 मेगावाट को पार करने का अनुमान है, क्योंकि राज्य एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य लेकर चल रहा है। वर्तमान में राज्य की लगभग 25 प्रतिशत ऊर्जा हरित स्रोतों से प्राप्त होती है।

मुख्यमंत्री ने तेलंगाना के रणनीतिक ढांचे को तीन क्षेत्रों सीयूआरई, पीयूआरई और आरएआरई में विभाजित किया है। 160 किलोमीटर के आउटर रिंग रोड के भीतर हैदराबाद को कोर अर्बन रीजन इकोनॉमी (सीयूआरई) घोषित किया गया है।

आउटर रिंग रोड और 360 किलोमीटर के रीजनल रिंग रोड (आरआरआर) के बीच स्थित पीयूआरई जोन को विनिर्माण के लिए समर्पित किया गया है। इसे हरित ऊर्जा द्वारा संचालित एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य चीन + 1 विकल्प प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि कोविड और जलवायु परिवर्तन दोनों ने सरकारों के दृष्टिकोण को बदल दिया है, जिससे वर्तमान स्थिति क्लाइमेट इमरजेंसी जैसी है।

हैदराबाद के लिए नेट जीरो लक्ष्य और भविष्य की योजनाएं

मुख्यमंत्री ने स्थिरता पहल पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हैदराबाद में इलेक्ट्रिक वाहनों पर से टैक्स हटा दिया गया है, जिससे ईवी अपनाने की दर बढ़ी है। 200,000 से अधिक ऑटो-रिक्शा को हरित विकल्पों में बदला जा रहा है और 3,500 से अधिक आरटीसी बसों को इलेक्ट्रिक बसों से बदला जा रहा है। हैदराबाद मेट्रो का विस्तार 71 किलोमीटर से बढ़ाकर 200 किलोमीटर से अधिक किया जा रहा है।

उन्होंने मूसी नदी के पुनरुद्धार, झीलों की बहाली और भारत के पहले समर्पित पर्यावरण पुलिस बल हाइड्रा की स्थापना का भी उल्लेख किया। हैदराबाद को 2034 तक नेट जीरो बनाने का लक्ष्य है और जल्द ही शहरव्यापी कार्बन फुटप्रिंट ऑडिट कराया जाएगा। अगले पांच वर्षों के भीतर शहरी क्षेत्र में लगभग कोई उद्योग या कारखाना नहीं होगा, क्योंकि उद्योगों को क्रमिक रूप से पेरी-अर्बन क्षेत्रों में स्थानांतरित किया जा रहा है।

अपने संबोधन के अंत में मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि हरित ऊर्जा की प्रत्येक इकाई राज्य, देश और ग्रह को लाभ पहुँचाती है।

तेलंगाना की वाहन स्क्रैपिंग नीति सुस्त

सड़कों पर अब भी दौड़ रहे हैं पुराने वाहन

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य सरकार द्वारा घोषित प्रोत्साहन और कर रियायतों के बावजूद, तेलंगाना में वाहन मालिक अपने पुराने वाहनों को कबाड़ (स्क्रैप) करने में बहुत कम रुचि दिखा रहे हैं। विशेष रूप से 15 साल से अधिक पुराने दोपहिया और कार मालिकों का प्रतिसाद काफी ठंडा है।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, शहर में हर महीने मुश्किल से 30 वाहन स्क्रैप किए जा रहे हैं, जो स्वैच्छिक वाहन बेड़ा आधुनिकीकरण नीति (वीवीएमपी) के प्रति धीमी प्रतिक्रिया को दर्शाता है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदूषण फैलाने वाले पुराने वाहनों को सड़कों से हटाकर पर्यावरण के अनुकूल नए मॉडलों को बढ़ावा देना था।

मालिक क्यों नहीं दिखा रहे रुचि?

क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) के अधिकारियों का कहना है कि कई निजी वाहन मालिकों का तर्क है कि उनके वाहन 15 साल से पुराने होने के बावजूद अच्छी स्थिति में हैं। जब तक वाहन फिटनेस टेस्ट पास कर लेते हैं, मालिक उन्हें स्क्रैप करने के बजाय अपने पास रखना पसंद करते हैं।

रियायतें और नियम: क्या मिलता है फायदा?

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि कोई वाहन

आधिकारिक तौर पर स्क्रैप किया जाता है, तो उसे स्थायी रूप से डी-रजिस्टर्ड कर दिया जाता है। नया वाहन खरीदते समय स्क्रैपेज दस्तावेज जमा करने पर निम्नलिखित रियायतें मिलती हैं: टैक्स में छूट: 5 लाख रुपये तक के वाहन पर 10,000 रुपये की छूट, जबकि उच्च स्लैब में यह लाभ 40,000 रुपये तक हो सकता है। जुर्माना माफी: समय सीमा के भीतर स्क्रैप करने पर बकाया ग्रीन टैक्स और कुछ जुर्मानों को माफ कर दिया जाता है। सर्टिफिकेट ऑफ डिपॉजिट: अधिकृत केंद्रों पर वाहन सरेंडर करने पर यह प्रमाण पत्र मिलता है, जिससे नए वाहन पर रिबेट का दावा किया जा सकता है।

सख्त होते नियम

2025 से लागू नियमों के अनुसार, 15 वर्ष से अधिक पुराने वाहन जो स्वचालित परीक्षण स्टेशनों (एटीएस) पर अनिवार्य फिटनेस टेस्ट में विफल रहेंगे, उन्हें सड़कों पर चलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। वर्तमान में, 15 वर्ष के बाद पंजीकरण बढ़ाने के लिए मालिकों को फिटनेस टेस्ट के साथ 5,000 रुपये ग्रीन टैक्स और 2,000 रुपये प्रोसेसिंग शुल्क देना पड़ता है।

विंटेज वाहनों के लिए विशेष प्रावधान

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने विंटेज वाहनों के लिए विशेष नियमों की शुरुआत की है, परिभाषा: 50 वर्ष से अधिक पुराने और अपनी मूल स्थिति में संरक्षित वाहन।

छूट: इन वाहनों को स्क्रैपिंग नीति से छूट दी गई है, लेकिन इनका उपयोग नियमित या व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए नहीं किया जा सकता। पंजीकरण: इन्हें परिवहन पोर्टल के माध्यम से एक अद्वितीय वीए शृंखला के तहत विशेष पंजीकरण प्राप्त करना होगा, जो 10 वर्षों के लिए वैध होगा।

तेलंगाना में वर्तमान में केवल तीन अधिकृत स्क्रैपिंग केंद्र हैं। ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र में पाशमैलाराम (पटनचेरु) के पास एकमात्र केंद्र है, जिसकी क्षमता प्रतिदिन 30 वाहन संभालने की है, लेकिन जागरूकता की कमी के कारण वहां बहुत कम लोग पहुँच रहे हैं।

हैदराबाद की कंपनी पर 24,000 कर्मचारियों के पीएफ बकाया की हेराफेरी का आरोप

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। साइबराबाद आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने हैदराबाद स्थित एक निजी कंपनी और उसके निदेशकों के खिलाफ करोड़ों रुपये की हेराफेरी के आरोप में आपराधिक मामला दर्ज किया है। आरोप है कि कंपनी ने कर्मचारियों के वेतन से भविष्य निधि अंशदान के रूप में कटौती की, लेकिन उसे संबंधित विभाग में जमा नहीं कराया।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन

(ईपीएफओ), संगारेड्डी क्षेत्रीय कार्यालय की प्रवर्तन अधिकारी अलगुबेली अनुषा रेड्डी की शिकायत के आधार पर, ईओडब्ल्यू पुलिस ने 16 फरवरी को एनर्जेटिक पीपल कंपनी और उसके निदेशकोंशरथ भूषण समलेटी और सतीश रेड्डी चिंतापल्लीके खिलाफ मामला दर्ज किया। इनके विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) (धोखाधड़ी) और 316(5) (आपराधिक विश्वासघात) के तहत कार्रवाई की गई है।

हजारों श्रमिकों के भविष्य के साथ खिलवाड़

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कावुरी हिल्स से संचालित होने वाले इस प्रतिष्ठान ने हजारों शमिकों के वैधानिक पीएफ कटौती को जमा नहीं किया। यह ईपीएफ योजना, 1952 का सीधा उल्लंघन है, जिसके तहत कर्मचारियों के हिस्से की मासिक कटौती को अनिवार्य रूप से जमा करना होता है।

मामले का खुलासा तब हुआ जब जनवरी में कंपनी के एक पूर्व कर्मचारी रोहित कुमार शर्मा ने ईपीएफओ में शिकायत दर्ज कराई। रोहित ने आरोप लगाया कि उनके वेतन से पीएफ काटा गया, लेकिन उनके खाते में जमा नहीं हुआ।

रोहित की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए ईपीएफओ अधिकारियों ने कंपनी के वेतन रिकॉर्ड की जांच की। जांच के मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं- 1) व्यक्तिगत धोखाधड़ी: जून से दिसंबर 2025 के बीच रोहित के वेतन से 11,903 रुपये काटे गए, लेकिन क्रेडिट नहीं किए गए।

2) अगस्त 2025 का बड़ा डेटा: भुगतान रजिस्टर की जांच से पता चला कि 24,997 कर्मचारियों के वेतन से 3.4 करोड़ रुपये काटे गए।

3) नाममात्र जमा: इस भारी कटौती के मुकाबले, केवल 292 कर्मचारियों के लिए मात्र 4.38 लाख रुपये ही जमा किए गए।

4) कुल बकाया: अकेले अगस्त 2025 के लिए लगभग 3.3 करोड़ रुपये के पीएफ अंशदान की हेराफेरी पाई गई।

ईओडब्ल्यू की कड़ी चेतावनी

ईओडब्ल्यू अधिकारियों के अनुसार, काटी गई राशि को जमा न करना सौंपे गए धन का दुरुपयोग है।

एक अधिकारी ने कहा, हमें संदेह है कि कंपनी जून 2025 से 20,000 से अधिक कर्मचारियों के ईपीएफ प्रेषण में चूक कर रही है। यह देनदारी और भी बड़ी हो सकती है। हम सबूतों का विश्लेषण कर रहे हैं और जल्द ही कंपनी के प्रतिनिधियों से पूछताछ की जाएगी।

कार्टून कॉर्नर

हैदराबाद में 224 अपंजीकृत क्लीनिकों और अस्पतालों को नोटिस

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद जिला प्रशासन ने अनिवार्य सरकारी पंजीकरण के बिना चल रहे 224 चिकित्सा प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किया है। प्रशासन ने उनसे अनुपालन न करने पर स्पष्टीकरण मांगा है और चेतावनी दी है कि यदि वे जवाब देने में विफल रहते हैं, तो उन पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा और उन्हें अस्थायी रूप से बंद कर दिया जाएगा।यह कार्रवाई हैदराबाद कलेक्टरेट से प्राप्त सूचियों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) तथा क्षेत्रीय स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा किए गए सत्यापन के आधार पर एक जिलाव्यापी सर्वेक्षण के बाद की गई है। एक वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया, सर्वेक्षण के दौरान, अधिकारियों ने पंजीकृत और अपंजीकृत प्रतिष्ठानों को अलग किया, जिससे लागू नियमों के तहत वैध पंजीकरण के बिना चल रहे क्लीनिकों और अस्पतालों की पहचान की गई।जिला प्रशासन द्वारा चलाया गया यह अभियान स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किया गया है। अधिकारियों ने जमीनी स्तर पर डेटा एकत्र करने के लिए स्वास्थ्य विभाग की कई टीमों को तैनात किया था।

वनस्थलीपुरम में महिला आईटी पेशेवर की हत्या, पूर्व पति पर आरोप

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। वनस्थलीपुरम इलाके में बुधवार को एक 30 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर की उसके पूर्व पति द्वारा कथित तौर पर बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

यह घटना वनस्थलीपुरम थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्रीन सिटी कॉलोनी में हुई। मृतका की पहचान सुनीता (30) के रूप में हुई है, जो आईटी क्षेत्र में कार्यरत थी। आरोपी की पहचान उसके पूर्व पति महेश के रूप में हुई है।

प्रारंभिक जांच के अनुसार, महेश कथित तौर पर दो चाकू और पेट्रोल की एक केन लेकर सुनीता के घर में घुसा। बताया जा रहा है कि उसने पहले चाकुओं से उस पर हमला किया और बाद में उसके सिर पर फूलों का गमला दे मारा। गंभीर चोटों के कारण सुनीता की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस को रंजिश का संदेह

जानकारी के अनुसार, सुनीता ने महेश से तलाक ले लिया था और हाल ही में पुनर्विवाह किया था। पुलिस को संदेह है कि तलाक के बाद के व्यक्तिगत विवाद और रंजिश ही इस क्रूर हत्या का मुख्य कारण हो सकते हैं।सूचना मिलते ही वनस्थलीपुरम पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने महेश को हिरासत में ले लिया है, हालांकि अभी आधिकारिक गिरफ्तारी की घोषणा होना बाकी है।

हैदराबाद में होली से पहले गांजा मिश्रित ठंडाई और चॉकलेट जब्त, एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। होली से पहले एक बड़ी कार्रवाई करते हुए, हैदराबाद आबकारी पुलिस ने चारमीनार इलाके में कथित तौर पर गांजा युक्त ठंडाई और चॉकलेट बेचने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के आगरा निवासी बी. विकास के रूप में हुई है। वह कथित तौर पर प्रत्येक चॉकलेट में 5 ग्राम गांजा मिला रहा था और नशीली ठंडाई 150 रुपये प्रति गिलास बेच रहा था, जबकि साधारण ठंडाई की कीमत 50 रुपये है।

विशिष्ट सूचना पर कार्रवाई करते हुए, प्रवर्तन टीमों ने विकास के आवास पर छापा मारा और 1,920 गांजा मिश्रित चॉकलेट जब्त कीं। पूछताछ के दौरान, उसने कथित तौर पर स्वीकार किया कि उसने होली के उत्सव के दौरान भारी बिक्री की उम्मीद में आगरा से ये चॉकलेट मंगवाई थीं।आबकारी पुलिस ने बताया, आरोपी बी. विकास गांजा मिश्रित ठंडाई को 150 रुपये प्रति गिलास बेच रहा था। जांच में पता चला कि प्रत्येक चॉकलेट में 5 ग्राम गांजा मिला हुआ था। विकास ने कबूल किया कि उसने मांग बढ़ने की उम्मीद में ये उत्पाद आगरा से लाए थे।

जब्त की गई 1,920 चॉकलेट को आगे की जांच के लिए चारमीनार आबकारी पुलिस को सौंप दिया गया है।

बाघ के नाखून और दांत बरामद

इसी सप्ताह की शुरुआत में एक अन्य अभियान में, राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई), हैदराबाद जोनल यूनिट ने वन्यजीव वस्तुओं के अवैध व्यापार में शामिल व्यक्तियों से बाघ के सात नाखून और तीन दांत जब्त किए।

अधिकारियों ने कहा कि उन्हें ग्रे मार्केट में बाघ के पंजों और दांतों सहित वन्यजीव उत्पादों की अवैध बिक्री के बारे में विशेष सूचना मिली थी। त्वरित कार्रवाई करते हुए, डीआरआई अधिकारियों ने दो संदिग्ध तस्करों को रोका। पूछताछ के दौरान, एक आरोपी के बैकपैक से एक पारदर्शी ज़िप-लॉक पाउच मिला, जिसमें बाघ के सात नाखून और तीन दांत पाए गए।

गश्त पर पंजे: अपराध को ट्रैक करने और निपटने के लिए 76 प्रशिक्षित श्वान तैयार

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मोइनाबाद स्थित इंटीग्रेटेड इंटेलिजेंस ट्रेनिंग एकेडमी (आईआईटीए) में मंगलवार को पुलिस श्वानों के 25वें बैच और उनके हैंडलर्स की पासिंग आउट परेड आयोजित की गई। आठ महीने के कड़े प्रशिक्षण के बाद कुल 105 हैंडलर और 76 श्वान अकादमी से पास आउट हुए।

इन श्वानों में बेल्जियन मैलिनोइस, लैब्राडोर, कॉकर स्पैनियल, जर्मन शेफर्ड और बीगल शामिल हैं। इनमें से 42 तेलंगाना के लिए, 30 बिहार सीआईडी के लिए और 4 केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के लिए विभिन्न कार्यों में तैनात किए जाएंगे। औपचारिक परेड के दौरान इन श्वानों ने अपने अनुशासन, चपलता और आज्ञाकारिता का प्रदर्शन किया, जो उनके और उनके हैंडलर्स के बीच महीनों के गहन समन्वय को दर्शाता है।

पुलिस बल के सबसे भरोसेमंद मूक सैनिक

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (इंटेलिजेंस) विजय कुमार ने मंगलवार को प्रशिक्षित श्वानों को पुलिस बल का सबसे भरोसेमंद मूक सैनिक बताया। उन्होंने कहा कि ये प्रशिक्षित श्वान केवल साथी नहीं, बल्कि अपराध की रोकथाम और पता लगाने में अग्रणी भागीदार हैं।

विजय कुमार ने जोर देकर कहा कि आधुनिक पुलिस व्यवस्था में ये श्वान सबसे प्रभावी संपत्तियों में से एक हैं, जो अपराधियों का पीछा करने, विस्फोटकों और नशीले पदार्थों का पता लगाने और खुफिया जानकारी पर आधारित अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने हैंडलर और श्वान के बीच के बंधन को परिचालन सफलता के लिए महत्वपूर्ण बताया।

राष्ट्रीय स्तर पर तेलंगाना पुलिस का दबदबा

राज्य के इंटेलिजेंस सिक्योरिटी विंग (आईएसडब्ल्यू) के कार्यों का उल्लेख करते हुए, एडीजीपी ने बताया कि प्रधानमंत्री की यात्राओं के दौरान, स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) अक्सर यह स्वीकार करता है कि सुरक्षा का प्रारंभिक कार्य आईएसडब्लू द्वारा व्यापक रूप से संभाला जा चुका होता है।

विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) वी.बी. कमलासन रेड्डी ने बताया कि 2004 में स्थापित यह प्रशिक्षण केंद्र देश के प्रमुख श्वान प्रशिक्षण संस्थानों में से एक बन गया है। अब तक, इसने विभिन्न राज्यों के 919 पुलिस श्वानों और 1,310 हैंडलर्स को प्रशिक्षित किया है। उन्होंने याद दिलाया कि तेलंगाना पुलिस ने 67वीं और 68वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीतकर प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा

अकादमी में श्वानों के स्वास्थ्य, फिटनेस और परिचालन तैयारी को बनाए रखने के लिए विशेष बुनियादी ढांचा उपलब्ध है। इसमें शामिल हैं: 650-यार्ड का केनाइन घ्राण पार्क : सूंघने की क्षमता को बढ़ाने के लिए। अत्याधुनिक पशु चिकित्सा अस्पताल: श्वानों की निरंतर स्वास्थ्य जांच के लिए।

इन नई टीमों के शामिल होने से मैदानी इलाकों में पुलिस की परिचालन क्षमता और सुरक्षा जांच में काफी वृद्धि होने की उम्मीद है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.